पर्ल बुक्स

हिन्दी आरव

सहायक पुस्तिका : 1-5

- आध्यात्मिक कहानियाँ
- शाब्दिक अर्थ
- अभ्यास कार्य एवं व्याकरण

1 बिना मात्रा वाले शब्द

अभ्यास

1. वर्णों को मिलाकर लिखिए

क + ल	=	कल	न + भ	=	नभ
श + ह + र	=	शहर	ग + ग + न	=	गगन
ब + र + त + न	=	बरतन	ज + ग + म + ग	=	जगमग

2. चित्रों को देखकर उनके नाम पूर्ण कीजिए–

उत्तर–

नहर

बरगद

कलश

पनघट

3. निम्नलिखित वर्णों को अलग कीजिए–

उत्तर– अदरक = अ + द् + अ + र् + अ + क् + अ

बरतन = ब + अ + र् + त् + अ + न् + अ

रजत = र् + अ + ज् + अ + त + अ

कमल = क् + अ + म् + अ + ल्

4. 'न' वर्ण की सहायता से शब्द रचना कीजिए–

उत्तर–

अचकन, बरतन, उपवन, पचपन → **न** → नरम, नहर, नमक, नमन

2 मात्रा वाले शब्द

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों को अलग करके लिखिए–

राम	=	र	+	ा	+	म		
बात	=	ब	+	ा	+	त		
दाना	=	द	+	ा	+	न	+	ा
खाना	=	ख	+	ा	+	न	+	ा

2. चित्रों की मदद से मात्रा लगाकर शब्दों को पूरा कीजिए–

छाता

गाजर

अनार

दादा

राजा

बादल

ताला

जाल

3. मिलाकर लिखिए–

क + ा + ट	=	काट	न + ह + ा + य + ा	=	नहाया
अ + ख + ब + ा + र	=	अखबार	भ + ा + ल + ा	=	भाला

4. चित्र को पहचानकर उसका नाम लिखिए–

बाजा

शिव

कक्षा

3 'ई' और 'ई' की मात्रा

अभ्यास

1. चित्रों की मदद से सही स्थान पर 'इ' अथवा 'ई' की मात्रा लगाकर शब्दों को पूरा कीजिए–

दिया

निब

किला

माली

खीरा

2. अलग करके लिखिए–

शनिवार	=	श + ि + न + व + ा + र	पिन	=	ि + प + न
खटिया	=	ख + ि + ट + य + ा	दीपक	=	द + ी + प + क
पिचकारी	=	ि + प + च + क + ा + र + ी			

3. चित्र देखकर नाम लिखिए–

डाकिया

हाथी

तकिया

पिन

3. उचित मिलान कीजिए–

तितली

खटिया

चाबी

खीरा

गिलास

4 'उ' और 'ऊ' की मात्रा

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों को अलग करके लिखिए–

सुधा = स + ु + ध + ा मुरली = म + ु + र + ल + ी

झूमर = झ + ू + म + र कपूत = क + प + ू + त

2. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

उत्तर–

सुराही बुढ़िया की।

खरबूजा मीठा था।

यह **गुड़िया** मधु की।

सूरज दूर था।

भालू भाग गया।

रानी **फूली** थी।

3. मिलाकर लिखिए–

उत्तर– श + ह + त + ू + त = शहतूत फ + ू + ल + न + ा = फूलना

क + ु + ल + ी = कुली म + ू + ल + ी = टूटना

5 'ए' और 'ऐ' की मात्रा

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों को अलग करके लिखिए–

सैनिक = स + ै + ि + न + क हैरान = ह + ै + र + ा + न

फैसला = फ + ै + स + ल + ा केला = क + े + ल + ा

2. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

उत्तर–

करेला कड़वा था।

थैला छोटा है।

सपेरा बीन बजा।

यह **मैना** है।

खेत हरा–भरा है।

बैल पालतू पशु है।

3. मिलाकर लिखिए–

उत्तर– क + ै + म + र + ा = कैमरा भ + ै + य + ा = भैया

म + ै + द + ा + न = मैदान ज + ै + स + ा = जैसा

भ + ै + र + व = भैरव

6 'ओ' और 'औ' की मात्रा

'ओ' की मात्रा 'े'

1. निम्नलिखित शब्दों को अलग करके लिखिए–

फौज = फ + ौ + ज भोजन = भ + ो + ज + न

चकोर = च + क + ो + र दौड़ा = द + ौ + ड़ + ा

2. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

उत्तर– **घोड़ा** तेज दौड़ा। **हथौड़ा** भारी होता है।

कोयल मीठा गाती है। यह **कैमरा** मेरा है।

पौधा छोटा है। यह **नाव** है।

3. मिलाकर लिखिए–

उत्तर– क + ौ + श + ल = कौशल अ + ौ + र + त = औरत

र + ौ + न + क = रौनक प + ो + श + ा + क = पोशाक

च + ौ + ड़ + ा = चौड़ा

7 अनुस्वार (अं), अनुनासिक चंद्रबिंदु (ँ) और विसर्ग (अः) की मात्रा

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों को अलग करके लिखिए–

चंदन = च + ं + द + न नंदन = न + ं + द + न

साँच = स + ा + ँ + च दौड़ा = द + ौ + ड़ + ा

स्वत: = स् + व + त + :

2. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

उत्तर– **अंगूर** मीठे होते हैं। **चाँद** चमक रहा है।

कँघा मोहन का है। **बाँसुरी** सुरीली है।

3. मिलाकर लिखिए–

उत्तर– क + ं + ग + न = कंगन प + ं + ज + ा + ब = पंजाब

अ + ा + ँ + च + ल = आँचल अ + ा + ँ + ग + न = आँगन

फ + ल + त + : = फलत: प्र + ा + त + : = प्रात:

8 ऋ, रेफ और र् पदेन की मात्रा

अभ्यास

1. निम्नलिखित शब्दों को अलग करके लिखिए–

पृथक् = प + ृ + थ + क कर्कश = क + र्‍ + क + श

प्रकाश = प + ्र + क + ा + श

2. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

उत्तर– **नर्स** सेवा करती है। **ट्रेन** तेज चलती है।

वर्षा हो रही है। **ट्रक** सामान ढोता है।

3. मिलाकर लिखिए–

उत्तर– म + ृ + द + ु + ल = मृदुल र + ा + ष् + ट + ्र + ा = राष्ट्र

क + ा + र्‍ + य = कार्य

9 संयुक्त और आधा अक्षर

अभ्यास

1. चित्र देखकर संयुक्त अक्षर लिखिए–

बिल्ली	बन्दर	बिस्कुट	अध्यापक
बि + ल्ल + ी	ब + न् + द + र	ि + ब + स् + क + ु + ट	अ + ध् + य + ा + प + क

2. चित्र देखकर वाक्य पूरे कीजिए–

उत्तर– **कृष्ण** मक्खन खाता है। **बच्चा** खेल रहा है।

ईख से चीनी बनती है। **त्रिशूल** चमक रहा है।

3. मिलाकर लिखिए–

उत्तर– अ + च् + छ + ा = अच्छा स + ख् + त + = सख्त

च + प् + प + ल = चप्पल ि + ड + ब् + ब + ा = डिब्बा

ग् + व + ा + ल + ा = ग्वाला प् + य + ा + ज = प्याज

बाहर खड़ी

अभ्यास

दिए गए व्यंजनों पर मात्रा लगाकर इन्हें लिखिए–

र + उ = रु	व् + आ = वा	र् + ऊ = रू
न् + ऋ = नृ	य् + ए = ये	द् + ओ = दो
प् + ऐ = पै	स् + अं = सं	

बाहर खड़ी

अभ्यास

जंबो वर्णमाला लिखने बैठा था यह कई वर्ण भूल गया है। छूटे हुए वर्ण आप लिखिए–

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	
क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण		
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व			
श	ष	स	ह			
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र			
	ड़	ढ़				

10 ईश वंदना

अभ्यास

1. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

(क) वर्षा हो **रही है**। (ख) तारे चमक **रहे हैं**।

(ग) आओ गाना **गाएँ**। (घ) भगवान सबका ध्यान **रखता** है।

2. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(क) सूरज = प्रातः सूरज निकलता है।

(ख) बादल = आकाश में बादल छा गए।

(ग) जगत = ईश्वर ने जगत बनाया है।

(घ) धरती = धरती हरी-भरी है।

(ङ) सुंदर = गुड़िया सुंदर है।

(क) भगवान = भगवान सबका ध्यान रखता है।

3. उत्तर बताइए-

(क) चाँद रात को चमकता है।

(ख) तारे आकाश में दिखाई देते हैं।

(ग) बादल वर्षा लाते हैं।

(घ) ईश्वर दुनिया का दु:ख हरता है।

क्रियात्मक अभिरूचि

स्वयं करे।

11 शेर और चूहा

अभ्यास

1. सही शब्द चुनकर (✓) वाक्य पूरे कीजिए-

(क) (i) वृक्ष के नीचे।

(ख) (i) चूहा उसकी पीठ पर चढ़ गया था।

2. रिक्त स्थानों को भरिए-

(क) शेर **गुफा** में रहता है। (ख) पक्षी **घोंसले** में रहते हैं।

(ग) **चूहा** बिल में रहता है। (घ) तितली **फूल** पर रहती है।

3. उत्तर बताइए-

(क) शेर वृक्ष के नीचे सो रहा था।

(ख) चूहा उसकी पीठ पर उछल-कूद करने लगा।

(ग) चूहे ने कहा- महाराज मुझे छोड़ दें। एक दिन मैं आपकी मदद करूँगा।

(घ) एक दिन शेर शिकारी के जाल में फँस गया था।

(ङ) चूहे ने अपने तेज दाँतों से शिकारी का जाल काटकर शेर की मदद की।

क्रियात्मक अभिरूचि

स्वयं करे।

12 दयालु सिद्धार्थ

अभ्यास

1. सही शब्द चुनकर (✓) वाक्य पूरे कीजिए-

(क) (i) सिद्धार्थ का (ख) (i) देवदत्त

(ग) (ii) हंस को

2. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए-

(क) सिद्धार्थ का **मन** बड़ा प्रसन्न था।

(ख) मैंने इसका **शिकार** किया है।

(ग) **देवदत्त** बहुत दुखी हुआ।

(घ) हंस **सिद्धार्थ** को मिल गया।

(ङ) **हंस** पाकर सिद्धार्थ खुश हुए।

3. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

(क) दयापूर्वक = सिद्धार्थ ने दयापूर्वक उस हंस को गोद में उठा लिया।

(ख) हंस = हंस शीघ्र ही सिद्धार्थ की गोद में बैठ गया।

(ग) खुश = सिद्धार्थ खुश था।

(घ) उपवन = एक दिन सिद्धार्थ घूमने के लिए उपवन में गया।

4. उत्तर बताइए-

(क) सिद्धार्थ घूमने के लिए उपवन में गया।

(ख) हंस घायल होकर भूमि पर गिर गया।

(ग) सिद्धार्थ ने घायल हंस को गोद में उठा लिया। उसने उसके घाव को धोया और उसे पानी पिलाया।

(घ) देवदत्त, सिद्धार्थ का चचेरा भाई था।

(ङ) अंत में हंस सिद्धार्थ को मिला।

क्रियात्मक अभिरूचि

स्वयं करे।

13 जब बोलो, हँसकर बोलो

अभ्यास

1. सही शब्द चुनकर (✓) वाक्य पूरे कीजिए-

(क) (i) हँसकर (ख) (ii) रच-रच कर

2. विलोम शब्द लिखिए-

हँसना	=	रोना	सच	=	झूठ
झुकना	=	उठना	बोलना	=	चुप रहना

3. उत्तर बताइए-

(क) हमें हमेशा मीठा बोलना चाहिए।

(ख) इस कविता के रचयिता सोहनलाल द्विवेदी है।

(ग) झुककर बोलने का आशय सोच-समझ कर बोलने से है।

(घ) हमें कठिनाइयों का सामना हिम्मतपूर्वक करना चाहिए।

(ङ) इस कविता से हमें यह शिक्षा मिलती है- हमें सच बोलना चाहिए। हँस कर बोलना चाहिए और मीठा बोलना चाहिए।

क्रियात्मक अभिरूचि

स्वयं करे।

14 बुद्धिमान खरगोश

अभ्यास

1. सही शब्द चुनकर (✓) वाक्य पूरे कीजिए–

(क) (i) बाघमारा के जंगल में (ख) (ii) खूँखार

(ग) (i) सियार (घ) (ii) सियार की

2. किसने कहा किससे कहा?

(क) शेर ने, सियार से (ख) सियार ने, खरगोश से

(ग) खरगोश ने, सियार से

3. सही शब्दों पर (✓) का चिह्न लगाइए–

जंगल	(✗)	जंगल	(✓)	जनावर	(✗)	जानवर	(✓)
महाराज	(✓)	महारज	(✗)	कमजोर	(✓)	कमजेर	(✗)
शैर	(✗)	शेर	(✓)	पुँछ	(✗)	पूँछ	(✓)

3. उत्तर बताइए–

(क) जंगल के जानवर शेर से डरते थे और शेर के डर से छिपे रहते थे।

(ख) सियार शिकार में शेर की मदद करता था।

(ग) खरगोश को देखकर सियार ने कहा– वनराज एक खरगोश आ रहा है। आप उसे झपटकर पकड़ लीजिए।

(घ) खरगोश ने सियार से पूछा– शेर मर गया, तो मरे हुए जानवर की तो पूँछ हिलती रहती है।

(ङ) शेर खरगोश की बात सुनकर पूँछ हिलाने लगा। यह देखकर खरगोश वहाँ से भाग गया। तब सियार और शेर पछताते रह गए।

क्रियात्मक अभिरूचि

स्वयं करे।

15 कबरा की समझदारी

अभ्यास

1. सही शब्द चुनकर (✓) वाक्य पूरे कीजिए–

(क) (i) कबरा (ख) (ii) नहर के तट पर

(ग) (i) काफी तेज

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) राकेश के कुत्ते का नाम **कबरा** था।

(ख) राकेश **नहर** में स्नान करने लगा।

(ग) कबरा ने राकेश की चीख **सुनी**।

3. उत्तर बताइए–

(क) राकेश के कुत्ते का नाम कबरा था।

(ख) नीरज राकेश का मित्र था।

(ग) राकेश नहर में डूबने लगा। वह तभी जोर से चिल्लाया।

(घ) कबरा ने नहर में छलाँग लगा दी और अपने दाँतों से राकेश के बाल खींच उसे नहर के किनारे ले आया। उसका मित्र नीरज डाक्टर कों ले आया। इस तरह कबरा ने राकेश की जान बचाई।

क्रियात्मक अभिरूचि

स्वयं करे।

16 *अपना घर*

अभ्यास

1. सही शब्द चुनकर (✓) वाक्य पूरे कीजिए–

(क) (ii) चिड़िया का (ख) (i) गुफा

(ग) (i) गायें (घ) (i) खरगोश

2. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

शेर **गुफा के अंदर जाकर**,
करता है सुख से आराम।
गायें **गौशाला में आतीं**,
सुख पातीं, करतीं विश्राम।।

3. पर्यायवाची शब्द लिखिए–

पक्षी	=	खग, विहग	रात	=	निशा, रैन
शेर	=	सिंह, वनराज	विश्राम	=	आराम, चैन
घर	=	गृह, सदन	उत्तम	=	श्रेष्ठ, ठीक

4. तुकांत शब्द लिखिए–

सुख	=	दु:ख	बिल	=	दिल
आराम	=	हराम	अंदर	=	मंदर
अपना	=	पराया	शरण	=	वरण

3. उत्तर बताइए–

(क) चिड़िया के घर को घोंसला कहते हैं।

(ख) गुफा शेर का घर होता है।

(ग) खरगोश अपने बिल में आराम करता है।

(घ) गौशाला गायों के लिए होती है।

क्रियात्मक अभिरूचि

स्वयं करे।

17 समझदार रजत

अभ्यास

1. सही शब्द चुनकर (✓) वाक्य पूरे कीजिए–

(क) (i) समझदार (ख) (ii) लाल रंग की

2. रिक्त स्थान भरिए–

(क) रजत एक **समझदार** बालक था।

(ख) रजत **स्कूल** जा रहा था।

(ग) रजत गाड़ी को देख **परेशान** हो उठा।

(ङ) सबने रजत को **प्यार** किया और उसकी **तारीफ** की।

(घ) रजत ने लाल रंग की कमीज पहन रखी थी।

3. सही शब्दों पर (✓) का चिह्न लगाइए–

बहादुर	(✓)	बहादूर	( )	रैल	( )	रेल	(✓)
पटरि	( )	पटरी	(✓)	कमीज	(✓)	कमिज	( )
समाने	( )	सामने	(✓)	दिखाई	(✓)	दिखाइ	( )

4. विलोम शब्द लिखिए–

भला	=	बुरा	आया	=	गया
प्रश्न	=	उत्तर	ऊँचा	=	नीचा

5. वचन बदलिए–

पटरी	=	पटरियाँ	गाड़ी	=	गाड़ियाँ
यात्री	=	यात्रियों	कमीज	=	कमीजें
खुशी	=	खुशियाँ	गति	=	गतियाँ

3. उत्तर बताइए–

(क) रजत स्कूल जा रहा था।

(ख) रजत ने अचानक रेल की पटरी उखड़ी देखी।

(ग) रेल की पटरी उखड़ी पड़ी थी।

(घ) रजत ने लाल रंग की कमीज पहन रखी थी।

(ङ) रजत ने गाड़ी रोकने के लिए अपनी लाल कमीज उतार कर लहरा दी।

क्रियात्मक अभिरूचि

स्वयं करे।

1 प्रकृति की सीख

अभ्यास

- **निम्नलिखित पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–**

उत्तर– 1. सबको गले लगाना।
2. कभी न शीश झुकाना।
3. गिर–गिर फिर उठ जाना।

- **विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर–

फूल	—	**शूल**	झुकाना	—	**उठाना**
शिखर	—	**झूकना**	प्रकाश	—	**अंधकार**
उठना	—	**गिरना**	अमृत	—	**विष**
गर्जना	—	**दहलना**	निर्भय	—	**भयभीत**

- **पर्यायवाची दो–दो शब्द लिखिए–**

उत्तर–

फूल	**सुमन**	**कुसुम**
पक्षी	**खग**	**विहग**
शीश	**माथा**	**मस्तक**
बादल	**मेघ**	**घन**

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. कवि फूलों और कलियों से हँसना–मुस्काना सीखने की शिक्षा देता है।
2. लताओं और तरुवर से सबको गले लगाने की प्रेरणा ली जा सकती है।
3. पक्षियों के कलरव से सबकी प्यास बुझाना सीखना चाहिए।
4. वर्षा की बूँदों से हमें सबको शीतल रहने की शिक्षा लेना चाहिए।

क्रियात्मक अभिव्यक्ति

उत्तर– विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

2 नन्हा बीज

अभ्यास

- **सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–**

उत्तर– 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) 5. (✓)

- **पाठ में से अनुस्वार (ं) और चंद्रबिंदु (ँ) वाले शब्द ढूँढकर लिखिए–**

उत्तर–

(ं) अनुस्वार वाले शब्द	(ँ) चंद्रबिंदु वाले शब्द
रंग	बूँद
हंस	पूँछ
शंख	मूँछ

- **विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर— नीचे — **ऊपर** दिन — **रात**

अंदर — **बाहर** धरती — **आकाश**

प्रसन्न — **अप्रसन्न** मीठी — **कड़वी**

- **पाठ में से ढूँढकर इनके एक-एक नाम और लिखिए–**

उत्तर– सूर्य **सूरज** वर्षा **बादल, बारिश**

पुष्प **फूल** उपवन **बगीचा**

- **नामवाले शब्दों पर (✓) का निशान लगाइए–**

उत्तर– (✓) सूरज (✗) देना ( ) किरण

(✓) दरवाजा (✗) वह ( ) मुझे

( ) डरना (✓) फूल ( ) खोलना

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

उत्तर– 1. नन्हे बीज का घर जमीन के नीचे था।

2. सूरज की किरण नन्हें बीज का बाहरी दुनिया में ले जाकर नया रूप देना चाहती थी।

3. खिड़की से झाँककर बारिश की बूँद ने बीज से अंदर आने को कहा।

4. बाहर आकर नन्हें बीज का मन उपवन का सौन्दर्य पाकर प्रसन्नता और लालच से भर गया।

5. बारिश की बूँद और सूरज की किरण ने अंदर आकर नन्हें बीज आईं को अपने हाथों में उठा लिया और उसे शीघ्रता से धरती पर ले आई।

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर– 1. एक दिन बीज **घर** में अकेला था।

2. दरवाजे पर उसे एक **आवाज** सुनाई दी।

3. हम खूब सारी प्यारी-प्यारी **बातें** करेंगे।

4. उसने **परदा** हटाकर खिड़की से देखा।

5. बाहरी **दुनिया** बहुत खूबसूरत है।

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए—

उत्तर– दरवाजा — बारिश की बूँद ने बीज से **दरवाजा** खोलने के लिए कहा।

सुबह — **सुबह** का दृश्य मनमोहक होता है।

प्रकाश — बीज बाहर आते ही सूरज के **प्रकाश** से खुश हुआ।

परदा — बारिश ने **परदा** हटाकर खिड़की से देखा।

धरती — **धरती** की हरियाली की सुंदरता मनमोहक थी।

3 मेहनत का फल

अभ्यास

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए—**

उत्तर– 1. **तेल घी** गाँव में रामफल नामक एक किसान रहता था।
2. जब वह महात्मा जी के पास पहुँचा, वे **साधना** कर रहे थे।
3. उन्होंने तुम्हारे लिए **सोना** गाड़ रखा है।
4. महात्मा का उपदेश **सुनकर** वापस आ गया।
5. अब मैं समझ गया कि **परिश्रम** से सोना-चाँदी सब कुछ प्राप्त हो सकता है।

- **निम्नलिखित शब्दो का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

उत्तर– आलसी — रामप्रसाद **आलसी** लड़का था।
मेहनत — रामफल **मेहनती** किसान था।
तपस्या — कुटिया में एक महात्मा जी **तपस्या** कर रहे थे।
अनाज — रामप्रसाद की मेहनत से खेत में बहुत **अनाज** पैदा हुआ।
इकलौता — रामफल का **इकलौता** पुत्र रामप्रसाद था।

उत्तर लिखिए–

उत्तर– 1. रामप्रसाद के माता-पिता सादगी का जीवन व्यतीत कर रहे थे।
2. रामप्रसाद महात्मा के पास आकर बोला कि उसके घर के अनाज का एक दाना भी नहीं है। अब उसे क्या करना चाहिए?
3. रामप्रसाद की बातें सुनकर महात्मा जी नेकहा—तुम्हारे पिता तुम्हारे लिए खेत में सोना गाड़ कर रख गए थे।
4. रामप्रसाद ने खेत खोद कर तपस्वी के आदेशानुसार उसमें गेहूँ और मटर के दाने बो दिए।
5. महात्मा द्वारा सोना प्राप्त करने की बात पूछने पर रामप्रसाद ने उत्तर दिया फसल बोने के बाद मुझे उसी वर्ष अनाज के रूप में सोना मिल गया था।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर– विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

4 धैर्य

अभ्यास

- **बहुविकल्पीय प्रश्न–**

उत्तर– 1. (ख) तालाब में 2. (ग) सूली पर
3. (ख) महर्षि दयानंद

- **सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–**

उत्तर– 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✓)

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर– 1. क्रोध को वश में रखना **आसान नहीं** है।
2. कछुआ बहुत **भारी** था।
3. कछुआ **तालाब** में रहता था।
4. ईसाई धर्म के संस्थापक **यीशु मसीह** थे।
5. दक्षिण अफ्रीका में **अंग्रेजों** ने गांधीजी को अपमानित किया।
6. **बच्चों**! तुम मूर्खों की तरह क्यों चिल्ला रहे हो?
7. हमें **शीघ्र** दूसरे स्थान पर चले जाना चाहिए।

- **सही मिलान कीजिए–**

उत्तर–

1. यीशू मसीह	(iv) आर्य समाज
2. महर्षि दयानंद	(iii) ईसाई धर्म
3. भगवान बुद्ध	(ii) महात्मा गांधी
4. राष्ट्रपिता	(i) धैर्य की प्रतिमूर्ति

- **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

उत्तर–
मित्र — सच्चा **मित्र** आसानी से नहीं मिलता है।
धैर्य — हमें सदा **धैर्य** का गुण धारण करना चाहिए।
मूर्ख — हमें **मूर्खों** से मित्रता नहीं करनी चाहिए।
बच्चों — **बच्चों**! शांति बनाए रखिए।
तालाब — गर्मी की ऋतु में **तालाब** का जल सूख गया था।

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. धैर्य एक गुण है, जिसका अर्थ है धीरज रखना।
2. कछुए की चिंता का कारण था, जिस तालाब में वह रहता था, उसका जल सूख रहा था।
3. तालाब का जल सूख जाने के कारण हंस का जोड़ा दूसरे स्थान पर जाना चाहता था।
4. जीसस क्राइस्ट ईसाई धर्म के संस्थापक थे।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

5 मैं तो सो रही थी

अभ्यास

- **निम्नलिखित आवाजें किनकी हैं?**

उत्तर–

कुकड़ूँ कूँ	—	**मुर्गे की**	चीं-चीं	—	**चिड़िया की**
भौं-भौं	—	**कुत्ते की**	पौं-पौं	—	**मोटर की**

टन-टन — **घंटी की**

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. लड़की को पहले मुर्गे ने जगाया।
2. चिड़िया ने चींची-चीं बोलकर लड़की को जगाया।
3. भौं-भौं-भौं करके कुत्ते ने लड़की को जगाया।
4. पौं-पौं करके मोटर ने लड़की को जगाया, उस समय वह ऊँघ रही थी।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

6 मित्र की सलाह

अभ्यास

- **बहुविकल्पीय प्रश्न–**

उत्तर– 1. (क) किसान 2. (ख) राजेश्वर
3. (ग) सफेद हंस की

- **सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–**

उत्तर– 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗)

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर– 1. जीवन ज्योति को देखकर वह आदमी बड़ा **लज्जित** हुआ।
2. जीवन ज्योति के घर उसका **मित्र** राजेश्वर आया।
3. जीवन ज्योति खलिहान से **घर** लौट आया।
4. गौशाला से **दूध** भी अधिक आने लगा।
5. मैं **अविलंब** उस पर अमल करूँगा।
6. गाय के दूध, **घी** से भी उसे लाभ नहीं हो रहा था।

बहुवचन बनाइए–

उत्तर–

गौशाला	—	**गौशालाएँ**	ढेर	—	**ढेरों**
गाय	—	**गायें**	नौकर	—	**नौकरों**
गाँव	—	**गाँवों**	हंस	—	**हंसों**
मित्र	—	**मित्रों**	आलसी	—	**आलसियों**
जीव	—	**जीवों**	आदमी	—	**आदमियों**

- **विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर–

जीवन	—	**मरण**	आधा	—	**पूरा**
नियमित	—	**अनियमित**	लाभ	—	**हानि**
मित्र	—	**शत्रु**	शीघ्र	—	**देरी**
कम	—	**ज्यादा**	सुबह	—	**शाम**

- **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

उत्तर– परिश्रम — **परिश्रम** ही सफलता की कुंजी है।
गाय — **गाय** का दूध पौष्टिक होता है।
हंस — मानसरोवर पर **हंस** कभी-कभी आता है।
लज्जित — अचानक मालिक के आ-जाने पर नौकर **लज्जित** हो गए।
क्षमा — **क्षमा** करना मित्र, मैं प्रात: काल उठने के लाभ समझ गया हूँ।

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. जीवन-ज्योति का स्वभाव आलसी था।
2. जीवन-ज्योति से मिलने उसका मित्र राजेश्वर आया।
3. राजेश्वर ने जीवन ज्योति को दरिद्रता दूर करने का उपाय बताया—प्रात: सब जीवों के जगाने से पूर्व मानसरोवर पर रहने वाला हंस पृथ्वी पर जाता है। जो उसके दर्शन पर लेता है, उसे किसी प्रकार की कमी नहीं होती।
4. जीवन ज्योति रोज सवेरे अपने खेत खलिहानों और गोशाला जाता था, फिर सफेद हंस के दर्शन की आस लगाकर घर आ जाता था।
5. जीवन-ज्योति ने गोशाला में देखा कि रखवाला गाय का दूध अपनी पत्नी के लोटे में डाल रहा था।

क्रियात्मक अभिव्यक्ति

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

7 आत्मनिर्भरता

अभ्यास

- **सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–**

उत्तर– 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓)

- **किसने, किससे कहा–**

उत्तर– 1. सारस के बच्चों ने, सारस से 2. सारस ने, बच्चों से
3. सारस ने, बच्चों से 4. किसान ने, स्वयं से

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर– 1. उसके **गाँव** के लोग फसल काटने नहीं आएँगे।
2. दो-तीन दिन तक कोई **फसल** काटने नहीं आया।
3. गाँव के लोग बड़े **स्वार्थी** हैं।
4. यह किसान हम लोगों को **झूठ-मूठ** डराता रहता है।

- **बहुवचन बनाइए–**

उत्तर— गाँव — **गाँवों** खेत — **खेतों**
फसल — **फसलें** पेड़ — **पेड़ों**
बच्चा — **बच्चे** पक्षी — **पक्षियों**

- **शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–**

उत्तर– परबन्ध — **प्रबन्ध** योगय — **योग्य**
जलदी — **जल्दी** चिनता — **चिन्ता**

- **विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर– बड़ी — **छोटी** याद रखना — **भूलना नहीं**
भय — **निर्भय** सवेरे — **शाम को**

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. सारस पक्षी का एक जोड़ा गेहूँ के खेत में रहता था।
2. सारस ने बाहर जाने से पहले अपने बच्चों से कहा—''बच्चों, हमारे यहाँ नहीं रहने पर यदि कोई खेत के पास आए तो उसकी बात सुनकर याद रखना।''
3. फसल पकने पर किसान ने अपने बेटे से कहा—''अब फसल काटने योग्य हो गई है। आज चलकर गाँव के लोगों से कहूँगा कि वे मेरा खेत कटवा दें।''
4. कई दिन तक किसान का खेत कोई काटने नहीं आया। इतने दिनों में सारस के बच्चे उड़ने लगे थे और निर्भय हो गए थे।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

8 भक्त प्रह्लाद

अभ्यास

- **सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–**

उत्तर– 1. (✗) 2. (✓) 3. (✓)

- **किसने, किससे कहा–**

उत्तर– 1. हिरण्यकश्यप ने, विष्णु से 2. नरसिंह ने, हिरण्याकश्यप से

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर– 1. हिरण्यकश्यप के **चार** पुत्र थे।
2. प्रहलाद तो **विष्णु जी** का ही भक्त बना रहा।
3. अब तो **हिरण्यकश्यप** के क्रोध का ठिकाना न रहा।

- **विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर– दिन — **रात** अंदर — **बाहर**
आग — **जल** पुरान — **नया**

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. उसकी मृत्यु न घर में हो, न घर के बाहर हो न वह दिन में मरे, न रात में हो, न ही कोई मनुष्य या जानवर उसे मार सके। किसी प्रकार के अस्त्र–शस्त्र के द्वारा वह मारा न जा सके।
2. होलिका प्रहलाद की बुआ थी।

3. हिरण्यकश्यप का वध नरसिंह अवतार धारण कर भगवान ने किया।

4. हिरण्यकश्यप के बाद नरसिंह भगवान ने प्रहलाद को दानवों का राजा बना दिया।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

9 तिरंग हमारा

अभ्यास

- **सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–**

  उत्तर– 1. (✗) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✓)

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

  उत्तर– 1. राष्ट्रीय ध्वज का ऊपरी भाग **केसरिया** रंग का है।

  2. मध्य में स्थित सफेद रंग **शांति** का प्रतीक है।

  3. **हरे** रंग की पट्टी संपन्नता और खुशहाली दर्शाती है।

- **उत्तर लिखिए–**

  उत्तर– 1. भारत के राष्ट्रीय ध्वज का नाम तिरंगा है।

  2. केसरिया रंग बलिदान का, सफेद रंग शांति का और हरा रंग संपन्नता ओर खुशहाली के परिचायक हैं।

  3. अशोक चक्र झंडे के मध्य में स्थित है।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

10 तेनालीराम की बुद्धिमानी

अभ्यास

- **सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए—**

  उत्तर– 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗)

- **निम्नलिखित मुहावरों का वाक्य में प्रयोग कीजिए–**

  उत्तर– 1. आसमान टूट पड़ना —राम के पिता की मृत्यु होते ही मानो उस पर तो **आसमान टूट पड़ा**।

  2. अंधे की लाठी — नम्रता अपने माता-पिता की **अंधे की लाठी है**।

  3. आँखों का तारा — हम सभी अपने माता-पिता के **आँखों के तारे** होते हैं।

  4. कान भरना — बच्चों ने शिक्षक के खिलाफ प्रधानाचार्य के **कान** भरे।

  5. पेट में चूहे कूदना — मैंने कल से कुछ नहीं खाया, मेरे पेट में तो चूहे कूद रहे हैं।

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. विजयनगर के शासक राजा कृष्णदेव राय थे।

2. कृष्णदेव राय का मन कुछ उदास था, इसलिए वह होली नहीं खेलना चाहते थे।

3. तेनाली राम ने राजा कृष्णदेवराय को होली के दिन 'वन देवता' की मूर्ति, उन्हें भेंट करने की आज्ञा माँगी।

4. वन देवता की मूर्ति के हाथ वाले धनुष को खींचते ही मूर्ति के चारों ओर से रंगों की फुहारे छूटने लगी। देखते ही देखते राजा सहित सभी दरबारी रंग में नहा उठे।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

11 आत्मसम्मान

अभ्यास

- **बहुविकल्पीय प्रश्न**

उत्तर– 1. (ख) पोरस 2. (ग) मित्र

3. (ख) कायर 4. (ख) पंचनद

- **किसने, किससे कहा–**

उत्तर– 1. सिकंदर ने, पोरस से 2. पोरस ने, सिकंदर से

3. सिकंदर से, पोरस से 4. सिकंदर ने, पोरस से

- **विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर–

कायर	—	**वीर**	शिक्षित	—	**अशिक्षित**
मूर्ख	—	**बुद्धिमान**	पराजित	—	**विजित**

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. जिस व्यक्ति में आत्मसम्मान की भावना नहीं होती, वह पशु के समान होता है।

2. जो व्यक्ति अपने आत्मसम्मान के प्रति सचेत नहीं है,वह कायर व मूर्ख कहलाता है।

3. सिकंदर महान ने हिंदु राजा पोरस पर आक्रमण किया था।

4. सिकंदर का साथ तक्षशिला के हिंदू राजा ने दिया।

5. सिकंदर ने पोरस से कहा अब तुम एक राजा नहीं कैदी हो, बोलो तुम्हारे साथ कैसा व्यवहार किया जाए। पोरस ने तुरंत जवाब दिया—जैसा एक राजा दूसरे राजा के साथ करता है। सिकंदर पोरस के इस उत्तर से बहुत प्रभावित हुआ।

6. अंत में सिकंदर ने पोरस को आजाद कर दिया। और उसका जीता हुआ राज्य भी उसको लौटा दिया।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

12 शबरी के बेर

अभ्यास

- **बहुविकल्पीय प्रश्न–**

उत्तर– 1. (ख) सीता को 2. (क) शबरी ने
3. (ग) समदर्शी

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर– 1. **शबरी** की प्रसन्नता का ठिकाना न रहा।
2. शबरी ने अपनी **कुटिया** को साफ किया।
3. शबरी जंगल से बेर **एकत्र** करने लगी।
4. राम-लक्ष्मण शबरी के **आश्रम** में पधारे।

- **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

उत्तर–

स्वागत	—	शबरी ने अपनी कुटिया में राम-लक्ष्मण का **स्वागत** किया।
जलपान	—	**जलपान** के बाद श्रीराम बड़ी देर तक शबरी से बातें करते रहे।
कीर्तन	—	नवरात्रि उपवास के दिनों में सभी लोग मिलकर **कीर्तन** करते हैं।
भक्ति	—	कीर्तन के समय वातावरण **भक्तिमय** हो जाता है।
कमंडल	—	कहा जाता है ब्रह्मा ने अपने **कमंडल** में गंगा को धारण किया।
कुशल-क्षेम	—	मैंने पत्र द्वारा माता-पिता की **कुशल-क्षेम** जानी।

- **विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर–

साफ	—	**गंदा**	दूर	—	**पास**
खटटा	—	**मीठा**	ताजे	—	**बॉसी**
आगे	—	**पीछे**	छोटा	—	**बड़ा**
धनी	—	**निर्धन**	आदर	—	**अनादर**

- **बीच का अक्षर भरकर शब्द पूरे कीजिए–**

उत्तर–

कुटिया	=	**झोपड़ी**	तपस्वी	=	**संत, मुनि**
प्रसन्न	=	**खुश**	शबरी	=	**तपस्विनी**
अपना	=	**निजी**			

- **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए–**

उत्तर–

वन	—	**विपिन, जंगल**	मुनि	—	**तपस्वी, ऋषि**
दिन	—	**दिवस, वार**	खुशी	—	**प्रसन्नता, प्रफुल्लता**
मार्ग	—	**रास्ता, पंथ**	धन	—	**पैसा, दौलत**

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. शबरी एक तपस्विनी थी। वह वन में तपस्या करने के लिए रहती थी।
2. राम–लक्ष्मण सीता की खोज के लिए वन में भटक रहे थे।
3. शबरी राम को चख–चखकर मीठे बेर खिला रही थी।
4. श्रीराम को जूठे बेर खाते देखकर लक्ष्मण को आश्चर्य था कि राम इतने प्रसन्न क्यों हैं?
5. श्रीराम ने संसार में सबसे बड़ी चीज प्रेम को बताया।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

13 *स्वतंत्रता दिवस*

अभ्यास

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर– 1. आज **15** अगस्त है।
2. मंच के सामने **तिरंगा** झंडा फहराने का स्थान बना है।
3. मुखिया जी ने एक छोटा–सा **भाषण** दिया।
4. प्रधानाध्यापक जी ने बच्चों में **मिठाइयाँ** बाँटीं।

- **सुलेख लिखिए–**

उत्तर– स्वयं कीजिए।

- **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–**

उत्तर–

देश	—	**राष्ट्र**	विद्यालय	—	**पाठशाला**
कपड़ा	—	**वस्त्र**	रात	—	**रात्रि**

- **विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर–

स्वतंत्रता	—	**परतंत्रता**	गर्मी	—	**सर्दी**
रात	—	**दिन**	धूप	—	**छाँव, छाँह**

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. 15 अगस्त, 1947 को अपने भारत देश को आजादी मिली थी।
2. विद्यालय के प्रधानाचार्य ने आकर तिरंगा झंडा फहाराया।
3. झंडे को सलामी स्काउटों और गाइडों ने दी।
4. विद्यालय के मुखिया जी ने इनाम बाँटे।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

14 हिमालय से सीखो

अभ्यास

- **सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–**

  उत्तर– 1. (✓) 2. (✗) 3. (✓) 4. (✗)

- **विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर—	डर	—	**निडर**	सफलता	—	**असफलता**
	प्यार	—	**घृणा**	ऊँचा	—	**नीचा**
	जीने	—	**मरने**	खड़ा	—	**बैठा**

- **कविता की पंक्तियों को पूरा कीजिए–**

  उत्तर– 1. खड़ा हिमालय **बता रहा है**।

  2. डिगो **न अपने प्रण से तुम**।

  डरो न आँधी–पानी में। **सब–कुछ पा सकते हो** प्यारे।

- **शब्दों को शुद्ध रूप लिखिए–**

उत्तर–	तुफानों	—	**तूफानों**	मीली	—	**मिली**
	मूसीबत	—	**मुसीबत**	छू	—	**छू**
	आनधी	—	**आँधी**	जीनै	—	**जीने**

- **निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–**

उत्तर–	संकट	—	**मुसीबत, कष्ट**	घर	—	**गृह, सदन**
	पानी	—	**जल, वारि**	आकश	—	**नभ, आसमान**

- **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

उत्तर–	पथ	—	मुसीबत के समय हमें अपने **पथ** पर अडिग रहना चाहिए।
	अविचल	—	तूफानों में मनुष्यों को **अविचल** रहना चाहिए।
	हिमालय	—	**हिमालय** पर्वत हमें मुसीबतों से अटल खड़े रहने का संदेश दे रहा है।

- **उत्तर लिखिए–**

  उत्तर– 1. हिमालय पर्वत से हमें शिक्षा मिलती है कि हमेंमुसीबतों में हिम्मत नहीं हारनी चाहिए। हिमालय पर्वत की तरह अविचल रहना चाहिए।

  2. अपने प्रण पर अडिग रहकर ऊँचा उठा जा सकता है।

  3. जो मनुष्य लाख मुसीबतें आने पर भी अपने पथ पर अडिग रहता है, उसे सफलता मिलती है।

  4. इस कविता से हमें लाख संकट व मुसीबतें आने पर भी हिम्मत न हारने की शिक्षा मिलती है। साहसी को हर प्रकार से सफलता प्राप्त होती है।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर—विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

15 भगवान का भरोसा

अभ्यास

- **सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–**

  उत्तर– 1. (✓) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✓)

- **किसने, किससे कहा–**

  उत्तर– 1. कौओं ने, मैना से 2. कौओं ने, मैना से
  3. कौओं ने, मैना से

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

  उत्तर– 1. आकाश में घने काले **बादल** छाए हुए थे।
  2. कौए **काँव-काँव** करके चिल्लाए।
  3. उसने भगवान को **प्रणाम** किया और उड़ गई।
  4. **पृथ्वी** पर ओलों से घायल पड़े हुए कौओं ने मैना को देखा।

- **शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–**

  उत्तर–

चीड़िया	—	**चिड़िया**	बन्दुक	—	**बन्दूक**
धुप	—	**धूप**	बैचारी	—	**बेचारी**
बेठने	—	**बैठने**	परणाम	—	**प्रणाम**

- **उत्तर लिखिए–**

  उत्तर– 1. नीम के पेड़ पर कौए बैठे थे।
  2. मैना उसी नीम के पेड़ पर बैठ गयी। बादल बहुत हैं जल्दी अँधेरा हो गया है। कौए भइया मैं अपना घोंसला भूल गयी हूँ। मुझे आज रात यहाँ बैठे रहने दो।
  3. कौओं ने मैना से कहा—"यह पेड़ हमारा है। तुम यहाँ से चली जाओ।"
  4. ओले पड़ने पर सबके-सब कौए घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। बहुत से कौए मर भी गए।
  5. मैना एक आम के पेड़ पर बैठी थी। ओले पड़ने से पेड़ की एक डाल टूट कर गिर गई। डाल के टूटने से उसकी जड़ के पास पेड़ में एक खोखला स्थान था। छोटी मैना उसमें घुस गई। उसे एक भी ओला नहीं लगा। इस तरह सुरक्षित रहने से मैना की जान बच गई।
  6. मैना ने कौओं को बताया—"मैं आम के पेड़ पर अकेली बैठी थी और भगवान से प्रार्थना करती रही। दु:ख में पड़े असहाय जीवों को भगवान के अलावा कौन बचा सकाता है।"

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

16 जैसे को तैसा

अभ्यास

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर– 1. गीदड़ और भैंस की आपस में गहरी **मित्रता** थी।
2. **तरबूज** और **खरबूजे** के खेत नदी के उस पार थे।
3. दोनों नदी पार करके **खेत** में पहुँच गए।
4. खेत के मालिक ने **भैंस** की बहुत पिटाई की।
5. मैं तेरी **पीठ** पर बैठ जाता हूँ।

- **विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर–

आज	—	**कल**	मित्रता	—	**दुश्मनी, शत्रुता**
दिन	—	**रात**	ठीक	—	**गलत**
जल्दी	—	**धीरे**	मेरा	—	**तेरा**

- **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

उत्तर–

खरबूजे	—	खेत में बहुत से **खरबूजे** लगे थे।
मित्रता	—	भैंस और गीदड़ में गहरी **मित्रता** थी।
नदी	—	**नदी** के पार खरबूजे और तरबूजे के **खेत** थे।

- **सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–**

उत्तर– 1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✓) ५. (✓)

- **पर्यायवाची शब्द लिखिए–**

उत्तर–

जंगल	—	**वन, विपिन**
नदी	—	**सरिता, तटिनी**
पानी	—	**जल, सलिल**
मित्र	—	**दोस्त, सखा**
फूल	—	**कुसुम, प्रसून**
घर	—	**गृह, सदन**

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. एक जंगल में गीदड़ और भैंस रहते थे।
2. एक दिन दोनों ने विचार किया कि आज कहीं चलकर किसी खेत में तरबूजे और खरबूजे खाते हैं।
3. गीदड़ ने भैंस की पीठ पर चढ़कर नदी पार की।
4. गीदड़ ने खेत के खरबूजे खाकर हूँक कर भैंस की खेत के मालिक से पिटाई करवायी। भैंस ने नदी पार करते हुए पीठ पर बैठे गीदड़ को बीच नदी में ले जाकर डुबा कर मार डाला।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

17 मैं तो सो रही थी

अभ्यास

- **बहुविकल्पीय प्रश्न–**

उत्तर– 1. (क) कौआ कोयल का दुश्मन है 2. (ख) सात
3. (क) फूलों से प्यार

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर– 1. **श्रोताओं** ने भँवरे के सौ–सौ गुण अपनाए।
2. जंगल में **महफिल** खूब जमी थी।
3. **भ्रमर** जी गुन–गुन गाना गाते आए।
4. प्यारा–सा **उद्यान** बना।

- **शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–**

उत्तर–

जगल	—	**जंगल**	जमहाई	—	**जम्हाई**
कौयल	—	**कोयल**	श्रौता	—	**श्रोता**
कूकडुं-कु	—	**कुकडूँ-कूँ**	खरराटा	—	**खर्राटा**

- **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर–

गुण	—	**दोष, अवगुण**	अच्छा	—	**बुरा**
अपना	—	**पराया**	मंगल	—	**अमंगल**
वहाँ	—	**यहाँ**	गलत	—	**सही**
कम	—	**ज्यादा**	फूल	—	**काँटा**

- **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–**

उत्तर–

बगीचा	—	**उपवन**			
अखाड़ा	—	**लड़ाई का मैदान, दंगल**			
सुमन	—	**पुष्प**	प्यारा	—	**प्रिय**
भँवरा	—	**भ्रमर**	पेड़	—	**वृक्ष**
बादल	—	**मेघ**	जल	—	**सलिल**
पर्वत	—	**नग**	रात	—	**रात्रि**

- **सही मिलान कीजिए–**

उत्तर–

1. महफिल	(iii) खूब जमी।
2. गायक गणों में	(iv) भँवरे के गुण अपनाए।
3. श्रोताओं ने	(v) होड़ लगी थी।
4. गधा	(i) वहाँ सीना ताने आ पहुँचा।
5. उद्यान	(ii) दंगल बन गया।

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. कौआ नीम के पेड़ पर बैठा था।

2. भँवरा फूलों की माला गले में पहन कर आया।
3. भ्रमर की गुन-गुन सुनकर सभी सोने वाले जाग गए।
4. कोयल के गीत सुनकर जंगल में मस्ती छा गयी।
5. गधे के आने पर जंगल में अमंगल हो गया क्योंकि उसने ढेंचू-ढेंचू करके रेंकना शुरू कर दिया। सारा उद्यान दंगल बन गया।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

18 आम की आत्मकथा

अभ्यास

- **बहुविकल्पीय प्रश्न–**

उत्तर– 1. (घ) आम 2. (घ) तीन सौ
3. (घ) मालगोआ

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर– 1. सभी को मेरा **मौसम** आने की प्रतीक्षा रहती है।
2. विवाह तथा अन्य शुभ अवसर पर मेरे **पत्तों** से सजावट की जाती है।
3. यज्ञकर्ता मेरे पत्तों से तर्पण करते हैं।
4. आजकल शहरों में मेरा **रस** भी मिलता है।
5. **वन महोत्सव** मेरे पौधे लगाकर मनाया जाए।

- **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

उत्तर– प्रतीक्षा — सभी आम का मौसम आने की **प्रतीक्षा** करते हैं।
पवित्र — आम्र पादप को लोग बहुत **पवित्र** मानते हैं।
सजावट — विवाह तथा अन्य शुभ अवसरों पर मेरे पत्तों से लोग **सजावट** करते हैं।
प्रसिद्ध — उत्तर भारत में आम के लँगड़ा, चौसा, दशहरी नाम **प्रसिद्ध** हैं।

- **निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए–**

उत्तर–

महात्सव	—	**महोत्सव**	वयापक	—	**व्यापक**
व्रक्ष	—	**वृक्ष**	शुद्धी	—	**शुद्धि**
ऊत्पनन	—	**उत्पन्न**	ऊननत	—	**उन्नत**
पृयुक्त	—	**प्रयुक्त**	विसेष	—	**विशेष**

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. फलों का राजा आम है।
2. आम के पत्तों के गुच्छों को वंदनवार कहते हैं।
3. कुंभ पूजन आम्र के पत्तों से होता है।
4. आम से रस, अचार, मुरब्बा और चटनी आदि बनती है।

5. उत्तर भारत में आम की लँगड़ा चौसा ओर दशहरी किस्म प्रसिद्ध है।
6. दक्षिण भारत में आम मालगोआ नाम से प्रसिद्ध है।
7. आम की हार्दिक इच्छा है वनमहोत्सव आम के पौधे लगाकर मनाया जाए। आम, आम आदमी तक पहुँचसके। सरकार को मेरे उत्पादन की व्यापक योजना बनानी चाहिए।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

19 ईमानदार लकड़हारा

अभ्यास

- **निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध रूप लिखिए–**

उत्तर–

कुलहाड़ी	—	**कुल्हाड़ी**	कोशीश	—	**कोशिश**
गाव	—	**गाँव**	जगल	—	**जंगल**
इमानदार	—	**ईमानदार**	नदि	—	**नदी**

- **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–**

उत्तर–

देवता	—	**सुर**	नदी	—	**सरिता**
जल	—	**पानी**	खुश	—	**प्रसन्न**
सहायता	—	**मदद**	व्यक्ति	—	**मनुष्य**

- **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

उत्तर–

कुल्हाड़ियाँ	—	जल देवता उसे तीनों **कुल्हाड़ियाँ** देकर अदृश्य हो गए।
ईमानदार	—	लकड़हारा **ईमानदार** था।
परेशान	—	उसकी कुल्हाड़ी जल में गिर गई। वह **परेशान** हो गया।
इनाम	—	जल देवता ने लकड़हारे को **इनाम** दिया।
कोशिश	—	मैंने पढ़ने की कोशिश की।

- **किसने, किससे कहा–**

उत्तर–
1. जल देवता ने, लकड़हारे से
2. जल देवता ने, लकड़हारे से
3. लकड़हारे ने, जल देवता से

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर–
1. किसी गाँव में एक गरीब **लकड़हारा** रहता था।
2. **जल देवता** ने नदी में डुबकी लगाई।
3. तुम एक **ईमानदार** व्यक्ति हो।
4. कुल्हाड़ियाँ देकर जल देवता **अदृश्य** हो गए।

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर–
1. लोहे की कुल्हाड़ी लकड़हारे के परिवार की सहारा थी।

2. पहली बार जल देवता चाँदी की कुल्हाड़ी लाए।
3. दूसरी बार जल देवता सोने की कुल्हाड़ी लाए।
4. लकड़हारे को इनाम में लोहे, सोने व चाँदी—तीनों ही कुल्हाड़िया देकर जल देवता अदृश्य हो गए।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

20 तपस्वी की सीख

अभ्यास

- **सही शब्दों की सहायता से रिक्त स्थान भरिए–**

उत्तर– 1. राजकुमार प्रजा को बहुत **तंग** करता था।
2. राजा ने एक **तपस्वी** को देखा।
3. राजकुमार **तपस्वी** के साथ रहने लगा।
4. एक बार तपस्वी ने एक **नीम** का पौधा देखा।
5. राजकुमार ने नीम को चखकर **थू-थू** करके थूक दिया।
6. यह तो छोटा होने पर भी **जहर** के समान है।

- **विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर–

आज	—	**कल**	मित्रता	—	**दुश्मनी**
राजा	—	**रानी, रंक**	दुख	—	**सुख**
आदर	—	**अनादर**	छोटा	—	**बड़ा**
महल	—	**कुटिया**	अच्छी	—	**बुरी**
दिन	—	**रात**	कम	—	**ज्यादा**
जहर	—	**अमृत**	दयालु	—	**दुष्ट**

- **समानार्थी शब्द लिखिए–**

उत्तर–

राजा	—	**नृप**	तपस्वी	—	**मुनि**
घर	—	**गृह**	जहर	—	**कड़वा, विष**
असर	—	**प्रभाव**			
दुष्ट	—	**बुरा व्यवहार करने वाला, दुराचारी**			
भला	—	**अच्छा**	वृक्ष	—	**पेड़**

- **निम्नलिखित शब्दों के मिलते-जुलते शब्द लिखिए–**

उत्तर–

दुष्ट	—	**पुष्ट**	बड़ा	—	**पड़ा**
राजा	—	**बाजा**	अच्छी	—	**बच्ची**
कुटिया	—	**लुटिया**	पास	—	**वास**
पत्ता	—	**चट्टा**	असर	—	**कसर**
समान	—	**मकान**	चहल	—	**पहल**

- **उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. राजा का लड़का दुष्ट था।
2. राजा ने झरोखे से एक तपस्वी को देखा।
3. तपस्वी राजा के साथ रहने लगा।
4. राजा ने तपस्वी के लिए कुटिया बनवाई।
5. तपस्वी ने एक बार एक नीम का पौधा देखा।
6. तपस्वी राजकुमार को सीख दी यदि तुम भी कड़वे रहोंगे तो एक दिन कुचल दिए जाओंगे।

क्रियात्मक अभिरुचि

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

1 एक देश है भारत सारा

अभ्यास

- **कविता की वे पंक्तियाँ लिखिए जिनमें नीचे लिखी भावनाएँ हों–**

उत्तर– कितने ही प्रदेश हैं इसमें।।
किंतु संगठित राष्ट्र हमारा।
एक देश है भारत सारा।।
हिंदू, मुसलिम, सिक्ख, ईसाई।
रहते हैं ज्यों भाई-भाई।।
है विभिन्न भाषाएँ फिर भी।
रूप सभी का लगता प्यारा।।
एक देश है भारत सारा।।
जाति अलग है, धर्म अलग है।
मन न किसी का किंतु विलग है।।
कंठ-कंठ से फूटा करता।
यहाँ एकता का ही नारा।।
एक देश है भारत सारा।।

- **भारत की अनेक विशेषताएँ हैं। नीचे दिए कथनों में जो आपको गलत या सही लगती हैं उनके सामने सही (✓) या गलत (✗) के चिह्न लगाइए–**

उत्तर– 1. (✗) २. (✓) 3. (✓) 4. (✗) 5. (✗) 6. (✓)

कविता में वाक्यों की रचना सामान्य बोलचाल वाले वाक्यों से अलग होती है। उदाहरण देखकर वाक्य बदलिए—

उत्तर–
1. इसकी धरती बहुत विशाल है।
2. इसमें बहुत से प्रदेश हैं।
3. यहाँ जाँत-पाँत, धर्म, संप्रदाय आदि का कोई भेदभाव नहीं है।
4. यहाँ तरह-तरह की वाणी है, परंतु एक सा प्रवाह है।

- **कविता से तुकांत शब्द चुनकर लिखिए–**

उत्तर–

अलग-विलग	धारा-सारा
नारा-सारा	भेद-भाव
बानी-रवानी	जाँत-पाँत

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

उत्तर–
1. भारत में हिंदू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई आदि विविध धर्मों के लोग रहते हैं।
2. भारत में विविधता होते हुए भी एकता है क्योंकि हम सभी धर्मों का आदर करते हैं और सभी के उत्सवों ओर पर्वों को ससम्मान मानते हैं।

- **निम्नलिखित शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

उत्तर– 1. धरती — भारत की धरती हरीतिमा से संपन्न है।

2. हृदय हरना — हमारा **हृदय** सबको प्रेम से **हरने** वाला है।

3. वाणी — हमें मीठी **वाणी** बोलनी चाहिए।

4. प्रेम की धारा बहना — सभी देश भक्तों के हृदयों में **प्रेम** की धारा बहती रहती है।

क्रियात्मक अभिव्यक्ति

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

2 राजा मालदेव

अभ्यास

- **ठीक उत्तर का चयन (✓) करें—**

उत्तर– 1. (ख) जम्मू 2. (घ) सिंह से

3. (ग) वीरता पर

- **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर– 1. राजा मालदेव **दर्शनीय** जवान था।

2. बादशाह बिना **सूचना** दिए ही जम्मू चला आया।

3. राजा को देखकर बादशाह **भयभीत** हो गया।

4. बादशाह राजा की **वीरता** पर बहुत प्रसन्न हुआ।

5. राजा मालदेव की एक सिंह से **लड़ाई** हुई।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

उत्तर– 1. राजा मालदेव जम्मू प्रदेश पर शासन करता था।

2. बादशाह अचानक मालदेव से मिलने चला गया, उस समय राजा अपनी राजधानी में नहीं था। अत: बादशाह राजा मालदेव से नहीं मिल सका।

3. बादशाह जब अचानक राजा मालदेव के प्रदेश पहुँचा तो उस समय मालदेव वहाँ मौजूद नहीं थे, इस कारण बादशाह राजा मालदेव से नही मिल सका। इस बात को बादशाह ने अपना अपमान समझा और दिल्ली लौटकर मालदेव का राज्य उससे छीन लिया।

4. बादशाह ने रामा मालदेव को बातचीत करने के लिए दिल्ली बुलवाया।

5. राजा मालदेव का रोबदार व्यक्तित्व देखकर बादशाह भयभीत हो गया और उसने उसे मरवाने की ठान ली।

6. बादशाह ने राजा मालदेव की भिड़त कई दिन से भूखे शेर से करवायी।

7. राजा साहसी था। राजा ने पहले सिंह के पंजे अपने हाथों में थाम लिए। अवसर पाकर राजा ने सिंह के मस्तक पर जोर से मुक्का मारा जिससे उसका माथा फट गया। वह चीखकर धरती पर गिर पड़ा ओर वहीं ढेर हो गया।

8. राजा मालदेव की वीरता पर इतना प्रसन्न हुआ कि उसने उसका राज्य उसे लौटा दिया।

- **निम्नलिखित शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

उत्तर– 1. अधीन — बादशाह ने मालदेव का राज्य अपने **अधीन** कर लिया।

2. दर्शनीय — राजा मालदेव **दर्शनीय** जवान था।

3. भयभीत होना — राजा मालदेव का रौबीला व्यक्तित्व देखकर बादशाह **भयभीत हो गया**।

4. अपमान — अचानक दिल्ली के बादशाह के जम्मू पहुँच जाने पर जम्मू का राजा मालदेव उससे नहीं मिल सका। इस बात को बादशाह ने अपना **अपमान** समझा।

5. भेंट होना — बादशाह ने मालदेव को **भेंट** करने के लिए दिल्ली बुलाया।

6. दिल दहलना — मालदेव की वीरता देखकर बादशाह का **दिल दहल गया**।

7. स्पष्टीकरण — राजा मालदेव अपना **स्पष्टीकरण** देने के लिए बादशाह के समीप दिल्ली आया।

8. वंचित करना — बादशाह ने जम्मू नरेश को उसके राज्य से वंचित कर दिया।

क्रियात्मक अभिव्यक्ति

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

3 सच्चा शिष्य

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) धन 2. (घ) वह ईमानदार था।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. उसके **विवाह** के लिए पर्याप्त धन नहीं है।
2. आप उसे **गुरु-दक्षिणा** समझकर रख लीजिएगा।
3. सभी **शिष्यों** ने यह बात मान ली।

विलोम शब्द लिखिए–

प्राचीन	–	**नवीन**	सदाचार	–	**दुराचार**
अशुभ	–	**शुभ**	स्वीकार	–	**अस्वीकार**

पाप – **पुण्य** शिष्य – **गुरु**

उत्तर दीजिए–

1. गुरु एक गंभीर समस्या में उलझे हुए थे कि उनकी कन्या विवाह-योग्य हो गई है, किंतु उसके विवाह के लिए उनके पास पर्याप्त धन नहीं है। इसी समस्या के समाधान के लिए गुरु ने अपने सभी शिष्यों को प्रांगण में इकट्ठा किया।
2. गुरु अपने शिष्यों को यह प्रस्ताव देना चाहते थे कि उनके शिष्य अपने घर से धन-आभूषण माँगकर नहीं, अपितु इस तरह लाएँ कि किसी को कुछ भी पता न चले।
3. आचार्य एक विद्यार्थी से इसलिए प्रसन्न थे, क्योंकि वह एक ईमानदार शिष्य था इसलिए उसने गुरु के कहने पर भी पाप का मार्ग नहीं अपनाया।

4 *मिट्ठू मियाँ*

अभ्यास

- **बहुविकल्पीय प्रश्न–**

1. (ख) तोता 2. (क) अपेक्षाकृत अधिक

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. पक्षियों में सबसे निराला है हमारा **मिट्ठू मियाँ** ।
2. अफ्रीका का सलेटी तोता केवल **'रट्टू तोता'** नहीं होता है।
3. अधिकांश तोते **हरे** होते हैं।
4. तोतों को **स्नान** करना अत्यंत प्रिय है।

विलोम शब्द लिखिए–

छोटा	– **बड़ा**	नर	– **नारी**	प्रिय	– **अप्रिय**
अधिक	– **कम**	गीला	– **सूखा**	रोना	– **हँसना**

उत्तर दीजिए–

1. अन्य पक्षियों से तोते में खास गुण यह होता है कि सिखाने पर तोता इंसानों की भाँति बोल सकता है। इसे जो सिखाया जाता है यह उसकी हू-बहू नकल कर सकता है।
2. तोतों की आयु अपेक्षाकृत अधिक होती है।
3. तोतों की बहुत-सी प्रजातियाँ गायब होती जा रही हैं। क्योंकि स्वतंत्रता हर किसी को अच्छी लगती है। अतः हमें किसी की स्वतंत्रता को नहीं छीनना चाहिए, क्योंकि यह अच्छी बात नहीं है इसलिए इन्हें खुले आकाश में उड़ने देना चाहिए और सदैव इनकी रक्षा करनी चाहिए।
4. तोतों का सबसे अधिक व्यापार उनके गुणों और सौंदर्य के कारण ही होता है।

5 स्वामी विवेकानंद

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (घ) 12 जनवरी, 1863 2. (क) भगवान श्रीकृष्ण के

3. (क) भारत

सही कथन पर सही (✓) तथा गलत कथन पर गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. (✓) 2. (✗) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

1. स्वामी विवेकानंद का जन्म **भारत** में हुआ था।
2. स्वामी जी के पिता का नाम **विश्वनाथ** दत्त था।
3. स्वामी जी के गुरु का नाम **स्वामी रामकृष्ण परमहंस** था।
4. विश्व धर्म सम्मेलन **1893** ई० में अमेरिका के शिकागो शहर में हुआ था।
5. स्वामी जी की मृत्यु **सन् 1902** ई० में हुई।

उत्तर दीजिए–

1. स्वामी विवेकानंद के बचपन का नाम **नरेंद्र** था।
2. स्वामी विवेकानंद का जन्म 12 जनवरी, 1863 ई० को भारत में हुआ था।
3. विश्व धर्म सम्मेलन अमेरिका के शिकागो शहर में सन् 1893 ई० में हुआ था।
4. अमेरिकी व्यक्ति ने स्वामी विवेकानंद से प्रश्न किया कि, ''क्या भगवान कृष्ण पैगंबर थे''?
5. स्वामी जी ने उस प्रश्न का उत्तर दिया कि– "इसमें संदेह नहीं है कि वे एक महान आत्मा थे। उन्होंने क्रूरता (निर्दयता) और अत्याचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी और बुरे कर्म करने वालों का दमन किया।"
6. स्वामी विवेकानंद के जीवनवृत्त से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें देशभक्ति एवं मानव कल्याण की प्रेरणा लेनी चाहिए। हमें जाति, धर्म एवं स्वार्थपरता से ऊपर उठकर मानवता एवं मातृभूमि की सेवा करने का प्रण लेना चाहिए।

6 बालक हूँ मैं वीर निराला

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) हौवे से डरना सिखाती है 2. (ख) डटकर मुकाबला करता है

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. बालक **हूँ मैं वीर निराला**,
   नहीं किसी से डरने वाला।
2. उस माई **का लाल नहीं** ,
   जो हौवे से डरना सिखलाती।
3. मैं वह **कोमल फूल नहीं**,
   जो झोंके से है मुरझा जाता।

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

निराला – साहसी व्यक्ति का अंदाज **निराला** होता है।

कोमल – **कोमल** फूल जरा–से हवा के झोंके से मुरझा जाते हैं।

सरिता – **सरिता** का पानी निर्मल होता है।

हौवा – हमें छोटी–छोटी बातों का **हौवा** नहीं बनाना चाहिए।

उत्तर दीजिए–

1. इस कविता में बालक अपने को वीर, निराला और किसी से भी नहीं डरने वाला बता रहा है।
2. बालक को हौवे जैसी किसी भी वस्तु से डर नहीं लगता अर्थात् वह वीर होने के साथ–साथ अधिक साहसी भी और किसी भी परिस्थिति से घबराता नहीं तथा कष्टों से लड़ने को सदैव तैयार रहता है। इसलिए बालक को ''मैं दुष्टों से भिड़ने वाला'' कहा गया है।
3. नदी में पानी के तेज बहाव और लगातार पानी के बहते रहने से नदी का किनारा कमजोर हो जाता है। अत: इस प्रकार नदी का किनारा पानी से कट जाता है।
4. 'आसमान दहलाने वाला' का अर्थ है आसमान को हिला डालने वाला अर्थात् ऐसा वीर, साहसी तथा निडर बालक जिसकी आवाज सुनकर सभी व्यक्ति और जीव जंतु डर जाएँ और ऐसा प्रतीत होता हो जैसे आसमान हिल रहा हो।

7 दवा भेद

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) पीलिया 2. (घ) दस सहस्त्र रजत मुद्राएँ। 3. (ग) मूली

किसने, किससे कहा–

1. भिखारी ने वैद्यराज से 2. वैद्यराज ने भिखारी से
3. वैद्यराज ने भिखारी से 4. वैद्यराज ने राजा से

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

असहाय – वैद्यराज ने अपने द्वार पर एक **असहाय** भिखारी को कराहते हुए देखा।

उपचार – राजा ने अपने **उपचार** के लिए राजवैद्य को बुलवाया।

मनोयोग – वैद्यराज राजा की दवा बनाने में **मनोयोग** से जुटे थे।

व्यय – राजवैद्य ने राजा से दस सहस्त्र रजत मुदाओं के **व्यय** होने की बात कही।

विचित्र – प्रभु की लीला बहुत विचित्र होती है।

बहुमूल्य – राजा-महाराजाओं को **बहुमूल्य** दवाएँ ही लाभ पहुँचाती हैं।

विलोम शब्द लिखिए–

निर्धन	– **धनवान**	राजा	– **रानी, रंक**	विद्वान	– **मूर्ख**
मृत्यु	– **जन्म**	बीमार	– **स्वस्थ**	शीघ्र	– **विलंब**
व्यय	– **बचत**				

निम्नलिखित शब्दों के सार्थक जोड़े बनाकर लिखिए–

मनो	मोटी
छोटी	मंडी
राज	वृत्ति
सब्जी	माँगते
माँगते	वैद्य

उत्तर दीजिए–

1. राजा पीलिया रोग से ग्रस्त हो गया था, इसलिए उसने राजवैद्य को बुलाकर अपना उपचार करने को कहा।
2. वैद्यराज ने राजा को उत्तर दिया कि महाराज! आपकी दवा बनाने में दस सहस्त्र रजत मुद्राओं का व्यय होगा तथा इस दवा को बनाने में दस दिन का समय भी लग जाएगा।
3. राजा के मन में विचार आया था कि निर्धन व्यक्ति तो पांडु रोग होने पर धन के अभाव में निश्चित रूप से मृत्यु को प्राप्त हो जाएगा।
4. भिखारी के रूप में राजा था। वैद्यराज ने भिखारी से कहा कि तू सायंकाल सब्जी मंडी जाकर और वहाँ से मूली के पीले पत्ते बटोरकर घर लाकर अच्छी प्रकार धोने के बाद फिर कूटपीस कर उनका रस निकालकर पी लिया करना। अगर प्रभु ने चाहा तो शीघ्र ही भला चंगा हो जाएगा।
5. वैद्यराज ने राजा से इतने व्यय की बात इसलिए कही, क्योंकि यदि अगर वैद्यराज राजा को सस्ती दवा बताता तो शायद राजा उस पर विश्वास नहीं करता। अत: उसका मानना था कि राजा-महाराजाओं को तो बहुमूल्य दवा ही लाभ पहुँचाती हैं और वे सस्ती दवाओं का सेवन ही नहीं करते क्योंकि सस्ती दवाएँ तो निर्धन और असहाय लोगों के लिए ही होती हैं।

8 जानिए और ईश्वर से प्रेम कीजिए

अभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. एक बार चार अंधे व्यक्तियों को **हाथी** देखने की इच्छा हुई।
2. तीसरे अंधे व्यक्ति को हाथी **ढोल (मृदंग)** के समान प्रतीत हुआ।
3. ईश्वर को हम **अल्लाह , गॉड (वाहेगुरु)** के नाम से भी पुकारते हैं।
4. सूर्य और चंद्रमा को **ईश्वर** ने बनाया है।

निम्नलिखित शब्दों के दो-दो समानार्थी शब्द लिखिए–

1. हाथी – **गज, हस्ती** 2. शरीर– **देह, कलेवर**
3. ईश्वर – **परमात्मा, भगवान** 4. पक्षी – **खग, विहग**

उत्तर दीजिए–

1. विचारों में भिन्नता होने के कारण हम लोग एक–दूसरे के साथ बहस करते हैं।
2. चारों अंधे व्यक्तियों की हाथी के बारे में अलग–अलग धारणा थी जैसे–पहले अंधे व्यक्ति ने हाथी को बड़ा और भारी ट्यूब (नलिका) की तरह बताया जिसमें दो छिद्र हैं, दूसरे ने हाथी को एक मजबूत भारी खंभे की तरह बताया और तीसरे अंधे व्यक्ति ने हाथी को एक ढोल (मृदंग) के समान बताया तथा चौथे व्यक्ति की धारणा यह थी कि हाथी एक छोटी रस्सी के समान है।
3. चारों अंधे व्यक्तियों के विचारों में भिन्नता का कारण था कि उन्होंने हाथी को संपूर्णता में नहीं छुआ था, बल्कि उसके शरीर के केवल अलग–अलग हिस्सों को हुआ था।
4. ईश्वर को हम ईश्वर, अल्लाह, गॉड तथा वाहेगुरु आदि नामों से पुकारते हैं।
5. हम ईश्वर को उसकी रचनाओं में देख सकते हैं। हम ईश्वर की आवाज़ को पक्षियों के गायन (चीं–चीं, चें–चें) द्वारा सुन सकते हैं। अर्थात् ईश्वर की रचनाओं को हम जितना जानेंगे उतनी हमारी ईश्वर के बारे में समझ भी बढ़ती जाएगी। अत: इस प्रकार हमें ईश्वर को देख और सुन सकते हैं।

9 परंपरा

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) बहुत उत्साहित हैं 2. (ग) अपने पौत्र
3. (ग) वृद्धा के चरण स्पर्श करते हैं

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. नवयुवकों में बड़ा **उत्साह** है।
2. उसे आपसे कुछ **निवेदन** करना है।
3. मैं आपके पास एक **प्रार्थना** लेकर आई हूँ।
4. मेरी एक मात्र **आकांक्षा** यही है।
5. आपकी **आज्ञा** का **तुरंत** पालन किया जाएगा।

निम्नलिखित शब्दों को मिलाकर उचित शब्द बनाइए–

नव	दिन
प्रति	शस्त्र
अस्त्र	रग
यथा	युवकों
रग	संभव

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

विनती = वृद्धा ने अपने पौत्र को सेना में भर्ती करने के लिए पेशवा से **विनती** की।

नवयुवक = पेशवा की सेना में **नवयुवकों** को भर्ती किया जा रहा था।

वीरगति = छत्रपति शिवाजी शत्रुओं से युद्ध करते हुए **वीरगति** को प्राप्त हो गए।

उत्सुक = पेशवा के आदेश पर सभी नौजवान शस्त्र उठाने को **उत्सुक** हो गए।

उत्साह = सेना में भर्ती होने के लिए युवकों में बहुत **उत्साह** दिखाई देता है।

उत्तर दीजिए–

1. पेशवा बाजीराव ने सरदारों से पूछा कि भर्ती और युद्ध की तैयारी कैसी चल रही है? हमारे लोगों में कैसा उत्साह है।
2. पटेलों ने पेशवा को बताया कि महाराज! आपके आदेश पर सभी नौजवान शस्त्र उठाने को उत्सुक हैं और सैकड़ों की संख्या में तरुण गाँवों की चौपालों पर भर्ती होने के लिए इकट्ठा हो रहे हैं तथा अस्त्र-शस्त्र बड़ी मात्रा में तैयार भी हो चुके हैं।
3. द्वारपाल ने पेशवा को समाचार दिया कि महाराज, एक वृद्धा अपने पोते के साथ आपके दर्शन करना चाहती है। उसे आपसे कुछ निवेदन करना है।
4. वृद्धा अपने साथ अपने पौत्र को लेकर आयी थी और वह चाहती थी कि किसी प्रकार उसका पौत्र सेना में भर्ती हो जाए।
5. पेशवा ने वृद्धा को उत्तर दिया कि माँ, जब तक महाराष्ट्र में आप और जीजाबाई सरीखी नारियाँ जन्म लेती रहेंगी, हमारी मातृभूमि की ओर कुदृष्टि डालने का दु:साहस कोई नहीं कर पाएगा। हमारा राष्ट्र-ध्वज सदैव गौरव के साथ फहराता रहेगा।
6. जब वृद्धा ने पेशवा से कहा कि, मैं इसे आपके पास इसलिए लेकर आयी हूँ क्योंकि

मैं चाहती हूँ कि हमारे वंश की मर्यादा अक्षुण्ण रहे। आप मेरी इस अंतिम अभिलाषा को पूर्ण करें। मैं आपकी आभारी रहूँगी। यह सुनकर पेशवा आश्चर्यचकित हो जाते हैं और फिर वृद्धा के चरण स्पर्श करते हैं।

10 शिक्षाप्रद दोहे

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) मधुर
2. (क) हाय लगती है
3. (क) गुरु की शरण में

विलोम शब्द लिखिए–

साधु	–	**शैतान, दुर्जन**	रूठना	–	**मनाना**
शीतल	–	**उष्ण**	टूटना	–	**जुड़ना**
दुर्बल	–	**सबल**	उन्नति	–	**अवनति**
ठंडा	–	**गरम**	लोभ	–	**निर्लोभ**

निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द बताइए–

पर्वत	–	**गिरि**	पहाड़	**अचल**
गुरु	–	**अध्यापक**	आचार्य	**शिक्षक**
वृक्ष	–	**बिटप**	पेड़	**तरु**
नीर	–	**जल**	पानी	**वारि**
हरि	–	**कृष्ण**	भगवान	**प्रभु**

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

संचय – हमें धन का अत्यधिक **संचय** नहीं करना चाहिए।

पर्वत – हिमालय **पर्वत** के बीचों-बीच सुमेरु पर्वत है।

वाणी – हम सभी को मीठी **वाणी** का ही प्रयोग करना चाहिए।

हरि – **हरि** के रूठने जाने पर हमें गुरु की शरण में जाना चाहिए।

दुर्बल – कभी भी **दुर्बल** व्यक्ति को नहीं सताना चाहिए।

निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए–

परमारथ	–	**परमार्थ**	नहिं	–	**नहीं**
सरीर	–	**शरीर**	बानी	–	**वाणी**
धरा	–	**धारण**	सीतल	–	**शीतल**
सरने	–	**शरण**	हिय	–	**हृदय**

उत्तर दीजिए–

1. हमेशा दूसरों का हित चाहने और दूसरों की भलाई के लिए ही सज्जन शरीर धारण करते हैं।
2. हमें सदैव मीठी वाणी बोलनी चाहिए।
3. जो व्यक्ति अपनी कठिन परिस्थितियों में भी संतुष्ट होते हैं और जिन्हें किसी प्रकार का कोई लालच नहीं होता है। वह व्यक्ति सुखी व्यक्ति होता है।
4. हमें दुर्बल व्यक्ति को इसलिए नहीं सताना चाहिए, क्योंकि वो तो वैसे भी अपनी हालत से दु:खी है और हमारे द्वारा सताये जाने पर उसका मन अत्यधिक दु:खी होगा तथा फिर वह अपनी दु:खी आत्मा से हमें कोसेगा जिसका परिणाम अच्छा नहीं होगा।
5. मातृभाषा से ही किसी देश के नागरिक की पहचान की जाती है क्योंकि यह हमारी रग-रग में बसी होती है। उसके समाप्त होने पर हमारी पहचान ही समाप्त हो जाएगी इसलिए मातृभाषा की उन्नति आवश्यक है।
6. कबीरदास जी ने गुरु का महत्त्व बताया है कि अगर हमसे भगवान रूठ जाएँ तो गुरु के द्वारा उन्हें मनाया जा सकता है और यदि अगर गुरु रूठ जाएँ तो भगवान भी हमारी सहायता करने में सहायक सिद्ध नहीं हो सकते। अत: गुरु को भगवान से ज्यादा महत्त्व दिया गया है।

11 भारत कोकिला : सरोजिनी नायडू

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) 13 फरवरी, 1879 2. (ख) 12 वर्ष की आयु में
3. (क) इंग्लैंड

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. बालिका सरोजिनी ने **1300** पंक्तियों की लंबी कविता लिखी।
2. उनका विवाह **गोविंद राजलु नायडू** के साथ हुआ।
3. वे एक कुशल **वक्ता** भी थीं।
4. देश के स्वतंत्र होने पर सरोजिनी नायडू को **उत्तर प्रदेश** का राज्यपाल बनाया गया।
5. सरोजिनी नायडू की मृत्यु **2 मार्च, 1949** को हुई।

निम्नलिखित शब्दों के स्त्रीलिंग रूप लिखिए–

नर	–	**नारी**	कवि	–	**कवयित्री**
पिता	–	**माता**	बालक	–	**बालिका**
पति	–	**पत्नी**	बूढ़ा	–	**बुढ़िया**
हाथी	–	**हथिनी**	विद्वान	–	**विदुषी**

उत्तर दीजिए–

1. सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फरवरी, 1879 ई० को हुआ।
2. सरोजिनी नायडू बचपन से हँसमुख स्वभाव की लड़की थी, बचपन से ही इन्हें पुस्तकों विशेष लगाव रहा और उन्होंने मात्र 12 वर्ष की उम्र में हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण कर ली। सरोजिनी नायडू ने ग्यारह वर्ष की उम्र में अपनी पहली कविता लिखी, जिसकी अत्यधिक प्रशंसा हुई, उससे प्रभावित होकर बालिका सरोजिनी ने 1300 पंक्तियों की एक लंबी कविता लिखी। अत: हम कह सकते हैं कि सरोजिनी नायडू का बचपन और बच्चों की अपेक्षा अधिक महत्त्वपूर्ण रहा।
3. उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए सरोजिनी नायडू इंग्लैंड गईं।
4. सरोजिनी नायडू स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़ीं और उन्होंने अन्य नारियों को भी आंदोलन में भाग लेने को प्रोत्साहित किया। गांधी जी उनकी योग्यता से अत्यधिक प्रभावित हुए। सन् 1925 के कानपुर अधिवेशन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्षा चुनी गईं। 1930 के 'नमक तोड़ो आंदोलन' और 1942 के 'भारत छोड़ो आंदोलन' में वे जेल भी गईं।
5. सरोजिनी नायडू के गीतों ने सभी देशवासियों को झिंझोड़कर रख दिया और उन्हें 'भारत कोकिला' की उपाधि से विभूषित किया गया। अत: उन्हें इस नाम से भी जाना जाता है।

12 स्वावलंबन

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) रक्षक दल का 2. (ख) स्वावलंबी बनाने के लिए

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. हमीरगढ़ के राजा बड़े वीर और **प्रजापालक** थे।
2. मंत्री ने गाँव-गाँव में **रक्षक** दल बना दिए।
3. गाँव वालों ने डाकुओं को रस्सियों से **जकड़** दिया।
4. महाराज! मंत्री ने देश से **विश्वासघात** किया है।

अपने शब्दों में लिखिए–

1. मंत्री सदैव चिंतित रहता था।
2. राजा अत्यंत वीर था। उसकी वीरता की चारों ओर चर्चा थी।
3. राजा के राज्य में सर्वत्र शांति थी। किसी के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय नहीं होता था।

4. राजा ने जब सुना तो वह चिंतित हो गया।

विलोम शब्द दीजिए–

वीरता	–	**कायरता**	सावधान	–	**असावधान**
क्रोध	–	**शांत**	संभावना	–	**असंभावना**
बुद्धिमान	–	**बुद्धिहीन**	संतोष	–	**असंतोष**

उत्तर दीजिए–

1. डाकू का उत्पात रोकने के लिए मंत्री ने प्रत्येक गाँव में चुने हुए सैनिक तैनात कर दिए। वे गाँव के नौजवानों को लाठी तलवार चलाना सिखाने लगे। डाकू-दल को देखते ही उसे कैसे घेरा जाए और उस पर कैसे हमला किया जाए तथा दूसरे गाँव वालों को कैसे सावधान किया जाए आदि कदम उठाए।
2. डाकू बहुत चालाक था और वह एक जगह पर स्थिर होकर डाका नहीं डालता था तथा वह आज यहाँ डाका डालता तो दो-चार दिन बाद कोई बीस कोस दूर छापा मारता था। वह अपने दल के साथ अचानक भूत की तरह प्रकट होता और पलक झपकते ही गायब हो जाता था इसलिए प्रारंभ में डाकू नहीं पकड़ा जा सका।
3. गाँव वालों को आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए ही मंत्री ने डाकू बनने का नाटक किया।

13 *काम की बातें*

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (घ) (क) तथा (ग) दोनों। 2. (ग) जाति-पाँति का।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. जो हैं पिछड़े, **हमसे बिछुड़े**।
   उनको झट से **गले लगाना**।
2. आपस में मत **करो लड़ाई**,
   लड़ने में है **नहीं बड़ाई**।
3. पहले मन में **बातें तोलो**,
   फिर तुम उनको **मुख से बोलो**।
4. कष्टों से तुम मत **घबराना**,
   ताल ठोक उससे भिड़ जाना।

विलोम शब्द लिखिए–

झूठ	**सच**	शत्रु	**मित्र**

विजय	**पराजय**	मान	**अपमान**
प्रेम	**घृणा**	कष्ट	**आराम**

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. हृदय के द्वार खोलना – भक्तों के लिए प्रभु के **हृदय के द्वार खुले** रहते हैं।
2. गले लगाना – हमें बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक व्यक्ति को **गले लगाना** चाहिए।
3. ध्यान लगाना – हम सभी को प्रभु की भक्ति में **ध्यान लगाना** चाहिए।
4. बातें तोलना – हमें कोई भी बात बिना **तोले** नहीं बोलनी चाहिए।

उत्तर दीजिए–

1. हमें सबसे मित्रता रखना इसलिए जरूरी है, क्योंकि हमें समाज में रहकर प्रत्येक व्यक्ति से काम पड़ता है। अर्थात् कोई भी व्यक्ति कभी भी हमारे काम आ सकता इसलिए हमें सभी से मित्रता का भाव रखना चाहिए।
2. हमें सभी के साथ मीठा व्यवहार करना चाहिए, क्योंकि मीठे व्यवहार से ही हमें मान सम्मान और प्यार की दृष्टि से देखा जाता है। अगर हम सभी से मीठा व्यवहार करेंगे तो वो भी हमें किसी भी परेशानी में अकेला नहीं छोड़ेंगे।
3. 'प्रस्तुत पंक्ति से आशय है कि हमें जाति–पाँति और छुआछूत जैसे विचार को अपने हृदय से निकालकर तथा निम्न अथवा दलित लोगों को प्यार से अपने गले से लगाना चाहिए। अर्थात् हमें प्रत्येक वर्ग के व्यक्ति के साथ समान व्यवहार करना चाहिए।
4. हमें कभी भी कष्टों से नहीं घबराना चाहिए क्योंकि अगर हम कष्टों से घबराएँगे तो कभी भी उनसे उभर नहीं सकते, इसलिए कैसी भी परेशानी हो हमें पूर्ण साहस के साथ उसका मुकाबला करना चाहिए तथा अपने धीरज को भी मजबूत करना चाहिए।

14 *गौ-माता*

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (घ) ये सभी
2. (क) गौ-माता

पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. रोज सवेरे **गोबर देती** ।
   बदले में न कभी कुछ लेती।।
2. इसका ऋण **है हम पर भारी**।
   इसकी महिमा भी है न्यारी।।

निम्न पंक्तियों का अर्थ लिखिए–

1. साँझ सवेरे दूध पिलाती – गाय से हमें प्रतिदिन सुबह शाम दूध प्राप्त होता है।
   सदा हमारा मन बहलाती। – गाय हमें दूध देती है और हमारा मन भी बहलाती है।

2. इसे सदा हम याद रखेंगे – गाय से हमें दूध और गोबर आदि मिलता है, इसलिए हम हमेशा इसे याद रखेंगे।

इसकी सेवा सदा करेंगे। – गाय की सेवा हम खूब मन लगाकर हमेशा ही करते रहेंगे।

तुक मिलाइए–

प्यारी	**न्यारी**	गुणकारी	**सुखकारी**
सारी	**भारी**	पिलाती	**खिलाती**
मिठाई	**बिठाई**	देती	**लेती**
माता	**दाता**	रोज	**भोज**

सही मिलान कीजिए–

सुंदर	उपला
रोज	खेती
गोबर	सवेरे

विलोम शब्द लिखिए–

साँझ	–	**सवेरा**	भारी	–	**हल्का**
हमारा	–	**तुम्हारा**	अधिक	–	**कम**
अंदर	–	**बाहर**	जलना	–	**बुझना**

दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

माता	–	**माँ**	**अंबा**	सवेरे	–	**सुबह**	**प्रातःकाल**
गौ	–	**गाय**	**गौ-माता**	घर	–	**गृह**	**आवास**
धरा	–	**धरती**	**पृथ्वी**	सूरज	–	**दिनकर**	**प्रभाकर**
गगन	–	**अंबर**	**आकाश**	सुंदर	–	**मनोहर**	**रमणीय**

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

मन – हमारे **मन** को तरह-तरह की मिठाइयाँ खूब भाती हैं।

गौ माता – कुछ व्यक्ति **गौ-माता** की पूजा करते हैं।

प्रतिदिन – हम गाय से **प्रतिदिन** दूध प्राप्त होता है।

उत्तर दीजिए–

1. गाय बहुत ही सीधा और सरल स्वभाव का पशु है। यह हमारे लिए प्रकृति द्वारा दिया गया अनमोल उपहार है और यह हर प्रकार से उपयोगी है।
2. गाय के दूध से खीर, मलाई, रबड़ी और पनीर तथा विभिन्न प्रकार की मिठाइयाँ बनती हैं।
3. गाय का गोबर कंडे और खाद बनाने के काम में आता है।
4. बछड़े खेतों की जुताई करने ओर बोझा ढोने के काम में आते हैं।

15 भारत का गौरवशाली अतीत

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) मध्य प्रदेश में
2. (ख) 32
3. (घ) जैनियों का।
4. (क) अशोक ने

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. भारत की सभ्यता संसार की सब सभ्यताओं से **प्राचीन** है।
2. मध्य प्रदेश की राजधानी **भोपाल** है।
3. बुद्ध भगवान ने **पवित्र** पीतवर्ण के पेड़ को लगाया था।
4. एलोरा के सब मंदिरों में **कैलाश** मंदिर प्रधान है।

शब्दों का सही मिलान कीजिए–

1. चीनी यात्री	इंद्र सभा मंदिर
2. महाराष्ट्र में स्थित है	साँची स्तूप
3. प्रसिद्ध जैन मंदिर	अजंता की गुफाएँ
4. मध्य प्रदेश में स्थित है	फाह्यान

विलोम शब्द दीजिए–

सभ्यता	**असभ्यता**	भारतीय	**गैर भारतीय**
अधिक	**कम**	उत्कर्ष	**अपकर्ष**
उन्नति	**अवनति**	सुंदर	**कुरूप**

उत्तर दीजिए–

1. भारतीय सभ्यता विश्व की सभी सभ्यताओं में प्राचीन है।
2. अजंता की गुफाएँ महाराष्ट्र प्रदेश में स्थित जलगाँव स्टेशन से 48 किलोमीटर की दूरी पर अजंता नामक एक गाँव है। उस गाँव के पास 100 मीटर ऊँची चट्टान को काटकर गुफाओं का निर्माण किया है। इन गुफाओं की संख्या 32 है उनमें से 29 विहार हैं, जहाँ बौद्ध संन्यासी परमार्थ-चिंतन किया करते थे। शेष तीन गुफाएँ हैं जिन्हें ''चैत्य'' कहा जाता था। इन गुफाओं को बनाने में अद्भुत धैर्य, गंभीर मनोबल और आश्चर्यजनक कला-कौशल दर्शाया है, जिसकी तुलना संपूर्ण संसार में कहीं देखने नहीं मिलती।
3. एलोरा की गुफाओं में बौद्ध, हिंदू और जैन-तीन धर्मों के मंदिर बने हुए हैं।
4. विश्व में मिस्र के पिरामिडों को छोड़कर ऐसी कोई इमारत नहीं, जिसे देखकर हृदय में आश्चर्य तथा आदर उत्पन्न होता हो, जितना साँची के स्तूपों को देखकर होता है। यह मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के समीप साँची नामक गाँव में स्थित है। पानी के

बुलबुले की तरह ये स्तूप जीवन की नश्वरता का स्मरण कराते हैं। चीनी यात्री फाह्यान के अनुसार साँची वह स्थान है, जहाँ पर बुद्ध भगवान ने पवित्र पीतवर्ण का पेड़ लगाया था। इसमें स्तूपों में सबसे बड़ा स्तूप अशोक द्वारा बनवाया हुआ है।

5. भारत के कुछ प्राचीन विश्वविद्यालयों के नाम–(1) नालन्दा विश्व विद्यालय (2) विक्रमशिला तथा (3) तक्षशिला आदि हैं।

16 परमवीर अब्दुल हमीद

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (घ) परमवीर चक्र 2. (ग) 1962

सही कथन पर सही (✓) तथा गलत कथन पर गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓

किसने, किससे कहा–

1.	"मैं फौज में भर्ती होऊँगा।"	हमीद ने दादी से
2.	"बाप की सिलाई की मशीन चलाना।"	दादी ने हमीद से
3.	"अच्छा जब बड़े हो जाओ तो फौज में जाना।"	दादी ने हमीद से
4.	"जवान, क्या तुम्हें परेड आती है?"	हवलदार ने हमीद से

विलोम शब्द लिखिए–

आगे	–	**पीछे**	बालक	–	**वृद्ध**
खुश	–	**दुख**	तेज़	–	**मंद**

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

बेजोड़ = हमीद अपने गाँव के बालकों में कबड्डी खेलने में **बेजोड़** था।

मुग्ध = हमीद के पिता उसकी फुर्ती और कलाबाजी पर **मुग्ध** थे।

छक्के छुड़ा देना = हमीद ने दुश्मनों के **छक्के छुड़ा** दिए।

दिवास्वप्न = गौरी बहुत **दिवास्वप्न** देखती थी।

उत्तर दीजिए–

1. हमीद का जन्म 1 जुलाई, 1937 ई० को धामपुर नामक गाँव में हुआ था।
2. हमीद की माँ का नाम बकरीदन बाई और पिता का नाम उस्मान खाँ था।
3. बचपन में हमीद कहा कहता था कि, ''मैं फौज में भर्ती होऊँगा।''
4. हमीद की कबड्डी और कुश्ती आदि खेलने में रुचि थी।
5. हमीद का निशाना अचूक था इसलिए उसने सिर से पैर तक लोहे से ढके अपने शत्रु को एंटी टैंक राइफल से आग उगलनी शुरू कर दी और उन लौह दैत्यों को एक-एक

धराशायी करता चला गया। इस प्रकार हमीद ने पाकिस्तान के मंसूबे पर पानी फेर दिया।

17 अक्ल बड़ी कि भैंस

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (घ) मीठे फल। 2. (घ) बंदर का दिल।

असंबद्ध शब्द को रेखांकित कीजिए–

बंदर	–	पेड़	शाखा	<u>शेर</u>	फल
मगरमच्छ	–	नदी	किनारा	मीठे फल	<u>कुल्हाड़ी</u>
नदी	–	जल	<u>आग</u>	पेड़	मगरमच्छ

विलोम शब्द लिखिए–

मित्र	–	**शत्रु**	मूर्ख	–	**बुद्धिमान**
प्रतिदिन	–	**कभी-कभी**	भविष्य	–	**भूत**

किसने, किससे कहा–

1. मगरमच्छ की पत्नी ने मगरमच्छ से 2. मगरमच्छ ने बंदर से
3. बंदर ने मगरमच्छ से 4. बंदर ने मगरमच्छ से

उत्तर दीजिए–

1. बंदर नदी के किनारे स्थित एक पेड़ पर रहता था।
2. एक दिन जब मगरमच्छ नदी के किनारे आया तो बंदर ने उसे खाने के लिए मीठे फल दिए, मगरमच्छ ने वे फल खाए और बंदर को धन्यवाद दिया। अत: इस प्रकार दोनों मित्र बन गए।
3. मगरमच्छ की पत्नी ने मगरमच्छ से बंदर का दिल लाने को कहा।
4. बंदर को तैरना नहीं आता था, इसलिए वह मगरमच्छ की पीठ पर बैठकर गया।
5. मगरमच्छ ने बीच नदी में बंदर से कहा कि, ''मित्र, मेरी पत्नी बीमार है। अत: डॉक्टर ने उसे बंदर का दिल खाने का परामर्श दिया है और वह दिल उसे तुम दे सकते हो।
6. जब मगरमच्छ ने बंदर को बीच रास्ते में यह बात बताई कि उसकी पत्नी बंदर का दिल खाना चाहती है तो बंदर बिल्कुल भी न घबराया और उसने बुद्धिमानी से काम लेते हुए मगरमच्छ से कहा कि मैं तो अपना दिल पेड़ पर ही छोड़ आया हूँ। तब मगरमच्छ और बंदर वापस पेड़ से दिले लेने के लिए वापस मुड़ गए। जब नदी किनारे आ गए तब बंदर मगरमच्छ की पीठ से छलांग मारकर तुरंत पेड़ पर चढ़ गया। अत: इस प्रकार बंदर ने अपनी बुद्धिमानी और साहस से मगरमच्छ से अपनी जान बचाई।

18 अब्राहम लिंकन

अभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. अमेरिका का निर्माण **अब्राहम लिंकन** ने किया था।
2. नौ वर्ष की आयु में लिंकन की **माता** की मृत्यु हो गई।
3. लिंकन लकड़ी के तख्ते पर **कोयले** से लिखा करता था।

निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी शब्द लिखिए–

निर्धन	**गरीब**	प्रतिज्ञा	**कसम**	प्रकाश	**उजाला**
समाप्त	**अंत**	शरीर	**देह**	प्रथा	**रीति**

निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए–

खोज	**खोखें**	रात	**रातें**	निर्धन	**निर्धनों**
तख्ता	**तख्ते**	वर्ष	**वर्षों**	युवक	**युवकों**
बालक	**बालकों**	प्रथा	**प्रथाएँ**	लड़ाई	**लड़ाइयाँ**

निम्नलिखित शब्दों के साथ उचित विशेषण लगाकर लिखिए–

गाथा	दीर्घ-गाथा	कद	ऊँचा कद	झोंपड़ी	टूटी झोंपड़ी
सुंदर	सुंदर व्यक्ति	विवाह	भव्य विवाह	मन	चचंल मन
रात	काली रात	प्रथा	अच्छी प्रथा		

निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

निर्माण	**ध्वस्त**	रात	**दिन**	पिता	**माता**
स्वस्थ	**अस्वस्थ**	निर्धन	**धनी**	लंबा	**ठिगना**
बालक	**वृद्ध**	सुंदर	**कुरूप**		

निम्नलिखित वाक्यों में आए कारक चिह्नों को रेखांकित कीजिए–

1. अमेरिका <u>की</u> खोज कोलंबस <u>ने</u> <u>की</u> थी।
2. लिंकन <u>का</u> पूरा नाम अब्राहम लिंकन था।
3. लिंकन <u>का</u> बचपन बड़ी ही निर्धनता <u>में</u> बीता।
4. वह देखने <u>में</u> बहुत सुंदर नहीं थे।
5. लोगों <u>ने</u> लिंकन के इस अच्छे काम <u>पर</u> खुशियाँ मनाईं।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर इनको अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

निर्धन = गरीब : अब्राहम लिंकन का जन्म एक **निर्धन** परिवार में हुआ था।

निर्माण = बनाना : अमेरिका का **निर्माण** अब्राहम लिंकन ने किया था।

प्रकाश = उजाला : अब्राहम लिंकन रात को अँगीठी जलाकर उसके **प्रकाश** में पढ़ते थे।

उत्तर दीजिए–

1. अमेरिका की खोज कोलंबस ने की थी।
2. अमेरिका का निर्माण अब्राहम लिंकन ने किया था।

3. लिंकन का पूरा नाम अब्राहम लिंकन था।
4. लिंकन रात को अँगीठी जलाकर उसके प्रकाश में पढ़ता था और लकड़ी के तख्ते पर कोयले से लिखा करता था।
5. लिंकन ने प्रतिज्ञा की कि, ''मैं दास प्रथा को बंद करूँगा।''
6. दास प्रथा के विपक्षी दल के एक व्यक्ति ने गोली मारकर लिंकन की हत्या कर दी।

19 *ताजमहल*

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) कुरान की 2. (ख) बाईस वर्ष 3. (ग) चाँदनी रात में

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. यह मकबरा एक विशाल **चबूतरे** पर बना हुआ है।
2. **राजस्थान** के मकराना से **संगमरमर** मँगवाया गया था।
3. मैं अपने परिवार के साथ परसों ही **आगरा** पहुँचा हूँ।
4. कल हम **फतेहपुर सीकरी** देखने जाएँगे।
5. दीवारों पर **कुरान** की आयतें लिखी हुई हैं।

दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

रात	–	**रात्रि, निशा**		सुंदर	–	**खूबसूरत, मनोहारी**	
बगीचा	–	**उपवन, बाग**		चाँद	–	**चंद्रमा, राकेश**	
मित्र	–	**दोस्त, सखा**		नयन	–	**आँख, नेत्र**	

बहुवचन में बदलिए–

फव्वारा	–	**फव्वारे**	बगीचा	–	**बगीचे**
तस्वीर	–	**तस्वीरें**	पत्र	–	**पत्रों**
नयन	–	**नयनों**	शहर	–	**शहरों**

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

प्रतिवर्ष – ताजमहल देखने के लिए हजारों विदेशी **प्रतिवर्ष** भारत आते हैं।
प्रसिद्ध – ताजमहल दुनिया की सबसे **प्रसिद्ध** और सुंदर इमारत है।
निर्माण – ताजमहल का **निर्माण** शाहजहाँ ने करवाया था।
मनोहारी – चाँदनी रात में ताजमहल की शोभा और भी **मनोहारी** हो जाती है।
इमारत – ताजमहल की **इमारत** के सामने फव्वारों से सजा एक सुंदर बगीचा है।

उत्तर दीजिए–

1. आगरा की दो चीजें बहुत प्रसिद्ध हैं–(1) ताजमहल तथा (2) पेठे की मिठाई।
2. मकबरे की दीवारों पर कुरान की आयतें खुदी हुई हैं।
3. अनुराग ने आगरा में ताजमहल के अलावा फतेहपुर सीकरी भी देखी।
4. ताजमहल मुगल बादशाह शाहजहाँ ने अपनी प्रिय बेगम मुमताज की याद में बनवाया था। इसे बनाने में लगभग 22 वर्ष लग गए थे।

20 बूढ़ा-बूढ़िया और तीन रोटियाँ

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. (ग) रोटी 2. (ग) तीन

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. बुढ़िया ने **चावल** भिगोया, फिर पीसा।
2. पड़ोसियों ने **दरवाजे** की दरार से झाँककर देखा।
3. राजा के सिपाही बूढ़े-बुढ़िया को **श्मशान घाट** ले जाने लगे।
4. श्मशान घाट पहुँचकर **चिता** बनाकर दोनों को रखा।

निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

गरीब	**अमीर**	प्रेत	**देव**	इच्छा	**अनिच्छा**
बाहर	**अंदर**	शाम	**सुबह**	रात	**दिन**

निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए–

बूढ़ा	**बूढ़े**	सिपाही	**सिपाहियों**	इच्छा	**इच्छाएँ**
दरवाजा	**दरवाजे**	रोटी	**रोटियाँ**	पड़ोसी	**पड़ोसियों**

निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए–

दिन	=	**दिवा**	वासर	**दिवस**
घर	=	**गृह**	सदन	**भवन**
प्रेत	=	**पिशाच**	भूत	**पापात्मा**

उत्तर दीजिए–

1. बूढ़ा-बूढ़ी भीख माँगकर जीवन व्यतीत करते थे।
2. बूढ़े को रोटी खाने की इच्छा हुई।
3. चावल के आटे की तीन रोटियाँ बनीं।
4. पड़ोसियों ने बूढ़े और बुढ़िया के बारे में सोचा कि वे दोनों मर चुके हैं।

1 फूल और काँटा (कविता)

अभ्यास

- **बहुविकल्पीय प्रश्न–**

उत्तर– 1. (घ) विपरीत होती 2. (क) पौधा
3. (ग) दोनों पर 4. (क) फूलों से

- **पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–**

उत्तर– 1. हैं जनम लेते जगह में एक ही, **एक ही पौधा उन्हें है पालता।**
रात में उन पर चमकता चाँद भी, **एक-ही सी चाँदनी है डालता।**
2. खटकता है एक सबकी आँख में, **दूसरा है सोहता सुर-सीस पर।**
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे, **जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।**

- **सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–**

उत्तर– 1. (✓) 2. (✓) 3. (✗) 4. (✗) 5. (✓)

- **उत्तर दीजिए–**

उत्तर– 1. फूल और काँटे एक ही जगह जन्म लेते हैं, और एक ही पौध उन्हें पालता है।
2. फूल और काँटे पर चंद्रमा की चाँदनी एक जैसी पड़ती है। दोनों परएक-सा जल बरसता है। एक-सी हवा उन्हें पालती है।
3. फूल तितलियों और भौरें को अपना रस पिलाता है। सुगंध देता है और देवताओं को अर्पित किया जाता है।
4. काँटे सभी को चुभता है। तितलियों और भौंर के पंख बेंध देता है।
5. फूल और काँटे का स्वभाव का अंतर दिखाकर कवि हमें समझाना चाहता है कि हमें सभी के साथ अपना व्यवहार मधुर रखना चाहिए।

क्रियात्मक अभिव्यक्ति

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

2 ईदगाह

अभ्यास

- **निम्नलिखित आवाजें किनकी हैं?**

उत्तर– कुकड़ूँ कूँ — **मुर्गे की** चीं-चीं — **चिड़िया की**

मुहावरों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए—

उत्तर– 1. मुँह में पानी आ गया।
2. पेट में चूहे कूदने लगे।
3. दिल बैठने लगा।

- **निम्न शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर–

प्रसन्न	**अप्रसन्न**	खुशबू	**बदबू**
आज्ञा	**अवज्ञा**	अच्छा	**बुरा**
प्रकाश	**अंधकार**	समझदार	**बेसमझ**
अमीर	**गरीब**	सरस	**कठोर, शुष्क**

- **निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन लिखिए–**

उत्तर–

दुआ	**दुआएँ**	घोड़ा	**घोड़े**
माला	**मालाएँ**	रुपया	**रुपये**
सभा	**सभाएँ**	पैसा	**पैसे**
बालिका	**बालिकाएँ**	बगीचा	**बगीचे**

- **निम्नलिखित संयुक्त व्यंजनों की सहायता से दो-दो शब्दों की रचना कीजिए–**

उत्तर–

प्य	—	**प्यारा**	**प्यास**	**कंप्यूटर**
न्न	—	प्रसन्न	**प्रशंसा**	**प्रयास**
त्य	—	त्याग	**त्याज्य**	**प्रयोज्य**
ल्ल	—	अल्लाह	**मल्लाह**	**पिल्ला**
क्य	—	क्या	**क्यारी**	**प्यारी**

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

उत्तर–
1. रमजान के तीस रोजों के बाद ईद आती है।
2. ईद के दिन बच्चों को नए-नए कपड़े, पैसे, मिठाइयाँ और उपहार मिलते हैं।
3. ईद का दिन है, उसके घर में एक दाना तक नहीं है।
4. साथियों के खिलौनों को देखकर हामिद अपने मन को समझाता हैं मिट्टी के तो हैं, गिरे तो चकनाचूर हो जाएँगे।
5. हामिद की दादी के रोटी पकाते समय चूल्हे की आग से हाथ जल जाते थे। अत: उसने तीन पैसे चिमटे में खर्च करना ठीक समझा।
6. हामिद ने मेले में कुछ भी खाया, पिया नहीं था। दादी की उँगलियाँ तवे से जल जाती थी। इसलिए वह उनके लिए चिमटा ले आया। हामिद का प्यार देखकर अमीना का क्रोध स्नेह में बदल गया।

क्रियात्मक अभिव्यक्ति

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

3 *बालक हूँ मैं वीर निराला*

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) हाथी 2. (ग) टीला 3. (ग) विक्रमादित्य का

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. उस टीले पर बैठकर किसान पक्षियों को उड़ाता था ताकि **वे** शाक-सब्जियों को खराब न करें।
2. राजा भोज **हाथी** पर सवार होते थे।
3. उनके पीछे खाद्य-सामग्री से भरी हुई बड़ी-बड़ी **बैलगाड़ियाँ** चलती थीं।
4. महाराज भोज के मन में ऐसे **विचार** उत्पन्न हुए।
5. उस सिंहासन पर विक्रमादित्य का **नाम** खुदा था।

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

अनर्थ – किसान ने कहा महाराज! आप **अनर्थ** कर मेरा समय नष्ट कर रहे है।

परामर्श – राजा भोज ने मंत्रियों के साथ **परामर्श** किया।

अंगरक्षक – राजा भोज शिकार पर अपने **अंगरक्षक** को भी ले जाते थे।

लाव-लश्कर – किसान ने **लाव-लश्कर** के साथ राजाभोज को जाते देखा।

श्रद्धा – राजा भोज विक्रमादित्य को **श्रद्धा** से स्मरण करते थे।

सही सुमेलित करें–

1. कोचवान हाँकता है।	भाला
2. युद्धभूमि को कहा जाता है।	रथ
3. राजा सवारी करता है।	मंत्री
4. शासन का ही एक अंग होता है।	रणक्षेत्र
5. सिपाहियों के हाथ में होता है।	हाथी

विलोम शब्द लिखिए–

राजा	–	**रंक**	अनेक	–	**एक**
अंदर	–	**बाहर**	प्रसन्न	–	**दुख**
पहले	–	**बाद में**	ऊँचे	–	**नीचे**
गरीब	–	**अमीर**	पुण्य	–	**पाप**
सुंदर	–	**कुरूप**	अपना	–	**पराया**

उत्तर लिखिए–

1. राजा भोज भ्रमण और शिकार के बड़े शौकीन थे।
2. टीले पर आरूढ़ होते ही महाराज के मन में ऐसे विचार उत्पन्न हुए–संसार के कष्ट दूर करने चाहिए, सभी निर्धनों की दरिद्रता दूर करनी चाहिए, दुष्टों को दंड देना चाहिए, सज्जनों की सेवा करनी चाहिए और प्रजा की धर्मपूर्वक रक्षा करनी चाहिए। इस समय यदि मेरा शरीर भी कोई माँगे तो मैं देने को तत्पर हूँ।
3. जब राजा भोज ने मंत्री की सहमति से सिंहासन के पास महान यज्ञ किया, खूब दान-पुण्य किया। ब्राह्मणों से पूजा-पाठ कराया और उन्हें पर्याप्त दक्षिणा देकर प्रसन्न किया। तब उस समय आकाशवाणी हुई- ''अब आप मुझे निकाल सकते है।

आकाशवाणी सुनते ही सभी सेवकों ने और राजा भोज ने स्वयं भी उसे स्पर्श किया। अत: धर्म कार्य करने से सिंहासन हल्का हो गया तब थोड़ा-सा जोर लगाने पर ही उसे बाहर निकाल लिया गया।

4. राजा भोज ने सिंहासन को अपने दरबार में ऊँचे स्थान पर रखवा दिया और उस पर महाराज विक्रमादित्य का एक भव्य चित्र बनाकर स्थापित करा दिया।
5. राजा भोज ने सिंहासन पर महाराज विक्रमादित्य का चित्र बनवाया था।
6. राजा भोज उस सिंहासन पर कभी नहीं बैठे। वे समझते थे कि इस सिंहासन का वही अधिकारी है जो महाराज विक्रमादित्य के समान धर्मशील, तेजस्वी, प्रतापी, प्रजाप्रिय और न्यायप्रिय हो। वह नित्य उस सिंहासन पर पुष्पमाला चढ़ाकर उसकी पूजा करते थे और महाराज विक्रमादित्य को श्रद्धा से स्मरण करते थे।

4 मित्रता

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) धन 2. (घ) वह ईमानदार था।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. उसके **विवाह** के लिए पर्याप्त धन नहीं है।
2. आप उसे **गुरु-दक्षिणा** समझकर रख लीजिएगा।
3. सभी **शिष्यों** ने यह बात मान ली।

विलोम शब्द लिखिए–

प्राचीन	–	**नवीन**	सदाचार	–	**दुराचार**
अशुभ	–	**शुभ**	स्वीकार	–	**अस्वीकार**
पाप	–	**पुण्य**	शिष्य	–	**गुरु**

उत्तर दीजिए–

1. गुरु एक गंभीर समस्या में उलझे हुए थे कि उनकी कन्या विवाह-योग्य हो गई है, किंतु उसके विवाह के लिए उनके पास पर्याप्त धन नहीं है। इसी समस्या के समाधान के लिए गुरु ने अपने सभी शिष्यों को प्रांगण में इकट्ठा किया।
2. गुरु अपने शिष्यों को यह प्रस्ताव देना चाहते थे कि उनके शिष्य अपने घर से धन-आभूषण माँगकर नहीं, अपितु इस तरह लाएँ कि किसी को कुछ भी पता न चले।
3. आचार्य एक विद्यार्थी से इसलिए प्रसन्न थे, क्योंकि वह एक ईमानदार शिष्य था इसलिए उसने गुरु के कहने पर भी पाप का मार्ग नहीं अपनाया।

4 मित्रता

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) मित्र 2. (ख) हेल–मेल 3. (क) मित्रता
4. (क) कुसंग 5. (ग) बहुत दिनों

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. यही **हेल–मेल** बढ़ते–बढ़ते मित्रता के रूप में परिणत हो जाता है।
2. मित्रों के चुनाव की **उपयुक्तता** पर युवा पुरुष के जीवन की सफलता निर्भर हो जाती है।
3. संगति का गुप्त प्रभाव हमारे **आचरण** पर पड़ता है।
4. हम लोग कच्ची मिट्टी की **मूर्ति** के समान रहते हैं।
5. लोग एक घोड़ा लेते हैं तो उसके सौ **गुण–दोष** को परख कर लेते हैं।
6. हम लोग यह नहीं सोचते कि मैत्री का **उद्देश्य** क्या है?

विलोम शब्द लिखिए–

अपरिभाषित	**परिभाषित**	समर्थ	**असमर्थ**
बुरा	**अच्छा**	नियंत्रण	**अनियंत्रण**
मित्रता	**शत्रुता**	सत्य	**असत्य**
अपरिपक्व	**परिपक्व**	निर्दोष	**गुनाहगार**
विरोध	**निर्विरोध**	सदाचार	**दुराचार**
औषध	**विष**	पवित्र	**अपवित्र**

उत्तर लिखिए–

1. बाहरी संसार में उतरने पर नौजवानों के समक्ष पहली कठिनाई उसे मित्र चुनने में आती है।
2. मित्र का चुनाव करते समय हमें ध्यान रखना चाहिए कि वह विनम्र स्वभाव का हो। मित्र प्रतिष्ठित और शुद्ध हृदय का हो। मृदुल और पुरुषार्थी हो, शिष्ट और सत्यनिष्ठ हों। जिससे हम अपने को उनके भरोसे छोड सके। और विश्वास कर सकें कि उनसे किसी प्रकार का धोखा न होगा। मित्र सच्चे पथ–प्रदर्शक के रूप में होना चाहिए।
3. मित्रता से आत्मशिक्षा का कार्य सुगम हो जाता है, क्योंकि सच्चा मित्र हमेशा हमारी भलाई की बात सोचता है। हम लोग कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान रहते है, जिसे

जो जिस रूप में चाहे, उस रूप में ढाले-चाहे राक्षस बनाए, चाहे देवता। हम लोग यह नहीं सोचते कि मैत्री का उद्देश्य क्या है, क्या जीवन के व्यवहार में इसका कोई मूल्य भी है? अत: हमें यह बात हमेशा ध्यान में रखनी चाहिए कि मित्र एक ऐसा साधन है, जिससे आत्मशिक्षा का कार्य बहुत सुगम हो जाता है। एक प्राचीन विद्वान का वचन है, ''विश्वासपात्र मित्र से बड़ी भारी रक्षा रहती है। जिसे ऐसा मित्र मिल जाए उसे समझना चाहिए कि खजाना मिल गया।'' विश्वासपात्र मित्र जीवन की एक औषध है।

4. छात्रावस्था में मित्रता की धुन सवार रहती है। मित्रता हृदय से उमड़ पड़ती है। बाल-मैत्री में जो मग्न करने वाला आनंद होता है, वह और कहाँ? कैसी मधुरता और कैसी अनुरक्ति होती है, कैसा अपार विश्वास होता है! हृदय से कैसे-कैसे उद्गार निकलते हैं? वर्तमान कैसा आनंदमय दिखाई पड़ता है और भविष्य के संबंध में कैसी लुभानेवाली कल्पनाएँ मन में रहती हैं।

   'सहपाठी की मित्रता' इस उक्ति में हृदय के कितने भारी उथल-पुथल का भाव भरा हुआ है। किंतु जिस प्रकार युवा पुरुष की मित्रता स्कूल के बालक की मित्रता से दृढ़, शांत और गंभीर होती है, उसी प्रकार हमारी युवावस्था के मित्र बाल्यावस्था के मित्रों से कई बातों में भिन्न होते हैं। मित्र चाहते हुए बहुत-से लोग मित्र के आदर्श की कल्पना मन में करते होंगे। सुंदर प्रतिभा, मनभावनी चाल और स्वच्छंद प्रकृति, ये ही दो-चार बातें देखकर मित्रता की जाती है, पर जीवन-संग्राम में साथ देने वाले मित्रों में इनसे कुछ अधिक बातें चाहिए। मित्र केवल उसे नहीं कहते, जिसके गुणों की तो हम प्रशंसा करें, पर जिससे हम स्नेह न कर सकें, जिससे अपने छोटे-छोटे काम ही हम निकालते जाएँ, पर भीतर-ही-भीतर घृणा करते रहें। मित्र सच्चे पथ-प्रदर्शक के समान होना चाहिए, जिस पर हम पूरा विश्वास कर सकें। मित्र भाई के समान होना चाहिए, जिसे हम अपना प्रीति-पात्र बना सकें। हमारे और हमारे मित्र के बीच सच्ची सहानुभूति होनी चाहिए। ऐसी सहानुभूति जिससे एक के हानि-लाभ को दूसरा अपना हानि-लाभ समझे।

5. जब एक बार मनुष्य अपना पैर कीचड़ में डाल देता है, तब फिर यह नहीं देखता कि वह कहाँ और कैसी जगह पैर रखता है। धीरे-धीरे उन बुरी बातों में अभ्यस्त होते-होते तुम्हारी घृणा कम हो जाएगी। पीछे तुम्हें उनसे चिढ़ न मालूम होगी, क्योंकि तुम यह सोचने लगोगे कि चिढ़ने की बात ही क्या है। तुम्हारा विवेक कुंठित हो जाएगा और तुम्हें भले-बुरे की पहचान न रह जाएगी। अंत में होते-होते तुम भी बुराई के भक्त बन जाओगे। अत: हृदय को उज्ज्वल और निष्कलंक रखने का सबसे अच्छा उपाय यही है कि बुरी संगति की छूत से बचो।

5 अपराजिता

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) कार 2. (ख) इलाहाबाद 3. (क) फैलोशिप

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. हममें से कौन ऐसा मानव है जो अपनी विपत्ति के क्षणों में **विधाता** को दोषी नहीं ठहराता।
2. धीरे-धीरे मेरा उससे **परिचय** हुआ।
3. यह डॉक्टरेट भी संयुक्त रूप से मिलनी चाहिए, डॉ० चंद्रा और उनकी अद्‌भुत साहसी जननी **श्रीमती शारदा सुब्रह्‌मण्यम्** को।
4. **माइक्रोबायोलॉजी** में चंद्रा को डॉक्टरेट मिली।

निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित अंशों पर ध्यान देते हुए कारक बताइए–

1. कर्म कारक 2. संप्रदान कारक
3. कर्म कारक 4. कर्म कारक

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

	अर्थ	वाक्य
तटस्थ	– समीप	नदी के **तटस्थ** गाँव बसा है।
महत्त्वाकांक्षा	– बड़ा बनने की आकांक्षा	डॉ० चंद्रा **महत्वाकांक्षी** लड़की थी।
अभिशप्त	– शाप से ग्रस्त	मैंने पिछले महीने एक **अभिशप्त** काया देखी।
सुदीर्घ	– बहुत लंबा	डॉ० चंद्रा का इलाज **सुदीर्घ** चला।
सहिष्णु	– सहनशील	डॉ० चंद्रा अत्यधिक **सहिष्णु** युवती थीं।
आभामंडित	– तेज से भरा हुआ	डॉ० चंद्रा **आभामंडित** भव्य मुद्रा जीवन जी रही थी।
निष्प्राण	– श्वासरहित	डॉ० चंद्रा **निष्प्राण** हो गई।

विलोम शब्द लिखिए–

जीवन	–	**मरण**	मानव	–	**दानव**
दोषी	–	**निर्दोष**	कठोरतम	–	**सरलतम**
पिछली	–	**अगली**	निर्जीव	–	**सजीव**
खोल	–	**बंद**	अलग-अलग	–	**एक ही**

पर्यायवाची शब्द लिखिए–

जननी	–	**माता**	**माँ**	विजय	–	**जीत**	**जय**
ईश्वर	–	**भगवान**	**परमात्मा**	स्त्री	–	**औरत**	**महिला**
पुत्री	–	**बेटी**	**तनुजा**	पिता	–	**जनक**	**बाप**

उत्तर लिखिए–

1. 'अभिशप्त काया' से लेखिका का आशय है कि एक ऐसी काया जो जन्म से शाप से ग्रस्त हो और जिसे विधाता ने कठोरतम दंड दिया है।
2. कभी-कभी अचानक ही विधाता हमें ऐसे विलक्षण व्यक्तित्व से मिला देता है, जिसे देख स्वयं अपने जीवन की रिक्तता बहुत छोटी लगने लगती है। हमें तब लगता है कि भले ही उस अंतर्यामी ने हमें जीवन में कभी अकस्मात् अकारण ही दंडित कर दिया हो किंतु हमारे किसी अंग को हमसे विच्छिन्न कर हमें उससे वंचित तो नहीं किया।
3. डॉ॰ चंद्रा की कार्यकुशलता को लेखिका ने सुदीर्घ कठिन अभ्यास की यातनाप्रद भूमिका इसलिए कहा है क्योंकि जिसके जन्म के अट्ठारहवें महीने में ही जिसकी गरदन के नीचे का पूरा शरीर पोलियो ने निर्जीव कर दिया हो, उसने किस अद्भुत साहस से नियति को अँगूठा दिखा अपनी थीसिस पर डॉक्टरेट ली होगी। यहाँ कभी सामान्य सी चोट लगने पर प्राण ऐसे कंटक हो जाते हैं आकाश सिर पर टूट पड़ा है और इधर यह लड़की है जिसका निचला धड़ सुन्न, फिर भी बोटी-बोटी फड़क रही है। डॉ॰ चंद्रा आज जिस स्थिति में खुश दिख रही है यह उसकी कड़ी मेहनत और लगन का ही परिणाम है।
4. चिकित्सा की हानि विज्ञान का लाभ बन गई, क्योंकि परीक्षा में सर्वोच्च अंक पाने को बावजूद भी अपंग डॉ॰ चंद्रा को मेडिकल में प्रवेश नहीं मिल सका। वह एक सफल शल्य चिकित्सका नहीं बन पाई। परंतु उन्होंने विज्ञान के क्षेत्र में उसकी प्रगति में महान योगदान दिया। जो विज्ञान के क्षेत्र में बहुत महत्त्वपूर्ण रही। इस प्रकार चिकित्सा ने एक अच्छा शल्थ-चिकित्सक को खो दिया परंतु विज्ञान ने एक महान वैज्ञानिक पा लिया है।
5. डॉ॰ चंद्रा की माँ को जब उनकी बीमारी के बारे में पता चला कि वह कभी रोगमुक्त नहीं हो सकती फिर भी उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी और उन्हें आर्थोपैडिक सर्जन को दिखाया। डॉ॰ चंद्रा की माँ ने उनके जीवन के लिए प्रत्येक विपरीत परिस्थिति में उनका सहयोग किया और उनकी परछाईं की तरह हर कदम उनके साथ रही फिर चाहे क्लास रूम हो या प्रयोगशाला। वे पीरियड-दर-पीरियड उसके पीछे खड़ी रहतीं अर्थात् डॉ॰ चंद्रा की माँ शारदा सुब्रह्मण्यम् अपनी बेटी के जीवन के लिए महान त्याग और असीम बलिदान दिया है। इसलिए डॉ॰ चंद्रा की माता वास्तव में 'वीर जननी पुरस्कार' की हकदार थीं।

6 शिक्षाप्रद दोहे

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) गुरु के 2. (क) परोपकारी पुरुष को 3. (क) खाय

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. दु:ख में **सुमिरन** सब करैं,
   सुख में करै न कोय।
2. काँकर **पाथर** जोरि के,
   मस्जिद लियो बनाय।
3. रात **गँवाई** सोय कर,
   दिवस गँवाया खाय।

इन पंक्तियों की व्याख्या कीजिए–

1. **व्याख्या**–कबीर दास के अनुसार–जब सामने गुरू और ईश्वर दोनों ही खड़े हो तब हमें सबसे पहले किसके चरण छूने चाहिए। ईश्वर के अनुसार हमें सबसे पहले अपने गुरू पर बलिहारी होना चाहिए जिसके कारण हमें ज्ञान–प्राप्ति होती है तथा जो हमें जीवन रूपी भवसागर से पार लगाते है। अत: हमें सबसे पहले अपने गुरू के चरण–स्पर्श करने चाहिए।
2. **व्याख्या**–कबीर दास जी कहते हैं कि मनुष्य का जन्म व्यर्थ गवाँने के लिए नहीं बल्कि इसे अनमोल बनाने के लिए मिला है। मनुष्य इस जीवन को रात की गहरी नींद लेकर और दिन में खूब सारा खाना खाने में ही गवाँ रहा है। उसे यह पहचान नहीं है कि उसका यह जीवन हीरे जितना अनमोल है, जिसको मेहनत से और भी सुहावना बनाया जा सकता है। अत: मनुष्य ने अपना हीरे जैसा अनमोल जीवन व्यर्थ में ही गवाँ दिया जिसे वह चाहता तो हीरे से खूबसूरत बना सकता था। मेहनत से तो कौड़ी की भी बदला जा सकता है।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

शब्द		अर्थ	वाक्य
गोविंद	–	ईश्वर	गुरु को **गोविंद** से बड़ा बताया है।
बहिरा	–	बहरा	बुरी बातों को सुनने से अच्छा है **बहिरा** बन जाना।
विनती	–	प्रार्थना	हम दु:ख में ईश्वर से **विनती** करते हैं।

आचरण	–	स्वभाव	सज्जन मनुष्य अपने **आचरण** से ही पहचाना जाता है।
लज्जा	–	शर्म	गलत कार्य करते समय तुम्हें **लज्जा** आनी चाहिए।

विलोम शब्द लिखिए–

गुरु	–	**शिष्य**	दु:ख	–	**सुख**
विचार	–	**अविचार**	रात	–	**दिन**
अनमोल	–	**साधारण**	सत्य	–	**असत्य**
जनम	–	**मरण**	धर्म	–	**अधर्म**

भाववाचक संज्ञा बनाइए–

देव	–	देवत्व	मानव	–	मानवता
सज्जन	–	सज्जनता	मित्र	–	मित्रता
लघु	–	लघुता	अनमोल	–	अमूल्य

इन शब्दों को एकवचन और बहुवचन में बदलिए–

		एकवचन			**बहुवचन**
गुरुओं	–	**गुरु**	सुख	–	**सुखों**
पैरों	–	**पैर**	दिवस	–	**दिवसों**
दु:खों	–	**दु:ख**	हीरा	–	**हीरे**
शिक्षकों	–	**शिक्षक**	कंकड़	–	**कंकड़ों**

उत्तर लिखिए–

1. कवि गुरु और गोविंद में से गुरु को श्रेष्ठ मानते हैं।
2. व्यक्ति को जब कभी किसी प्रकार का दु:ख होता है तब ही वह ईश्वर को याद करता है, क्योंकि वह दु:ख में घबरा जाता है और भगवान को याद करने के अलावा उस पर कोई दूसरा उपाय नहीं होता तथा उसे यह भी विश्वास होता है कि ईश्वर जरूर उसकी रक्षा करेंगे। इसलिए वह दु:ख में ईश्वर को याद करते हैं।
3. इस अनमोल जीवन को हम कड़ी मेहनत करके और अपने मन पर नियंत्रण करके सफल बना सकते हैं।
4. धर्म से ही हमें सत्य का उपदेश मिलता है और ज्ञान–विज्ञान का भी पर्याप्त ज्ञान होता है। अत: धर्म ही भगवान के दूसरा रूप है या नाम है। इसलिए कवि ने धर्म को सुंदर आचरण बताया है।
5. जो व्यक्ति दूसरों पर उपकार करते हैं, वे महान होते हैं, क्योंकि उनके हृदय में कभी छल कपट का विचार तथा बदलाव का भाव नहीं आता है। वे बिना किसी भेदभाव के और बदले की भावना से रहित होकर ही उपकार करते हैं।

7 बाल-दिवस

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (घ) गिरिजा कुमार माथुर। 2. (घ) आज के समय के साथ

विलोम शब्द लिखिए–

आँख	–	**कान**	नहीं	–	**हाँ**	विश्वास	–	**धोखा**
डर	–	**निडर**	पूरा	–	**अधूरा**	कामयाब	–	**नाकामयाब**
एक	–	**अनेक**	दिन	–	**रात**			

उत्तर लिखिए–

1. इस कविता में कवि बच्चों की कामयाबी की बात करता है।
2. बच्चों के मन में एक दिन कामयाब होने, साथ-साथ चलने और कभी भी किसी से न डरने का पूरा विश्वास है।
3. प्रस्तुत कविता में कवि ने बच्चों के माध्यम से हम सभी का मनोबल बढ़ाने और दृढ़ निश्चय होने की ओर प्रेरित किया है। अत: बच्चे कह रहे हैं कि हमें यह पूरा विश्वास है कि हम एक दिन जरूर कामयाब होंगे। आगे बच्चे कहते हैं कि जब हम कामयाब हो जाएँगे तो साथ-साथ आपस में मिल जुलकर रहेंगे। बच्चे कहते हैं हमें यह पूरा विश्वास है कि हम एक दिन बिना किसी डर और भय के साथ चलेंगे और ना ही हमें आज भी किसी का डर और भय है और न कभी रहेगा। अत: कहा जा सकता है कि बच्चे कठिन परिस्थितियों को भी पार करते हुए पूर्ण विश्वास के साथ कामयाब होना चाहते हैं अर्थात् उन्हें यह पूरा विश्वास है कि एक दिन वो कामयाब जरूर होंगे। उनका यही दृढ़ विश्वास उन्हें निडरता तथा निर्भर बना रहा है।

8 चाणक्य और चंद्रगुप्त

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) बिहार को 2. (ख) मुरा

विलोम शब्द लिखिए–

विद्वान	–	**मूर्ख**	श्रेष्ठ	–	**साधारण**
तीव्र	–	**मंद**	स्थिर	–	**अस्थिर**
निडर	–	**डरपोक**	बालक	–	**बूढ़ा**
प्राचीन	–	**नवीन**	कष्ट	–	**सुख**

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

	शब्द		अर्थ	वाक्य
1.	प्राचीन	–	पुराना	प्राचीन काल में पटना को पाटलिपुत्र कहा जाता था।
2.	पुरस्कार	–	इनाम	डॉ० चंद्रा को विज्ञान के क्षेत्र में **पुरस्कार** मिला।
3.	आदेश	–	आज्ञा	राजा ने चोर को देश निकाला का **आदेश** दिया।
4.	अत्याचार	–	उत्पीड़ित	राजा नंद ने सेनापति मौर्य पर अनेक **अत्याचार** किए।
5.	महान	–	श्रेष्ठ	चंद्रगुप्त मौर्य, मौर्य वंश का एक **महान** शासक था।

बहुवचन में बदलिए–

प्रदेश	–	**प्रदेशों**	राजधानी	–	**राजधानियाँ**
अत्याचार	–	**अत्याचारों**	पुरस्कार	–	**पुरस्कारों**
शासक	–	**शासकों**	कष्ट	–	**कष्टों**
आचार्य	–	**आचार्यों**	शिष्य	–	**शिष्यों**

उत्तर लिखिए–

1. पटना का प्राचीन नाम पाटलिपुत्र था।
2. चाणक्य तक्षशिला के आचार्य थे।
3. चंद्रगुप्त के महान गुणों के बारे में बालक की माँ से बातचीत करते हुए चाणक्य को पता चला कि बालक का नाम चंद्रगुप्त है। वह नंद के उस सेनापति का पुत्र है, जिसे नंद ने विद्रोही कहकर जेल में बंद कर दिया है।
4. पिंजरे में रखा हुआ शेर लाख धातु का बना हुआ था।
5. चंद्रगुप्त गुरु चाणक्य की सहायता से राजा नंद का वध करने के पश्चात् मगध का राजा बना और 'चंद्रगुप्त मौर्य' के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

9 *अनोखी दावत*

अभ्यास

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. संजय ने भेद-भरी **निगाहों** से दादा के चेहरे की नाप-जोख की।
2. अरे, इस तरह स्वयं याद कराना तो **अशिष्टता** होगी।
3. सभी उन्हें स्नेह और आदर से **दादा** कहते थे।

किसने कहा, किससे कहा–

1. दादी जी ने संजय से
2. संजय ने दादी जी से
3. दादी जी ने संजय से

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

		अर्थ	वाक्य
संयोग	–	इत्तेफाक	दादा जी अकेले बैठे थे **संयोग** से वहाँ संजय आ गया।
आग्रह	–	अनुरोध	दादी जी ने **आग्रहपूर्वक** कहा कि कल आप मेरे घर शाम के भोजन पर आना।
प्रस्ताव	–	प्रकरण	रमेश ने अपनी शादी का **प्रस्ताव** ठुकरा दिया।
अमर	–	चिरस्थायी	बंगला साहित्य के **अमर** कथाकार शरतचंद्र चट्टोपाध्याय थे।
प्रतिशोध	–	बदला	संजय के मन में **प्रतिशोध** का स्वर गूँज रहा था।

नीचे कुछ संज्ञा और विशेषण शब्द मिले-जुले हैं, उन्हें अलग-अलग लिखिए–

संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण	संज्ञा	विशेषण
किस्म	मनमौजी	दर्जा	अव्वल	दिन	एक
काम	खास	मूड	अच्छा	भूल	दूसरी
गलती	भारी	दावत	बढ़िया		

उत्तर लिखिए–

1. दादा ने संजय को निमंत्रण दिया था।
2. दादा संजय को कंपनी बाग में इसलिए लेकर गए, क्योंकि कंपनी बाग में एक पिकनिक हो रही थी।
3. (i) संजय को खाने का निमंत्रण देकर भूल जाना।
   (ii) पिकनिक के निमंत्रण की तारीख याद न रखना।
4. दादा जी का पूरा नाम शरतचंद्र चट्टोपाध्याय था।

10 बालक हूँ मैं वीर निराला

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) हरे-भरे पहाड़ पर
2. (ख) बकरी की मौत
3. (घ) बकवास।

निम्नलिखित शब्दों से उपसर्ग अलग कीजिए–

विचरती	–	वि	अकर्मण्यता	–	अंक
सगर्व	–	स	नि:शंक	–	नि
अनावश्यक	–	अन			

विलोम शब्द लिखिए–

जोर	–	**धीरे**	उल्टा	–	**सीधा**

उठना	–	**गिरना**	बुरा	–	**अच्छा**
उत्तर	–	**प्रश्न**	अँधेरा	–	**उजाला**
अपना	–	**पराया**	भोग्य	–	**अभोग्य**

दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

खून	–	**रक्त**	**लहू**	पर्वत	–	**पहाड़**	**गिरि**
सुंदर	–	**मनोहर**	**सुहावना**	साथी	–	**मित्र**	**दोस्त**
मुँह	–	**चेहरा**	**मुख**	पशु	–	**जंतु**	**चौपाया**

निम्नलिखित विशेषणों में ता, ई, पन प्रत्यय लगाकर भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए–

बीमार	–	**बीमारी**	वीर	–	**वीरता**
उत्सुक	–	**उत्सुकता**	असावधान	–	**असावधानी**
अकेला	–	**अकेलापन**	पागल	–	**पागलपन**

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

आँखों-आँखों में समझना – युवा बकरी अपने साथियों की बात आँखों-ही-आँखों में समझ गई।

खून मुँह लगना – युवा बकरी भेड़िए के मुँह में लगे खून को देखना चाहती थी।

दबे पाँव आना – युवा बकरी को छुटपुटा होने पर दबे पाँव भेड़िया आता दिखाई दिया।

पाँव उखड़ना – अपने सीने से बहती लहू की धार देख भेड़िए के पाँव उखड़ गए।

लहू में उबाल आना – अपने शरीर से बहते लहू को देखकर भेड़िए के लहू में उबाल आ गया।

उत्तर लिखिए–

1. जब हरे-भरे पहाड़ पर बकरियाँ चरने जातीं तो भेड़िया रोज एक न एक बकरी को अवश्य खा जाता था इससे बकरियों की संख्या कम होने लगी। अत: भेड़िए की इस धूर्तता से तंग आकर चरवाहे ने वहाँ बकरियाँ चराना बंद कर दिया। एक युवा बकरी को यह बंधन पसंद नहीं आया। वह कहने लगी कि अत्याचारी से कब तक प्राणों की रक्षा की जा सकेगी? इन्हीं विचारों से ओत-प्रोत वह हसरत भरी नज़रों से पर्वत की ओर देखती रही।
2. अन्य बकरियों की दृष्टि से युवा बकरी का विचार मूर्खतापूर्ण था कि भोग्य सदैव से भोगने के लिए ही उत्पन्न होते रहे हैं। भेड़िए के मुँह हमारा खून लग चुका है, वह अपनी आदत से कभी बाज़ नहीं आएगा।
3. ''भोग्य सदैव से भोगने के लिए ही उत्पन्न होते रहे हैं।'' इस मत से आशय है

अत्याचारी भेड़िए जैसे भोगने वाले हमेशा से ही उत्पन्न होते रहे हैं। अर्थात् यह तो सृष्टि की देन है कि कुछ जीव-जंतु दूसरे को भोगने के लिए ही उत्पन्न हुए हैं। इसमें उनका कोई दोष नहीं है कि वो हमारा भोग करते हैं। यह तो प्रकृति द्वारा दिया गया शाप है।

4. युवा बकरी की प्रशंसा करने के पीछे भेड़िए का उद्देश्य था कि ऐसा करने से भोली बकरी आसानी से उसकी बातों में आ जाएगी और फिर वह उसको अपना आहार बना लेगा।
5. बकरी मर जरूर गई, परंतु भेड़िए को घायल करके मरी है। वह भी अब दूसरों पर अत्याचार करने के लिए जीवित नहीं रह सकेगा। सीने और मस्तक के घाव उसे सड़-सड़कर मरने को बाध्य करेंगे। अत: बकरी इस तरह भेड़िए को सबक सिखा गई।
6. बकरी के लिए प्रयुक्त शहीद शब्द जहाँ तक कहा जाए उचित ही है, क्योंकि वह एक निडर और स्वावलंबी एवं स्वछंद जीवन की चाह रखने वाली तथा युद्ध क्षेत्र में डटी रहने वाली जिंदादिल आत्मा थी, जो अपने दृढ़-निश्चय से मरते दम तक पीछे नहीं हटी और वीरता से शत्रु सामना करती रही। अत: युवा बकरी का यह महान बलिदान हमारे लिए गर्व की बात है।

11 यदि कटे जंगल तो .....

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) पौधे के 2. (ग) धरती को

किसने, किससे कहा?

1. एक बड़े पौधे ने नन्हें पौधे से
2. वर्षा ने नन्हें बीज से
3. अन्य पौधों ने वर्षा और सूर्य से

निम्नलिखित प्रदूषणों का एक-एक कारण लिखिए–

1. जल में गंदे और प्रदूषणयुक्त पदार्थों के मिलने से जल-प्रदूषण होता है।
2. कारखानों में निकलने वाले गन्दे धुएँ से वायु प्रदूषण होता है।
3. नगरों में बढ़ती जनसंख्या और निकलने वाले ठोस एवं द्रव अवशिष्ट पदार्थों से भूमि प्रदूषण हो रहा है।

उत्तर दीजिए–

1. सूर्य कोने में नन्हें बीज को सहमे-देखकर उससे कहता है कि, तुम वहाँ अँधेरी, नम तहों में क्या कर रहे हो? बाहर आओ, इस हरी-भरी धरती पर उभरो, एक पौधे का आकार लेकर।

2. कड़ी जमीन होने के कारण नन्हा बीज बाहर नहीं निकल पा रहा था, इसलिए सूर्य अपनी नटखट सहेली वर्षा को भेजता है।
3. वर्षा गुनगुनाती हुई आती है कि, आज फिर बरसकर प्यासी धरती को करूँगी नमी फैलेगी हरियाली, आएगा नए पौधों का मौसम।
4. प्रदूषण का राक्षस, हरे-भरे पेड़-पौधों वाले पास के जंगल को खा गया है। अब हमारी बारी है, क्योंकि शहर की सड़क अब इस जंगल तक आ गई है।
5. पेड़-पौधे हमारे लिए अति आवश्यक हैं, क्योंकि ये हमें शीतल हवा प्रदान करते हैं। और पृथ्वी को प्रदूषित रहित बनाते हैं।
6. पर्यावरण प्रदूषण वनों की अन्धाधुन्ध कटाई और पर्यावरण में दूषित पदार्थों के प्रवेश के कारण प्राकृतिक संतुलन में सामंजस्य नहीं हो पाने के कारण पर्यावरण दिन-प्रतिदिन प्रदूषित हो रहा।

12 पेड़

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (क) लिबास 2. (ग) पेड़

पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–

सुंदर पत्तों **का लिबास** है
शुद्ध हवाओं का निवास है,
ठंडी छाया, **फूल और फल**
करता सालाना विकास है।

डालें कितना **भारी-भरकम**
हिलती-डुलती रहतीं हरदम
छोटी डालें **और टहनियाँ**
गिनती नहीं हजारों से कम।

उत्तर दीजिए–

1. स्वयं कीजिए।
2 नन्हें-से बीज को जब हम जमीन को खोदकर उसे उसमें गाढ़ते हैं फिर उसमें पानी देते हैं तो उस बीज से अंकुर निकलता है तथा इस प्रकार धीरे-धीरे नन्हें-से बीज से पौधा बनता है।
3. अगर पेड़-पौधे न होते तो शायद मनुष्य का जीवन भी नहीं होता, क्योंकि पेड़ों से पर्यावरण शुद्ध होता है तथा ये वर्षा कराने में भी सहायक होते हैं। साथ ही ये हमें भोजन भी देते हैं। पेड़-पौधों के बिना मनुष्यों तथा पशु-पक्षियों का जीवन असंभव प्रतीत होता है। इसलिए हमें इनकी रक्षा करनी चाहिए।
4. **(i) मनुष्य को–**मनुष्य को पेड़ों से खाने के लिए फल ओर विभिन्न खाद्य-सामग्रियाँ प्राप्त होती हैं तथा पेड़ों से हमें फूल, ठंडी छाया, जलाने के लिए पर्याप्त मात्रा में ईंधन तथा शुद्ध वातावरण आदि प्राप्त होता है।
   (ii) पशु-पक्षियों को–पेड़ों से पशु-पक्षियों को भोजन, रहने के लिए निवास, धूप से बचाव के लिए शीतल छाया तथा शुद्ध वातावरण आदि प्राप्त होता है।

13 अवसर का लाभ

अभ्यास

विलोम शब्द लिखिए–

कृपालु	=	निर्दयी	आलसी	=	परिश्रमी
पुरुष	=	स्त्री	समर्थ	=	असमर्थ
खरीदना	=	बेचना	उपाय	=	निरूपाय
महँगा	=	सस्ता	मूर्ख	=	विद्वान

निर्देशानुसार संधि या संधि विच्छेद कीजिए–

सदा + एव	=	सदैव	महा + आत्मा	=	महात्मा
उद् + धार	=	उद्धार	प्रति + ईक्षा	=	प्रतीक्षा
विद्या + आलय	=	विद्यालय	हिम् + आलय	=	हिमालय

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

प्रतीक्षा = मैं बहुत देर से आपकी प्रतीक्षा कर रही थी।
प्रस्थान = संत ने शीघ्र ही प्रस्थान किया।
ग्राम = ग्राम एक दरिद्र रहता था।
मूल्य = दरिद्र पारस का मूल्य नहीं जानता था।

उत्तर दीजिए–

1. सार रेगिस्तान में एक छोटा सा गाँव रामपुरा था।
2. उस गाँव के निवास परिश्रमी और सहनशील थे।
3. आलसी दरिद्र अपना गुजारा भीख माँगकर चलाता था।
4. धूप से बचने के लिए दरिद्र एक पेड़ की छाया में बैठा था।

14 प्रियतम

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) किसान की 2. (ग) विष्णुजी का 3. (ख) बैकुंठ

विलोम शब्द लिखिए–

सज्जन	–	**दुर्जन**	हँसना	–	**रोना**	प्रात:	–	**सायं**
मधुर	–	**कटु**	दिन	–	**रात**	गिरना	–	**उठना**

पर्यायवाची शब्द लिखिए–

किसान	–	**कृषक**	केवल	–	**सिर्फ**
आवश्यक	–	**जरूरी**	बैकुंठ	–	**विष्णुलोक**

उत्तर लिखिए–

1. जब नारद जी ने विष्णु जी से पूछा कि मृत्यु लोक में तुम्हारा प्रधान पुण्यलोक में अर्थात्

यशस्वी भक्त कौन है तब विष्णु जी ने कहा कि एक सज्जन किसान है, जो प्राणों से भी प्यारा है। अत: यह सुनकर नारद जी ने किसान की परीक्षा लेने का निर्णय लिया।

2. विष्णु जी ने नारद को एक ऐसा काम सौंपा जो वाद को विवाद बनाने वाला था, उन्होंने नारद से कहा कि लो यह पात्र जो तेल से पूरा भरा हुआ है। अत: आप इसे ले जाइए और संपूर्ण भूमंडल की परिक्रमा करके आइए तथा यह अवश्य ध्यान रखना होगा कि इस पात्र से एक बूँद भी तेल इससे न छलक पाए अर्थात् गिर पाए।
3. विश्व-भ्रमण कर लौटे नारद जी के मन में उल्लास इसलिए भरा हुआ था, क्योंकि विष्णु जी के द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार तेल से भरे पात्र से एक बूँद भी तेल नहीं गिरा।
4. भ्रमण करते हुए भगवान का नाम न ले पाने का कारण नारद जी ने बताया जो काम मैं कर रहा था वो भी आपका ही था इसलिए मेरा ध्यान उसी में लगा रहा और मैं फिर आपका नाम क्या लेता। नहीं हम इस मत से सहमत नहीं है क्योंकि उत्तरदायित्व अपनी जगह हैं अर्थात् कोई भी कार्य ऐसा नहीं है, जिसे करते समय हम भगवान का नाम न ले सकें।
5. कविता के अनुसार किसान की भक्ति इसलिए श्रेष्ठ है, क्योंकि किसान भी प्रभु द्वारा दिए गए कर्म को ही पूर्ण करता है अपने सभी दायित्वों का निर्वाह भी अच्छी तरीके से करता है और प्रभु नाम का भी स्मरण करता है।

15 अपनी कमाई

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) मायके 2. (घ) पेटी 3. (ग) कुएँ
4. (ग) पेटी 5. (क) पसीने से

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

		अर्थ	वाक्य
अभ्यास	–	प्रयास	निरंतर **अभ्यास** करने से मूर्ख भी विद्वान बन जाता है।
उदास	–	दुखी	लड़के को जब उसके पिता ने डाँटा तो वह **उदास** हो गया।
आज्ञा	–	आदेश	पिता ने अपने बेटे को धन कमाकर लाने की **आज्ञा** दी।
अनुभवी	–	अभ्यस्त	आरामतलब बेटे का पिता अत्यधिक **अनुभवी** था।
तत्परता	–	शीघ्रता	पिता के आदेश देने पर उसके बेटे ने **तत्परता** से उसकी आज्ञा का पालन किया।
क्रोध	–	गुस्सा	लड़के की आँखों से **क्रोध** की ज्वाला निकलने लगी।

विवश – बेबस आलसी बेटा **विवश** होकर बाजार में मजदूरी खोजने गया।

बदन – शरीर लड़के के **बदन** से पसीना निकलने लगा।

निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए–

प्रात:काल	– **सायंकाल**	आज्ञा	– **अनुरोध**	सेठ	– **दरिद्र**
बेटा	– **बेटी**	रात	– **दिन**	सामने	– **आमने**
पिता	– **माता**	उदास	– **प्रसन्न**	अपना	– **पराया**

उत्तर लिखिए–

1. पहले दिन लड़का सोने की मोहर अपनी माँ से लाया था।
2. लड़के के पिता ने अपनी पत्नी को मायके इसलिए भेज दिया, क्योंकि उसकी पत्नी ने अपने बेटे की मदद करने के लिए उसे एक सोने की मुहर दी थी।
3. पिता यह अच्छी प्रकार जानना चाहता था कि उसके पुत्र ने जो सिक्का दिया है वह उसके द्वारा कमाई गई मेहनत का है या नहीं। इसलिए पिता ने पुत्र को एक रुपये का सिक्का कुएँ में फेंकने के लिए कहा।
4. लड़के ने पचास पैसे का सिक्का कुएँ में इसलिए नहीं फेंका क्योंकि वह सिक्का उसकी मेहनत की कमायी थी, जिसे उसने सेठ के पेटी पहुँचाकर कमाया था।

16 *छल का फल*

अभ्यास

विलोम शब्द लिखिए–

साधु	**शैतान, दुष्ट**	राजा	**रंक**	सरल	**कठिन**
प्रेम	**घृणा**	सहनशील	**असहनशील**	न्याय	**अन्याय**
बुरा	**भला**	उचित	**अनुचित**		

पर्यायवाची शब्द लिखिए–

प्रेम – **प्यार, स्नेह** साधु – **संन्यासी, महात्मा**

राजा – **नृप, महीप**

अपराध – **गुनाह, गलती** मृत्यु – **स्वर्गवास, निधन,**

निम्नलिखित विशेषण शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए–

अच्छा	**अच्छाई**	नया	**नयापन**	ठंडी	**ठंडाई**
मीठे	**मिठास**	आवश्यक	**आवश्यकता**	सफल	**सफलता**

निम्नलिखित क्रिया शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए–

चढ़ाना **चढ़ाई** बुनना **बुनाई** पढ़ाना **पढ़ाई** सिलना **सिलाई**

निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

साम्राज्य – सम्राट अशोक ने राज्यों को जीतकर अपना **साम्राज्य** विस्तृत किया।

अलख – साधु नियमित रूप से बुढ़िया के घर **अलख** जगाता था।

आश्चर्य – बुढ़िया ने साधु को जब भीख में लड्डू दिए तो उसे बहुत **आश्चर्य** हुआ।

पूछताछ – राजा ने साधु से दोनों युवकों की मौत के विषय में **पूछताछ** की।

मृत्युदंड – बुढ़िया ने अपने अपराध के लिए राजा से **मृत्युदंड** की माँग की।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. बुढ़िया स्वभाव से **दुष्ट** और **कुटिल** थी।
2. साधु ने **बुढ़िया** पर कभी क्रोध नहीं किया।
3. साधु ने दोनों **युवकों** की मौत के विषय में राजा को निर्भीकतापूर्वक सारी घटना विस्तार से बता दी।
4. बुढ़िया ने राजा से अपने अपराध के लिए **मृत्युदंड** की माँग की।
5. बुढ़िया अपनी भूल के लिए **जीवन-भर** तड़पती रही।

सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. **(✓)** 2. **(✓)** 3. **(✗)** 4. **(✗)** 5. **(✓)**

किसने कहा, किससे कहा–

1. दो युवकों ने साधु से 2. साधु ने दोनों युवकों से
3. साधु ने बुढ़िया से

उत्तर लिखिए–

1. साधु का स्वभाव अत्यंत सरल, सहज और सहनशील था।
2. एक दिन बुढ़िया ने सोचा कि, यह साधु मुझे प्रतिदिन परेशान करता है। इसे विष खिलाकर मार देना चाहिए।
3. जब दूसरे दिन साधु बुढ़िया के द्वार पर भिक्षा माँगने आया तो बुढ़िया ने वे दो लड्डू दिए जो उसने विष मिलाकर बनाए।
4. साधु स्वभाव से ही सरल, सहज और सहनशील प्रवृत्ति का व्यक्ति था इसलिए उसे कभी-भी बुढ़िया पर क्रोध नहीं आता था।
5. जब बुढ़िया ने जहर मिलाकर बनाए गए दो लड्डू साधु को दिए तो उसे बहुत आश्चर्य हुआ, शाम को भोजन खाने के बाद उसका पेट भर गया था, इसलिए उसने वो लड्डू नहीं खाए। रात्रि के समय साधु के घर दो युवक आए और उन्हें बहुत तेज भूख लगने के कारण साधु ने वे दोनों लड्डू उन यवुकों को खाने के लिए दे दिए। साधु ने सुबह जब उन युवकों को जगाया तो वे मर चुके थे। मरने वाले दोनों युवक बुढ़िया के बेटे थे। जब उसे पता चला कि ये मेरे बेटे हैं तो उसे पश्चात्ताप हुआ तथा फिर वह जीवन-भर तड़पती रही। अतः इस प्रकार बुढ़िया को अपनी करनी का फल मिल गया।
6. जब बुढ़िया ने दोनों शवों के रूप में अपने बेटों को देखा तो वह ज़ोर-ज़ोर से रोने लगी।
7. इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि हमें कभी भी किसी के साथ कटु व्यवहार नहीं करना चाहिए और न ही किसी से छलपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। क्योंकि किसी के साथ छल करने का परिणाम हमेशा हमें ही मिलता है।

17 शूलपाणि

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ख) गंडक 2. (ग) पीपल के

विलोम शब्द लिखिए–

हित	–	**अहित**	न्याय	–	**अन्याय**
ज्ञान	–	**अज्ञान**	समय	–	**असमय**
योग्य	–	**अयोग्य**	कल्याण	–	**अहित**

पर्यायवाची शब्द लिखिए–

सूर्य	–	**मार्तंड**	प्रभाकर	**दिवाकर**
नाग	–	**साँप**	विषधर	**भुजंग**
वृक्ष	–	**विटप**	पेड़	**तरु**
चाँद	–	**चंद्रमा**	शशि	**सोम**
उपवन	–	**वाटिका**	उद्यान	**बगीचा**

मिलाकर लिखिए–

धर्म	+	उपदेश	–	**धर्मोपदेश**
पर	+	उपकार	–	**परोपकार**
शूल	+	पाणि	–	**शूलपाणि**
उप	+	वन	–	**उपवन**
अमृत	+	मयी	–	**अमृतमयी**

उत्तर लिखिए–

1. सायंकाल को वर्धमान महावीर स्वामी विहार करते हुए आस्थिक ग्राम के एक चैत्य में पहुँचे।
2. शूलपाणि एक क्रूर व्यक्ति था और वह सदैव अपने हाथ में शूल सरीखा एक नुकीला हथियार रखता था, इसी वजह से उसका नाम 'शूलपाणि' पड़ गया था।
3. गाँव वालों ने वर्धमान महावीर को बताया कि, ''प्रभु! इस चैत्य में एक यक्ष रहता है। वह बहुत निर्दयी है। जो भी रात्रि बेला में यहाँ ठहरता है या इधर से गुजरता है, उसे वह मार डालता है।
4. अँधेरा छा जाने पर शूलपाणि बाहर से लौटा तब उसने उपवन के अंदर एक व्यक्ति को निर्भीक मुद्रा में समाधि लगाए बैठे देखकर वह चौंक उठा और इसलिए क्रोध से उसकी आँखे लाल हो गईं।
5. शूलपाणि ने जब भगवान महावीर का वध करने के लिए अपना शूल उठाकर उन पर

आक्रमण करना चाहा, तभी कौशिक नाग ने शूलपाणि को डस लिया इसलिए वह धड़ाम से भूमि पर गिर पड़ा।

6. भगवान महावीर ने शूलपाणि के साथ मददपूर्ण व्यवहार किया, क्योंकि उस वक्त वह अत्यधिक कष्ट में था। इसलिए उसका जीवन बचाने के लिए भगवान महावीर ने जड़ी-बूटी को घिसकर उसका उपचार किया।

19 हम होंगे कामयाब एक दिन

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (घ) गिरिजा कुमार माथुर। 2. (घ) आज के समय के साथ

विलोम शब्द लिखिए–

आँख	–	**कान**	नहीं	–	**हाँ**	विश्वास	–	**धोखा**
डर	–	**निडर**	पूरा	–	**अधूरा**	कामयाब	–	**नाकामयाब**
एक	–	**अनेक**	दिन	–	**रात**			

उत्तर लिखिए–

1. इस कविता में कवि बच्चों की कामयाबी की बात करता है।
2. बच्चों के मन में एक दिन कामयाब होने, साथ-साथ चलने और कभी भी किसी से न डरने का पूरा विश्वास है।
3. प्रस्तुत कविता में कवि ने बच्चों के माध्यम से हम सभी का मनोबल बढ़ाने और दृढ़ निश्चय होने की ओर प्रेरित किया है। अत: बच्चे कह रहे हैं कि हमें यह पूरा विश्वास है कि हम एक दिन जरूर कामयाब होंगे। आगे बच्चे कहते हैं कि जब हम कामयाब हो जाएँगे तो साथ-साथ आपस में मिल जुलकर रहेंगे। बच्चे कहते हैं हमें यह पूरा विश्वास है कि हम एक दिन बिना किसी डर और भय के साथ चलेंगे और ना ही हमें आज भी किसी का डर और भय है और न कभी रहेगा। अत: कहा जा सकता है कि बच्चे कठिन परिस्थितियों को भी पार करते हुए पूर्ण विश्वास के साथ कामयाब होना चाहते हैं अर्थात् उन्हें यह पूरा विश्वास है कि एक दिन वो कामयाब जरूर होंगे। उनका यही दृढ़ विश्वास उन्हें निडरता तथा निर्भर बना रहा है।

20 जैसी करनी वैसी भरनी

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ग) दुकान 2. (ग) साँप 3. (ख) वैद्य के

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. किसी **गाँव** में एक वैद्य रहता था।
2. वैद्य ने वृक्ष के **कोटर** में एक साँप देखा।
3. इससे मुझे अच्छा **धन** मिल जाएगा।
4. एक **बालक** उसकी चाल में फँस गया।

सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाइए–

1. **(✗)** 2. **(✓)** 3. **(✓)** 4. **(✗)** 5. **(✓)**

विलोम शब्द लिखिए–

दूर	–	**पास**	बाहर	–	**अंदर**	उदास	– **प्रसन्न**
दुष्ट	–	**सज्जन**	अच्छा	–	**बुरा**	मृत्यु	– **जन्म**

दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए–

गाँव	–	**ग्राम**	**देहात**	साँप	–	**सर्प**	**भुजंग**
लड़का	–	**बालक**	**शिशु**	वृक्ष	–	**पेड़**	**विटप**
हाथ	–	**कर**	**हस्त**	फल	–	**निष्कर्ष**	**परिणाम**
धन	–	**संमत्ति**	**दौलत**	सिर	–	**माथा**	**मस्तक**

उत्तर लिखिए–

1. वैद्य एक निर्धन और स्वार्थी प्रवृत्ति का व्यक्ति था।
2. दुकान का न चलना और घर की स्थिति खराब होना अर्थात् निर्धनता उसकी परेशानी का मुख्य कारण था।
3. जब वैद्य ने एक वृक्ष की कोटर में साँप को सोते हुए देखा तो उसने धन कमाने की योजना बनाई कि जो बच्चे पेड़ से कुछ दूरी पर खेल रहे हैं इनमें से किसी एक लड़के को साँप से डसवाकर अच्छा धन प्राप्त हो जाएगा।
4. वैद्य ने जब एक अबोध बालक से कहा कि, देखो, उस पेड़ की कोटर में मैना है तभी लड़के ने कोटर में हाथ डालकर किसी वस्तु को बाहर निकाला तो उसके हाथ में साँप की गर्दन थी। बालक ने उसी समय उसे झटके के साथ बाहर फेंक दिया, वह साँप सामने खड़े वैद्य के सिर पर जा गिरा और उसकी गरदन से लिपटकर वैद्य को डस लिया, जिससे कुछ ही देर में उसकी मृत्यु हो गई। अतः इस प्रकार वैद्य को अपने किए की सजा मिल गई।

1 निर्माण

अभ्यास

- **पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए–**

उत्तर– 1. हम सब मिल **ऐसा देश बनाएँ**,
जिसके **सब बच्चे पढ़ने** जाएँ।

2. **पाएँ सब पुस्तक** और स्लेट,
कोई कभी **न सोए भूखे पेट**।

3. सदा **मिले उन्हें बड़ों का** प्यार,
कोई न छीने उनके अधिकार।

4. **कोई** न **लूटे सपनों का** संसार,
मेहनत से ही हो **सपने** साकार।

- **निम्नलिखित पंक्तियों का भावार्थ लिखिए–**

उत्तर– बच्चे खेलें ..... चिड़िया कहलाए।

संदर्भ एवं प्रसंग—

प्रस्तुत पंक्तियाँ पाठय-पुस्तक केसर की 'निर्माण' शीर्षक कविता से उदधृत हैं। इन पंक्तियों में कवि ने बच्चों को जीवन में नव निर्माण के गीत गाने की प्रेरणा दी है, और माँ सरस्वती का घर-आँगन सजाने के लिए जाग्रत किया है।

भावार्थ–कवि कहता हे कि बच्चों आओ तुम सब मिलकर ऐसे उत्साह-उमंग भरे खेल खेलों, जिससे तुम सभी के बीच मेल भाव गहरा होता जाए। तुम सब मिलकर देश को समानता एवं संपन्नता से परिपूर्ण करो ओर खुशियों से भरे गीत गाओ। प्रत्येक भारतीय परिवर का खुशहाली से परिपूर्ण हो। एक बार फिर हमारा भारत देश सोने की चिड़िया कहलाने लगे।

- **शब्दों के अनेकार्थक शब्द-रूप लिखिए–**

उत्तर–

शब्द		अनेकार्थक शब्द
उत्तर	—	**जवाब देना, दिशा, प्रश्न का उत्तर देना**
काल	—	**समय, मृत्यु, युग का समय**
तारा	—	**नक्षत्र-सूर्य, चंद्रमा, गृह, आँख का तारा, आसमान का तारा**
हंस	—	**पक्षी, हंसना, संगीत की ताल पैर में पहनने का विक्रिया**
कर्ण	—	**कान, कुन्ती पुत्र**

- **विलोम शब्द लिखिए–**

उत्तर–

नव	—	**पुरा**	सोना	—	**चाँदी, जागना**
आज	—	**कल**	सदा	—	**कदापि**
बच्चे	—	**युवा**	गहरा	—	**उथला**

खुशहाली — **दु:खहाली** प्रेम — **घृणा**

- **निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–**

उत्तर– अधिकार — माता-पिता के ऊपर बच्चों का पूरा **अधिकार** है।
साकार — भति में सभी ईशवर को **साकार** मानकर उपासना करते हैं।
समता — हमें सभी जाति-धर्मों के प्रति **समता** का भाव रखना चाहिए।
संपन्नता — हमारा देश धन-धान्य से व **सम्पन्नता** से पूर्ण रहे।
गहरा — रामू मेरा **गहरा** मित्र है।
माँ भारती — हम **माँ भारती** का घर-आँगन खुशहाली से सजाएँ।
संसार — सारा **संसार** ईश्वर की महानता के गुण गाए।
बच्चे — **बच्चे** मेहनती बनें।

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

उत्तर– 1. कविता में देश को समता-संपन्नता से परिपूर्ण बनाने की कल्पना की गई है।
2. बच्चों को सदा बड़ों का प्यार मिले।
3. मेहनत से सभी के सपने साकार हों और कोई किसी के सपनों के संसार को न लूटे।
4. बच्चे, बच्चों वाले खेल खेलें और उनमें आपसी मित्रता गहरी हो।
5. नव-निर्माण, समता संपन्नता और खुशहाली के गीत गाने की कामना की गयी है।
6. **बच्चों पर अनुच्छेद**

हमारे देश के बच्चों का भविष्य उज्ज्वल हो। वह मनोरंजक खेल खेलें। पढ़े-लिखे। देश के नव-निर्माण में सहयोग दे। आपस में प्रेम पूर्वक रहें। माता-पिता व गुरुजनों की आज्ञा मानें, उनका आदर करें तथा बड़ों का भरपूर स्नेह प्राप्त करें। सभी में समता की भावना हो। देश को उन्नत बनाने में तन-मन से लग जाएँ। उनकी मधुर कल्पनाएँ व सभी सपने साकार हों। देश की प्रगति में बच्चों का भरपूर योगदान हो, क्योंकि वे सभी भारत का भविष्य हैं। बच्चे ही भारत को एक बार पुन: सोने की चिड़िया कहलाने में प्रसन्नता एवं जोश के साथ सहयोग देने में सक्षम है।

क्रियात्मक अभिव्यक्ति

उत्तर—विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

2 दंड का रहस्य

अभ्यास

- **रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–**

उत्तर– 1. राजकुमार ने **गंभीरता से** दाईं माँ की बातों पर विचार किया।
2. **मित्र, मैं** देश छोड़कर जा रहा हूँ, क्या **तुम मेरा** साथ नहीं दोगे?

3. विनय ने कहा, ''**तुम** चाहो तो **मेरा** घोड़ा ले जाओ।''
4. सुमंत ने **उसे** गले लगाते हुए कहा, ''**मैं** तो **स्वयं तुम्हारे** पास आने वाला था कि **तुम** आ गए।''

5. सुमंत ने राजा से कहा, ''**आप मुझे** मृत्युदंड दे सकते हैं, **मैं** तैयार हूँ।''

- **शब्दों को सही क्रम देकर वाक्य-रचना ठीक कीजिए–**

उत्तर– 1. राजकुमार कुसंगति में फँसकर पथभ्रष्ट हो गया।
2. जब समुद्र तक राजाज्ञा की सूचना पहुँची।
3. राजा बहुत विवेकशील और दूरदर्शी है।
4. राजकुमार ने मित्रों से परामर्श लेना उचित समझा।
5. क्या तुम मेरा साथ दोगे?

- **सही वर्तनी पर गोला लगाइए–**

उत्तर–

1.	मानसिक	मान्सिक	मांसिक
2.	पथभृष्ट	पथभ्रश्ट	पथभ्रष्ट
3.	उल्लंघन	उलंघन	ऊलंघन
4.	दुरदर्शी	दूरदर्शी	दूरदरशी
5.	निरनय	निर्नय	निर्णय

- **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

उत्तर– 1. देवगढ़ के राजा का नाम रामजूदेव सिंह था। वे प्रजा के हित का बहुत ध्यान रखते थे। इसलिए अत्यंत लोकप्रिय थे।
2. राजा ने अचानक अपने प्राणप्रिय एकमात्र पुत्र को देश निकाला करने की घोषणा करवा दी।
3. घोषणा के बाद राजा को मानसिक रोगी, पुत्र को कुसंगति में फँसा हुआ महामंत्री द्वारा राजा को राजकुमार के विषय में गलत बातें भड़काने की बात कहने लगी।
4. राजकुमार को दाई माँ ने समझाया कि राजा बहुत विवेकशील दूरदर्शी और न्यायप्रिय है।
5. राजकुमार के दो प्रिय मित्रों ने उसका राज निकाल हो जाने व उन्हें प्राणदंड मिलने के कारण उसको साथ नहीं दिया।
6. राजा की घोषणा का रहस्य था कि उनका पुत्र कितना आज्ञाकारी है और उसका सच्चा मित्र कौन है? जो प्राणदंड की परवाह किए बिना भी उसका साथ दे सकता है।

क्रियात्मक अभिव्यक्ति

उत्तर–विद्यार्थी स्वयं कीजिए।

3 दंड का रहस्य

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (अ) अज्ञातवास दिया 2. (ब) धर्मराज

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

	शब्द	अर्थ	वाक्य
1.	अज्ञातवास	— **गुप्त स्थान**	— **पांडवों को बारह वर्ष का वनवास और एक वर्ष का अज्ञातवास मिला।**
2.	क्रुद्ध	— **क्रोधित**	— **अर्जुन यक्ष की आवाज सुनकर क्रुद्ध हो उठे।**
3.	व्याकुल	— **बेचैनी**	— **पाँच पांडव प्यास से व्याकुल हो रहे थे।**
4.	अचेत	— **मूर्छित**	— **युधिष्ठिर अपने सभी भाइयों को अचेत अवस्था में देखकर चकित रह गए।**

विलोम शब्द लिखिए-

प्राय:	—	**यदा-कदा**	अनेक	—	**एक**
अधिक	—	**कम**	प्रसन्न	—	**उदास**
मृत्यु	—	**जन्म**	शांत	—	**अशांत**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. युधिष्ठिर ने सबसे पहले सहदेव को पानी लाने के लिए भेजा।
2. यक्ष के प्रश्नों का उत्तर दिए बिना पानी पीने के कारण पांडव मूर्छित हो गए थे।
3. यक्ष के द्वारा पूछने पर कि मैं तुमसे प्रसन्न हूँ। अत: बताओ कि तुम्हारे कौन से भाई को जीवित कर दूँ। तब युधिष्ठिर बोले 'नकुल को' तथा यक्ष ने उनसे फिर पूछा कि आप नकुल को क्यों जीवित देखना चाहते हैं तब युधिष्ठिर ने जवाब दिया कि मेरे पिता की दो पत्नियाँ थीं—कुंती और माद्री। अत: मैं, अर्जुन और भीम कुंती के पुत्र हैं तथा नकुल और सहदेव माद्री के। कुंती के पुत्रों में मैं, जीवित हूँ इसलिए आप नकुल को जीवित कर दीजिए। अत: युधिष्ठिर की इस बात से यक्ष अत्यधिक प्रसन्न हुआ और उसने सभी पांडवों को जीवित कर दिया।
4. युधिष्ठिर को अपने भाइयों को जीवित करने के लिए यक्ष के सभी प्रश्नों का उत्तर देना पड़ा तथा उसे प्रसन्न करने के लिए अपने धर्म की परीक्षा भी देनी पड़ी।

4 भक्त ध्रुव

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (ब) दो 2. (द) ध्रुव 3. (ब) ब्रह्मर्षि नारद 4. (स) तारा।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. बहुत **समय** पूर्व की बात है।

2. सुरुचि का बेटा **उत्तम** उनकी गोद में खेल रहा था।
3. राजा की **गोद** में बैठना है।
4. जो **उपदेश** दिया है वह बहुत अच्छा है।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

	शब्द		अर्थ		वाक्य
1.	रुचिकर	—	**पसंदीदा**	—	**सुरुचि की बातें राजा को रुचिकर लगती थीं।**
2.	विराजमान	—	**बैठना**	—	**एक बार राजा उत्तानपाद अपने सिंहासन पर विराजमान थे।**
3.	उपेक्षा	—	**अवहेलना**	—	**ध्रुव ने कहा कि पिताजी मुझे भी गोद में ले लो तो राजा ने उसकी उपेक्षा की।**
4.	दरिद्र	—	**निर्धन**	—	**हम सभी को दरिद्र व्यक्ति पर सदैव दया करनी चाहिए।**
5.	विनम्र	—	**सुशील**	—	**नारद जी बालक ध्रुव की विनम्रता देखकर प्रसन्न हुए।**

विलोम शब्द लिखिए-

अधिक	—	**कम**	हित	—	**अहित**
हमेशा	—	**कभी नहीं**	अप्रिय	—	**प्रिय**
आशा	—	**निराशा**	निंदा	—	**प्रशंसा**
कायर	—	**वीर**	प्रसन्न	—	**उदास**

पर्यायवाची शब्द लिखिए-

लगाव	—	**प्यार**	विराजमान	—	**स्थापित**
बेटा	—	**पुत्र**	कोख	—	**गोद**
तप	—	**तपस्या**	आशा	—	**उम्मीद**
संपत्ति	—	**धन**	घृणा	—	**नफरत**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. राजा उत्तानपाद की दो रानियाँ थीं।
2. राजा अपने पुत्रों के साथ असमान व्यवहार करता था, क्योंकि उसे भय रहता था कि अगर वह सुनीति के बेटे ध्रुव को भी बराबर प्यार करेगा तो उसकी प्रिय पत्नी सुरुचि राजा से रुष्ट हो जाएगी। अत: सुरुचि के बेटे उत्तम को वह बहुत प्यार करता था।
3. ध्रुव राजा उत्तानपाद और रानी सुनीति का पुत्र था। उसकी इच्छा थी कि उसके पिता उसे अपनी गोद में बैठाएँ।
4. बालक ध्रुव को जंगल में नारद जी मिले और उन्होंने ध्रुव को एक मंत्र दिया, वह इस प्रकार है—''ओउम् नमो भगवते वासुदेवाय।''
5. जब ध्रुव तपस्या करके अपने घर लौट आया तब राजा उत्तानपाद ने उसे राजसिंहासन पर बिठाया और रानी सुरुचि भी उससे बहुत प्यार करने लगी, क्योंकि उसे अपनी गलती का अहसास हो गया था।

5 नर हो न निराश करो मन को

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (ब) मैथिलीशरण गुप्त 2. (ब) क्रियाशील

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

	शब्द	अर्थ	वाक्य
1.	निराश	— **आशारहित**	**मनुष्य को कभी भी निराश नहीं होना चाहिए।**
2.	उपयुक्त	— **उचित**	**हमें उपयुक्त समय का सदुपयोग करना चाहिए।**
3.	अखिलेश्वर	— **संसार के स्वामी**	**अखिलेश्वर हमें अपना मार्ग प्रशस्त करने में सहारा देते हैं।**
4.	अवलंबन	— **सहारा**	**किसी भवन के लिए मजबूत अवलंबन एक अनिवार्य शर्त है।**

विलोम शब्द लिखिए-

अर्थ	—	**अनर्थ**	उपयुक्त	—	**अनपयुक्त**
निराश	—	**आशावान**	गौरव	—	**कलंक**
ज्ञान	—	**अज्ञान**	मान	—	**अपमान**

पर्यायवाची शब्द लिखिए-

अर्थ	—	**अभिप्राय**	व्यर्थ	—	**बेकार**
निराश	—	**दुखी**	सुयोग	—	**अच्छा समय**
अखिलेश्वर	—	**ईश्वर**	अवलंबन	—	**सहारा**

निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए-

उपयुक्त	—	**उपयोगी**	सुयोग	—	**सुयोग्यता**
प्रशस्त	—	**प्रशस्तता**	निज	—	**निजता**
ज्ञान	—	**ज्ञानी**	निराश	—	**निराशा**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. कवि के अनुसार व्यक्ति को इसलिए निराश नहीं होना चाहिए, क्योंकि निराश होने से हमें कोई फायदा होने वाला नहीं है। इसलिए हमें निराश हुए बिना अपने जीवन के महत्त्व को समझना चाहिए और अपना मन परिश्रम करने में लगाना चाहिए अर्थात् निराश रहकर हमें इस जीवन को व्यर्थ में नहीं गँवाना चाहिए।
2. व्यक्ति अपना मार्ग सही समय का सदुपयोग करके और संसार को एक विशुद्ध सपना समझकर प्रशस्त कर सकता है।
3. 'निज गौरव' से कवि का तात्पर्य है कि मनुष्य का अपना गौरव या अभिमान। अत: कवि का अभिप्राय है कि हमें अपने गौरव या मान-सम्मान का ज्ञान रहना चाहिए और यह भी पता होना चाहिए कि हम कौन हैं तथा मरने के बाद भी हमें या हमारे गौरव का सम्मान रहना चाहिए। अर्थात् मरते दम तक इसे त्यागना नहीं चाहिए।

4. ईश्वर ने हमें हाथ अनोखे उपहार में दिए हैं और मनचाही विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ भी दान में दी हैं।
5. हमें अपने भाग्य को कभी भी नहीं कोसना चाहिए, क्योंकि कोई कार्य, मान-सम्मान, सुख ऐसा नहीं है, जो हमारे योग्य न हो अर्थात् ऐसा कोई कार्य नहीं है, जिसको हम न कर सकें। जिसका रक्षक स्वयं भगवान हों वह पृथ्वी पर सभी असंभव कार्यों को संभव बना सकते हैं।

6 मितव्ययिता

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (अ) सन् 1915 ई० में 2. (अ) 5 महीने
3. (अ) फलवाले को 4. (ब) चालीस हजार

सही कथन पर सही (✓) तथा गलत कथन पर गलत (✗) का निशान लगाइए-

1. ✓ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✓ 6. ✗

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

1. योजना — **तरकीब** — **गांधी जी ने राष्ट्रीय विद्यापीठ के भवन से मणि के लिए एक योजना बनायी।**
2. सदैव — **हमेशा** — **हम सबको सदैव सत्य बोलना चाहिए।**
3. यात्रा — **सफर** — **गांधी जी यात्रा के समय आम लोगों से पैसे एकत्र करते थे।**
4. अवश्य — **जरूर** — **जो व्यक्ति एक-एक पैसे का ध्यान रखते हैं, उन्हें अवश्य लाभ होता है।**
5. कदापि — **कभी भी** — **गांधी जी अनावश्यक खर्चों को कदापि सहन नहीं करते थे।**
6. अनावश्यक — **जरूरत से ज्यादा** — **अनावश्यक खर्च से सदैव बचना चाहिए।**

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. उन्होंने संस्था को **पाई-पाई** का हिसाब दिया।
2. गांधी जी भारतीय **राष्ट्रीय कांग्रेस** के मंत्री थे।
3. अनावश्यक **खर्चों** को वे कदापि सहन नहीं करते थे।
4. बापू को इस कार्य के लिए **व्यापारी** से **चालीस हजार** रुपए दान में मिले थे।
5. इस **घटना** को उन्होंने अपनी डायरी में लिखा था।
6. **दानकर्ता** ने रुपए वापस नहीं लिए।

विलोम शब्द लिखिए-

आय — **व्यय** मोटी — **पतली**

आवश्यक	—	**अनावश्यक**	एक	—	**अनेक**
छोटा	—	**बड़ा**	शहर	—	**देहात**
समाप्त	—	**शुरू**	अधिक	—	**कम**
अपना	—	**पराया**	आना	—	**जाना**

पर्यायवाची शब्द लिखिए-

रुपए	—	**पैसा**	योजना	—	**तरकीब**
खर्च	—	**लागत**	कार्य	—	**काम**
एकत्र	—	**इकट्ठा**	समाप्त	—	**खत्म**
वापस	—	**लौटाना**	महीना	—	**माह**

बहुवचन बनाइए-

व्यापारी	—	**व्यापारियों**	डायरी	—	**डायरियों**
महीना	—	**महीने**	मंत्री	—	**मंत्रियों**
माली	—	**मालियों**	संस्था	—	**संस्थाओं**
लोग	—	**लोगों**	सिक्का	—	**सिक्कों**
भारतीय	—	**भारतीयों**	कुली	—	**कुलियों**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. अनावश्यक खर्च से बचने के लिए गांधी जी पाई-पाई का हिसाब रखते थे।
2. गांधी जी अफ्रीका से सन् 1915 ई० में भारत वापस आए। उन्हें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सभा में अफ्रीका में रह रहे भारतीयों की स्थिति के बारे में भारत को बताना था। अत: इसलिए ही वे भारत आए थे।
3. 'गांधी जी पाई-पाई का हिसाब रखते थे' का आशय है कि गांधी एक-एक पैसे को अत्यधिक सोच-समझकर खर्च करते थे। वे एक-एक रुपये की अहमियत समझते और उसे महत्त्व देते थे तथा अनावश्यक खर्चों को कदापि सहन नहीं करते थे।
4. जब गांधी जी को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सभा में अफ्रीका में रह रहे भारतीयों की स्थिति के बारे में भारत को बताना था। इसके लिए उन्हें संस्था की ओर से पूरा खर्च मिला था, तब उन्होंने संस्था को पाई-पाई का हिसाब दिया। इसमें न केवल मुंबई या कोलकाता में रेल यात्रा का किराया, होटल का बिल, पंपलेट व रिपोर्ट छपवाने का खर्चा, दक्षिण अफ्रीका व इंग्लैंड को दिए गए तार का खर्चा आदि शामिल थे, बल्कि दूसरे छोटे-छोटे खर्च भी सम्मिलित थे।

   इसमें एक आने, दो आने का खर्चा, भिखारियों को एक-एक आना भीख, डाकिया, स्टेशन के चपरासी, मालियों, कुलियों को एक आने से चार आने तक के खर्च का भी हिसाब लिखा था। ट्राम का किराया एक आना, स्याही, साबुन, अखबार खरीदने का खर्चा, अन्य छोटी-मोटी खरीद; जैसे फीते आदि का एक-एक आने का भी उन्होंने वर्णन किया था।
5. हाँ, गांधी जी भिखारियों को भीख और चपरासियों को बख्शीश देते थे।

7 बालक हूँ मैं वीर निराला

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (अ) एक प्रसिद्ध धनुर्धर 2. (ब) भील बालक 3. (स) मिट्टी की

अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए-

1.	जो किसी राज्य पर राज करे।	**राजा**
2.	जो अपने मन की करे।	**मनमौजी**
3.	जो जंगल में रहता हो।	**जंगली**
4.	जो आश्रम में रहता हो।	**आश्रमवासी**
5.	जिसका कोई नाथ न हो।	**अनाथ**

सही कथन पर सही (✓) तथा गलत कथन पर गलत (✗) का निशान लगाइए-

1. ✗ 2. ✓ 3. ✓ 4. ✗ 5. ✓

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

	शब्द	अर्थ	वाक्य
1.	ख्याति	**प्रसिद्धि**	**द्रोणाचार्य की ख्याति संपूर्ण विश्व में फैली थी।**
2.	असमर्थ	**अशक्त**	**द्रोणाचार्य ने एकलव्य से कहा कि मैं तुम्हें शस्त्र विद्या सिखाने में असमर्थ हूँ।**
3.	आश्चर्यचकित	**हैरान**	**गुरु द्रोणाचार्य अपनी मूर्ति देखकर आश्चर्यचकित रह गए।**
4.	प्रसन्न	**खुश**	**गुरु द्रोणाचार्य को देखकर एकलव्य अत्यंत प्रसन्न हुआ।**
5.	अचानक	**एकाएक**	**कुत्ता अचानक राजकुमारों से बिछुड़ गया।**

विलोम शब्द लिखिए-

महाराज	—	**महारानी**	बालक	—	**बूढ़ा**
अपना	—	**पराया**	विनम्र	—	**कठोर**
असमर्थ	—	**समर्थ**	पक्का	—	**कच्चा**
राजकुमार	—	**सेवक**	उदास	—	**प्रसन्न**

निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाइए-

शिष्य	—	**शिष्यों**	गुरु	—	**गुरुओं**
आश्रम	—	**आश्रमों**	बाण	—	**बाणों**
भक्त	—	**भक्तों**	रुचि	—	**रुचियों**
जाति	—	**जातियों**	विद्या	—	**विद्याएँ**
धुन	—	**धुनों**	पुत्र	—	**पुत्रों**

पर्यायवाची शब्द लिखिए-

श्रेष्ठ	—	**बड़ा**	आचार्य	—	**अध्यापक**
विनम्र	—	**सरल**	प्रणाम	—	**नमस्कार**
त्याग	—	**उत्सर्ग**	विशेष	—	**असाधारण**
चरण	—	**पैर**	आसन	—	**बैठने की वस्तु**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. एकलव्य भील जाति का एक होनहार बालक था। उसने गुरु द्रोणाचार्य की मिट्टी की एक मूर्ति बनाई तथा उस मूर्ति को साक्षात् गुरु मानकर धनुर्विद्या सीखी।
2. गुरु द्रोणाचार्य हस्तिनापुर के सभी राजकुमारों के गुरु थे और अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा देते थे। वे अस्त्र-शस्त्र विद्या में निपुण और श्रेष्ठ आचार्य थे। वे वास्तव में पांडवों के गुरु थे।
3. एकलव्य ने कुत्ते के भौंकने पर तीरों से उसका मुँह इस प्रकार भर दिया, जैसे कि सुई-धागे से सिला हुआ हो। एकलव्य के बाणों में इतनी कुशलता थी कि कुत्ते को कहीं पर चोट नहीं लगी।
4. एकलव्य की भक्ति से प्रसन्न होकर गुरु द्रोण ने उसे गले से लगा लिया और आशीर्वाद दिया।
5. गुरु द्रोणाचार्य के आश्रम में एकलव्य शस्त्र विद्या सीखने गया था।

8 *सही निर्णय*

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (ब) जंगल में 2. (अ) कौआ

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. ऊँट अपने **घर** से भाग निकला।
2. यहाँ उसका **मालिक** नहीं आ सकता।
3. कुछ दूर चलने पर एक **जंगल** दिखाई देता था।
4. कोई जंगली **जानवर** इधर नहीं आता।
5. तुम्हारा **जीवन** कितना अच्छा है।

विलोम शब्द लिखिए-

अहिंसक	—	**हिंसक**	मित्र	—	**शत्रु**
प्रसन्न	—	**उदास**	स्वस्थ	—	**अस्वस्थ**
मालिक	—	**नौकर**	संतुष्ट	—	**असंतुष्ट**
शोरगुल	—	**शांत**	खराब	—	**अच्छा**

पर्यायवाची शब्द लिखिए-

मित्र	—	**दोस्त**	स्वस्थ	—	**निरोग**
साधन	—	**सामग्री/उपकरण**	संतुष्ट	—	**खुश**

भयानक	—	**डरावना**	तारीफ	—	**प्रशंसा**
परिश्रम	—	**मेहनत**	चुस्ती	—	**दृढ़ता**

निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए-

मित्र	—	**मित्रता**	सच्चा	—	**सच्चाई**
खराब	—	**खराबी**	परिश्रम	—	**परिश्रमी**
संतुष्ट	—	**संतुष्टी**	प्रसन्न	—	**प्रसन्नता**
क्रोध	—	**क्रोधी**	भयानक	—	**भयानकता**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. मालिक ऊँट से दिन-रात काम कराता था और उसे डंडे से पीटता था, इसलिए ऊँट अपने मालिक को छोड़कर भाग गया था।
2. कौआ ऊँट को इसलिए रोकना चाहता था, क्योंकि ऊँट जिस रास्ते पर आगे जा रहा था, उधर आगे चलकर भयानक जंगल था और नाले के पार एक शेर भी रहता था। अत: कौआ को डर था कि ऊँट अगर उधर जाएगा, तो मारा जाएगा।
3. ऊँट जंगल में हरी पत्तियाँ खाता, तालाब में पानी पीता और सारा दिन आराम ही करता रहता था, जिससे वह अस्वस्थ रहने लगा और उसमें चुस्ती भी न रही, इसलिए उसे जंगल में सुख का अनुभव नहीं हुआ।
4. ऊँट जंगल में रहकर काफी मोटा और अस्वस्थ हो गया था और अब वह चाहता था कि मालिक के पास रहकर ही वह मेहनत करेगा तथा स्वस्थ भी हो जाएगा, इसलिए वह मालिक के डंडे भी खाकर संतुष्ट था।
5. ऊँट जंगल में बिना किसी चिंता के स्वछंद घूमता था और खूब हरी-भरी पत्तियाँ खाता तथा सारा दिन पेड़ की छाया में आराम करता था और वह मेहनत से तो बहुत दूर था। इसलिए वह बीमार रहने लगा।

9 समझदार लोमड़ी

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (स) तीस वर्ष 2. (स) तीन दिन

सही कथन पर सही (✓) तथा गलत कथन पर गलत (✗) का निशान लगाइए-

1. ✓ 2. ✗ 3. ✓ 4. ✗

विलोम शब्द लिखिए-

शेर	—	**चूहा**	अंतिम	—	**आरंभ**
भला	—	**बुरा**	विश्वास	—	**अविश्वास**
खुशी	—	**गम**	बलशाली	—	**निर्बल**

पर्यायवाची शब्द लिखिए-

बलशाली	—	**ताकतवर**	आश्चर्य	—	**विस्मय**

इच्छा	—	**चाह**	शरीर	—	**देह**
खुशी	—	**प्रसन्नता**	विश्वास	—	**यकीन/भरोसा**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. शेर की शारीरिक स्थिति खराब थी और उसके पिछले दोनों पैर लकवे के कारण सूख गए। वह चल नहीं सकता था। कई जंगली जानवर उसके सामने घूमने लगे, लेकिन वह उन्हें पकड़ नहीं सकता था। उसके मुँह पर मक्खियाँ बैठी रहती थीं। वह उन्हें उड़ाते-उड़ाते थक जाता था। उसके शरीर की शक्ति अब जाती रही थी।
2. शेर मरने से पहले अपनी गुफा लोमड़ी और उसके बच्चों को देना चाहता था।
3. खरगोश को जब पता चला कि शेर मर चुका है तो वह पहाड़ी और लोमड़ी के पास गया तथा उसने लोमड़ी को उसके लाभ की बात बताई कि शेर मर चुका है और अब वह गुफा तुम्हारी है। लोमड़ी खरगोश पर विश्वास करके गुफा के पास पहुँचे। अत: इस प्रकार खरगोश ने शेर की अंतिम इच्छा पूरी की।
4. शेर बहुत भूखा था, क्योंकि उसे तीन दिन से कहीं कोई भोजन नहीं मिला था इसलिए उसे अपनी भूख शांत करने के लिए मरने का नाटक करना पड़ा।

10 धरती माता

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (अ) भारत माता को

पंक्तियाँ पूर्ण कीजिए-

1. गेहूँ, सरसों, **चना, मटर, जौ,**
   के लहराते खेत मनोहर।
   पीले-पीले **सोने जैसे,**
   कितने प्यारे कितने सुंदर।
2. हीरा, पन्ना, **नीलम, मोती,**
   इस धरती में गड़ा हुआ है,
   तभी हमारी **भारत माता।**
   सोने की चिड़िया कहलाती।

उचित मिलान कीजिए-

सोना, चाँदी	नीलम, मोती
हीरा, पन्ना	चिड़िया कहलाती
सोने की	गीत सुनाती
धरती माता	ताँबा, पीतल

निम्नलिखित शब्दों के तुकांत शब्द लिखिए-

हरी	—	**भरी**	माता	—	**दाता**

सुनाती	—	**बुनाती**	वाली	—	**डाली**
नीलम	—	**झेलम**	सोने	—	**बोने**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. सोने की चिड़िया भारत माता को कहा जाता था।
2. धरती हमें सोना, चाँदी, ताँबा, पीतल, हीरा, पन्ना और नीलम तथा मोती आदि खनिज पदार्थ देती है।
3. हरी-भरी धरती माता है।
4. पवन के झोंके मस्त अर्थात् मन को मोहने वाले हैं।

11 स्वामिभक्त शेरू

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (अ) शेरू 2. सेठ करोड़ीमल से

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. राहुल अपने शहर का प्रसिद्ध **व्यापारी** था।
2. सेठ करोड़ीमल को पता था कि राहुल एक **सज्जन** व्यक्ति है।
3. शेरू पैरों से उस पेड़ के नीचे की **मिट्टी** खोदने लगा।

निम्नलिखित के स्त्रीलिंग रूप लिखिए-

सेठ	**सेठानी**	साँप	**साँपिन**	शेर	**शेरनी**	मोर	**मोरनी**
चोर	**चोरनी**	धोबी	**धोबिन**	चूहा	**चुहिया**	राजा	**रानी**

निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन शब्द लिखिए-

चोर	**चोरों**	थाली	**थालियाँ**	सेठ	**सेठों**	टोकरी	**टोकरियाँ**
कलम	**कलमें**	रात	**रातें**	पत्ता	**पत्ते**	चिट्ठी	**चिट्ठियाँ**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. राहुल अपने शहर का प्रसिद्ध व्यापारी था। आस-पास के व्यापारियों में उसकी बड़ी साख थी। रोजाना उसका लाखों का लेन-देन और व्यापार होता था।
2. राहुल ने सेठ करोड़ीमल से कर्जा लिया था, इसलिए उसने शेरू को गिरवी के तौर पर सेठ करोड़ीमल के घर रहकर उसकी सेवा करने के लिए छोड़ दिया।
3. चोरों ने सारा धन ले जाकर पेड़ के नीचे एक गड्ढा खोदकर धन की पोटली उसमें दबा दी।
4. जब राहुल ने शेरू को अपने घर आता देखा, तो वह गुस्से से भर गया और उसने सोचा कि यह सेठ जी के यहाँ से भागकर आ गया है तथा अब मैं सेठ जी को क्या जवाब दूँगी। यही सोचकर राहुल ने शेरू को पीटा।

12 सत्य का साथी सुकरात

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (द) एथेंस 2. (ब) संगतराशी

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

	शब्द	अर्थ	वाक्य
1.	सुमार्ग	**सही रास्ता**	**सुकरात लोगों को सुमार्ग पर लाना चाहता था।**
2.	विषपान	**जहर पीना**	**सुकरात को विषपान द्वारा मृत्युदंड का आदेश हुआ।**
3.	मृत्युदंड	**प्राणदंड**	**न्यायाधीश ने न चाहते हुए भी सुकरात को मृत्युदंड दिया।**
4.	आरोप	**दोष**	**सुकरात पर नवयुवकों को कुमार्ग पर ले जाने का आरोप लगाया गया।**

विलोम शब्द लिखिए-

सुमार्ग	**कुमार्ग**	आचरण	**आचरणहीन**
जहर	**अमृत**	समृद्ध	**विपन्न**
वीरता	**कायरता**	अंधकार	**प्रकाश**

निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए-

मानव	**मानवता**	समृद्ध	**समृद्धि**
विधान	**वैधानिक**	अपूर्व	**अपूर्वता**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. सुकरात एक महामानव था तथा वह यूनान का रहने वाला था।
2. जब सुकरात पर आरोप लगाया कि वह यूनान के देवताओं में विश्वास नहीं रखता और देश के नवयुवकों को कुमार्ग पर ले जा रहा है। तब उसने अपने आपको इस अभियोग से मुक्त करने के लिए उसने एक ऐतिहासिक भाषण दिया। संसार में शायद ही कोई वक्ता ऐसी निर्भीकता से बोला होगा।

   उसने कहा, ''क्या आप मुझे इस शर्त पर छोड़ना चाहते हैं कि मैं सत्य की राह त्याग दूँ? मैं केवल इतना कहूँगा कि मुझे सौ बार मरना पड़े तो भी मैं अपना आचरण नहीं बदलूँगा। मुझे इस मार्ग की प्रेरणा भगवान द्वारा हुई है। मैं मृत्यु से नहीं डरता। मैं नहीं जानता, मृत्यु अच्छी चीज है या बुरी, किंतु मैं यह जरूर जानता हूँ कि अपने कर्तव्य को छोड़ देना बहुत बुरा है। इसलिए मैं बुरा आचरण कभी नहीं करूँगा।''
3. सुकरात यूनान के देवताओं में इसलिए विश्वास नहीं रखता था, क्योंकि वह सदैव सत्य बोलता था तथा लोगों को भी सत्य के मार्ग पर लाने के लिए वह दिन-रात नंगे पाँव घूमा करता था। अत: वह सत्य में ही अत्यधिक विश्वास रखता था।
4. सुकरात को न्यायाधीश ने विषपान द्वारा मृत्युदंड दिया था। अत: उसके आदेशानुसार सुकरात ने विष का पान किया और उनकी मृत्यु हो गई।

13 अंधेर नगरी चौपट राजा

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (ब) टके सेर 2. (स) कोतवाल की।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. इस **खाजा** की मिठाई का क्या मूल्य है?
2. यह **कहकर** गुरु चलने को तैयार हो गए।
3. वहाँ **अन्याय** का वास होता है।
4. गुरु आँखों से **ओझल** भी न हुए थे।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

	शब्द	अर्थ	वाक्य
1.	फरियाद —	**अनुरोध**	बकरी के मरने पर चरवाहे ने राजा से **फरियाद** की।
2.	कोतवाल —	**सिपाही**	**कोतवाल** को फाँसी लगाने का हुक्म राजा ने दिया।
3.	विपत्ति —	**संकट**	गुरुजी ने गोवर्धन से कहा तू! **विपत्ति** में पड़ जाएगा।
4.	हड़बड़ी —	**जल्दबाजी**	मनुष्य **हड़बड़ी** में उचित-अनुचित का ध्यान नहीं रख पाता है।

विलोम शब्द लिखिए-

नगर	—	**गाँव**	राजा	—	**रंक**
मूर्ख	—	**विद्वान**	अन्याय	—	**न्याय**
विरोध	—	**निर्विरोध**	रुकना	—	**चलना**

पर्यायवाची शब्द लिखिए-

आश्चर्य	—	**विस्मय**	पानी	—	**तोय**
ठहर	—	**रुक**	स्पष्ट	—	**शुद्ध**
विपत्ति	—	**मुसीबत**	रुकना	—	**ठहरना**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. अंधेर नगरी में सभी चीजें टके सेर अर्थात सस्ती मिलती थीं, इसलिए गोवर्धनदास अंधेर नगरी में रहना चाहता था।
2. गुरु जी के अनुसार, जिस नगरी में अँधेर होता है, वहाँ अन्याय ही होता है। उन्होंने गोवर्धन से उस नगरी से चलने के लिए कहा, मगर गोवर्धन तो पेटू था और नगरी में हर चीज सस्ती मिल रही थी। इसलिए वह इस नगरी को छोड़कर नहीं जाना चाहता था। अत: इसलिए गुरूजी उसे छोड़कर उस नगरी से चले गए।
3. कोतवाल की गर्दन दुबली-पतली होने के कारण उसकी गर्दन में फाँसी का फंदा फिट नहीं बैठ सका तथा गोवर्धन काफी मोटा-ताजा था और उसकी गर्दन में फाँसी का फंदा फिट बैठता; अत: इसलिए गोवर्धनदास को फाँसी लगाई जा रही थी।
4. गोवर्धनदास को जहाँ फाँसी दी जानी थी संयोग से वहाँ गुरुजी पहुँच गए और गोवर्धनदास को एक उपदेश दिया और दोनों झगड़ने लगे। तभी वहाँ अंधेर नगरी का राजा भी पहुँच गया

और उसने दोनों के झगड़े का कारण जानना चाहा, जो भी तब गुरुजी ने उपदेश दिया कि आज इस शुभ घड़ी में जो भी फाँसी पर चढ़ेगा वही अगले जन्म में इस राज्य का राजा बनेगा। यह सुनकर राजा खुद फाँसी पर चढ़ गया। अत: इस तरह गुरुजी ने अपने शिष्य के प्राण बचाए।

14 सुनयना

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (ब) नेत्रहीन लड़की 2. (अ) पाँचवीं 3. (स) संजय 4. (अ) संतोष

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

	शब्द		अर्थ	वाक्य
1.	करुणा	–	**दया**	हमारे अंदर सभी के प्रति **करुणा** का भाव होना चाहिए।
2.	प्रण	–	**प्रतिज्ञा**	संजय ने सुनयना की आँखें बनने का **प्रण** लिया।
3.	स्मृति	–	**याद**	संजय के दिमाग में रह-रहकर नेत्रहीनों की **स्मृतियाँ** उभर रही थीं।
4.	क्रोध	–	**गुस्सा**	संजय जब अपनी परीक्षा में फैल हो गया तो उसकी माँ को बहुत **क्रोध** आया।
5.	कठिनाई	–	**मुश्किल**	अंधे व्यक्तियों को अत्यधिक **कठिनाई** का सामना करना पड़ता है।
6.	अचानक	–	**सहसा**	पिंकी को **अचानक** ही दिल्ली जाना पड़ रहा है।
7.	मित्रता	–	**दोस्ती**	संजय और सुनयना की आपस में अच्छी **मित्रता** हो गई।

विलोम शब्द लिखिए-

शंका	–	**विश्वास**	अगला	–	**पिछला**
एक	–	**अनेक**	गीला	–	**सूखा**
नाग	–	**नेवला**	विश्वास	–	**अविश्वास**
कठिन	–	**सरल**	बुराई	–	**भलाई**
जीवन	–	**मरण**	संतोष	–	**असंतोष**
पास	–	**दूर**	शत्रु	–	**मित्र**

निम्नलिखित शब्दों के बहुवचन बनाइए-

चर्चा	–	**चर्चाएँ**	अध्यापिका	–	**अध्यापिकाएँ**
उँगली	–	**उँगलियाँ**	नेत्रहीन	–	**नेत्रहीनों**
दरवाजा	–	**दरवाजे**	शंका	–	**शंकाएँ**
परीक्षा	–	**परीक्षाएँ**	लेखक	–	**लेखकों**
उत्तर	–	**उत्तरों**	पुस्तक	–	**पुस्तकें**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. जब आशुतोष ने बताया कि सुनयना अंधी है और वह पढ़ती भी है तो संजय सुनयना से मिलने को उत्सुक हुआ।
2. संजय ने सुनयना की मदद उसकी आँखें बनकर की। वह सुनयना के लिए पुस्तक पढ़ता और फिर सुनयना उसे सुनकर याद करती। संजय सुनयना की परीक्षा के लिए उसका लेखक बना और उसे अच्छे अंकों से पास कराया। अत: इस प्रकार संजय ने सुनयना की मदद की।
3. संजय अपनी परीक्षा देने नहीं गया इसलिए वह फेल हो गया और अपना परिणाम पत्र लेने भी स्कूल नहीं गया। संजय के परीक्षा में फेल हो जाने के कारण ही उसकी माँ ने संजय को पीटा।
4. संजय ने अपनी परीक्षा न देने का निर्णय इसलिए लिया, क्योंकि वह सुनयना की आँखें बना रहना चाहता था अर्थात् वह हमेशा सुनयना की मदद करना चाहता था। इसलिए वह सुनयना की परीक्षा देने उसके स्कूल गया।

15 अनोखे पक्षियों का संसार

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) अमृत जैसी 2. (ब) बुद्धिमान 3. (स) पेंग्विन
4. (ब) कुशल गृहिणी 5. (द) इन सभी में 6. (स) 1400

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. इनमें से कुछ पक्षी अपने व्यवहार और **स्वभाव** में बहुत ही अनोखे होते हैं।
2. कस्तूरी चिड़िया बहुत ही **मीठे** स्वर में गाती है।
3. कस्तूरी और कोयल के समान **कालकूट** सारा दिन नहीं गाती।
4. **ऐमू** 'लक्कड़ हज़म, पत्थर हज़म' वाली कहावत को चरितार्थ करता है।
5. ऐमू **ऑस्ट्रेलिया** में पाया जाता है।
6. **पेंग्विन** मानव की भाँति अपने दोनों पंजों के बल पर चलता है।
7. बॉवर अपने घोंसलें को रंगीन **फूलों** और **घास** से सजाता है।
8. ये सभी पक्षी प्रकृति के अनोखे **करिश्मे** हैं।

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

1. चरितार्थ – पूरी तरह खरा उतरना — **ऐमू लक्कड़ हजम, पत्थर हजम वाली कहावत को चरितार्थ करता है।**
2. करिश्मे – चमत्कार — **सभी पक्षी प्रकृति के अनोखे करिश्मे हैं।**
3. गृहिणी – घरवाली — **बया चिड़िया बहुत कुशल गृहिणी है।**
4. संचार – समाचार एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुँचना — **प्राचीन काल में संचार के साधन नहीं थे।**
5. संरक्षण – बचाव — **पक्षियों का संरक्षण करना हम सभी का परम कर्तव्य है।**

निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञाएँ बनाइए-

1. मधुर	—	**मधुरता**	2. सुंदर	—	**सुंदरता**
3. उड़ना	—	**उड़ान**	4. सहायक	—	**सहायता**

नीचे दिए वाक्यों में से विशेषण चुनकर उनके भेद लिखिए-

1. सार्वनामिक विशेषण 2. परिमाणवाचक विशेषण
3. संख्यावाचक विशेषण 4. गुणवाचक विशेषण

खाली स्थानों में उपयुक्त कारक विभक्ति लगाइए-

1. बच्चों **को** खाली समय **में** कुछ नया सीखना चाहिए।
2. माता जी मेरे **लिए** रोज़ अच्छा-अच्छा भोजन बनाती हैं।
3. पेड़ **से** गिरे पत्ते तुम **ने** क्यों उठाए?
4. रोहित **ने** कार **की** सीटों **का** कपड़ा बदलवा दिया है।

बहुवचन बनाइए-

पक्षी	—	**पक्षियों**	पंख	—	**पंखों**
चिड़िया	—	**चिड़ियाँ**	प्राणी	—	**प्राणियों**
मील	—	**मीलों**	कबूतर	—	**कबूतरों**
लकड़ी	—	**लकड़ियाँ**	पत्ती	—	**पत्तियाँ**
टुकड़ा	—	**टुकड़े**	तिनका	—	**तिनके**

विलोम शब्द लिखिए-

मीठा	—	**खट्टा**	अपना	—	**पराया**
दिन	—	**रात**	निपुण	—	**अयोग्य**
आसान	—	**कठिन**	समानता	—	**असमानता**
निकट	—	**दूर**	टूटना	—	**जुड़ना**

सही वर्तनी पर गोला (◯) लगाइए-

(प्रजातियाँ)	परजातियाँ	प्रजातिया
चरीतार्थ	चरितारथ	(चरितार्थ)
सवच्छंद	(स्वच्छंद)	स्वचछंद
बॉवर	वॉबर	बावर
पेग्विन	(पेंग्विन)	पैंग्विन

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. ऐमू पक्षी की पाचन-शक्ति गजब की होती है। वह ऑस्ट्रेलिया में पाया जाता है।
2. **बॉवर और बया के घोंसले की विशेषता**-बॉवर और बया अपने घोंसले को इस खूबसूरती से सजाते हैं कि इन्हें पक्षियों में 'इंटीरियर डेकोरेटर' कहा जा सकता है। नर बॉवर पतली लकड़ियाँ, पत्तियों व पंखों की सहायता से घोंसला बनाता है, जिसे 'बॉवर' कहा जाता है। सभी बॉवर अपने घोंसले को रंगीन फूलों और घास से सजाते हैं तथा ये घोंसले सजाते समय रंग-योजना या मैचिंग का भी ख्याल रखते हैं। ये नीले रंग के फूलों से भी घोंसले सजाते हैं। कुछ बॉवर तो घोंसला सुंदर होने के साथ-साथ बाग भी सुंदर

होना पसंद करते हैं। बया को हम दर्जिन कह सकते हैं। यह तिनकों को अपनी चोंच की सहायता से अत्यधिक निपुणता से बुनती है। इसके घोंसले का प्रवेश द्वार सँकरा होता है और फिर चौड़ी-सी थैली, जहाँ मुलायम रुई आदि बिछी होती है। इसी स्थान पर यह अंडे भी देती है।

3. शुतुरमुर्ग 60 से 90 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से दौड़ सकता है।
4. कबूतर प्राचीन काल में पोस्टमैन की तरह पत्र लाने व ले जाने के काम आता था।
5. बॉवर और बया को पक्षियों का 'इंटीरियर डेकोरेटर' से नाम से जाना जाता है।
6. कस्तूरी चिड़िया बहुत ही मीठे स्वर में गाती है। इसकी मधुर आवाज़ में संगीत के सारे स्वर उपस्थित रहते हैं। जब यह 'सा' से प्रारंभ करके रे, ग, म, प, ध, नी तक जाती है तब सुनने वाले झूम उठते हैं।

16 शहीद रामप्रसाद बिस्मिल

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (ब) 1897 ई० 2. (ब) स्वामी दयानंद सरस्वती 3. (स) 1927
4. (स) क्रांतिकारी जीवन 5. (स) 14 वर्ष

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

1. एकत्रित — **इकट्ठा** — धन **एकत्रित** करने के विचार से बिस्मिल ने लेखन कार्य भी किया।
2. व्यवसाय — काम-धंधा — बिस्मिल जी लेखन का **व्यवसाय** करते थे।
3. मालिक — ईश्वर — सबका **मालिक** एक है।
4. सचेत — सावधान — बिस्मिल के साथियों ने उन्हें **सचेत** किया कि वे पकड़े जा सकते हैं।
5. साहस — हिम्मत — बिस्मिल जी की पुस्तक 'क्रांतिकारी जीवन' छापने का **साहस** कोई भी प्रकाशक न कर सका।

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. एक **क्रांतिकारी** मस्त होकर गा रहा था।
2. शहीद होने वाला यह **महान** देशभक्त था।
3. एक ऐसी गुप्त **समिति** भी है।
4. कोई भी **प्रकाशक** हिम्मत नहीं जुटा सका।
5. अन्याय के विरोध में भी उन्होंने **आवाज** उठाई थी।

विलोम शब्द लिखिए-

विश्वास	—	**अविश्वास**	दु:ख	—	**सुख**	स्वाधीन	—	**पराधीन**
सज्जन	—	**दुर्जन**	सत्य	—	**असत्य**	महान	—	**दरिद्र**
हानि	—	**लाभ**	सचेत	—	**अचेत**			

पर्यायवाची शब्द लिखिए-

प्रसन्न	— **खुश**	उत्साह	— **उमंग**	एकत्रित	— **इकट्ठा**
आरंभ	— **शुरू**	समिति	— **सभा**	साहस	— **हिम्मत**
अखिल	— **संपूर्ण**	गुप्त	— **रक्षित**	संध्या	— **शाम**
धन	— **संपत्ति**				

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. समाचार-पत्रों में लाहौर षड्यंत्र के अभियुक्तों के संबंध में दिए गए निर्णय के अनुसार बिस्मिल जी के भाई परमानंद जैसे महान पुरुष को फाँसी दी जानी थी। यह समाचार पढ़कर बिस्मिल के हृदय में विद्रोह की चिंगारियाँ भड़क उठीं और उन्होंने ब्रिटिश सरकार से बदला लेने का संकल्प लिया। अत: इस प्रकार रामप्रसाद बिस्मिल स्वाधीनता आंदोलन में उतर गए।
2. बिस्मिल जी एक क्रांतिकारी थे और उन्होंने खुफिया विभाग के अन्याय के विरोध में भी आवाज उठाई थी। अत: इसलिए सुनवाई पूरी होने के बाद उनको 'मृत्युदंड' दिया गया।
3. बिस्मिल जी द्वारा रचित पुस्तकों के नाम—'अमेरिका को स्वतंत्रता कैसे मिली', 'स्वदेशी रंग' और 'क्रांतिकारी जीवन' हैं।
4. क्रांतिकारियों ने आर्थिक समस्या को सुलझाने का उपाय सोचा कि सरकारी खजाने का लूटा जाए।
5. फाँसी पर चढ़ने से पहले बिस्मिल जी की अंतिम इच्छा थी कि, ''मैं ब्रिटिश साम्राज्य का विनाश चाहता हूँ।'' अर्थात ब्रिटिश साम्राज्य का विनाश किया जाए।

17 कश्मीर : एक दर्शनीय स्थल

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) श्रीनगर 2. (ब) प्रसन्नता
3. (स) डल झील के चारों ओर 4. (ब) प्रेम

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. **कश्मीर** को धरती का स्वर्ग कहा जाता है।
2. सर्दियों में बर्फ़ से ढक जाने पर राजधानी **जम्मू** हो जाती है।
3. शालीमार का अर्थ होता है—**प्रेम**।
4. श्रीनगर का दूसरा प्रसिद्ध उद्यान है—**निशात बाग**।
5. **शंकराचार्य मंदिर** ऊँची पहाड़ी पर बना है।

अनमेल शब्दों पर गोला बनाइए-

1.	धरती	सूरज	(नदी)	चाँद
2.	पर्वत	(बगीचा)	नदियाँ	झीलें
3.	सरदी	(कंबल)	बरसात	गरमी

4. इलायची अखरोट बादाम काजू

5. केसर धान मक्का गेहूँ

बहुवचन बनाइए-

मिट्टी	—	**मिट्टियाँ**	फट्टा	—	**फट्टे**
वस्तु	—	**वस्तुएँ**	विशेषता	—	**विशेषताओं**
कतार	—	**कतारें**	पर्यटक	—	**पर्यटकों**
उद्यान	—	**उद्यानों**	बगीचा	—	**बगीचे**
लकड़ी	—	**लकड़ियों**	फूल	—	**फूलों**
झील	—	**झीलों**	वृक्ष	—	**वृक्षों**

पर्यायवाची शब्द लिखिए-

बाग	—	**उद्यान**	निर्मित	—	**बनाया हुआ**
एकत्रित	—	**इकट्ठा**	सुंदर	—	**मनोहर**
भोजन	—	**आहार**	वृक्ष	—	**विटप**
धरती	—	**पृथ्वी**	विश्व	—	**संसार**

विलोम शब्द लिखिए-

मालिक	—	**नौकर**	साथ-साथ	—	**अलग-अलग**
प्रेम	—	**घृणा**	अर्थ	—	**अनर्थ**
शीत	—	**ग्रीष्म**	मीठा	—	**खट्ठा**
इधर	—	**उधर**	बड़ा	—	**छोटा**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. चश्मे-शाही की विशेषता है—पहाड़ों से बहते चश्मे का मीठा पानी।
2. कश्मीर में हिदुओं का तीर्थस्थान अमरनाथ है। इसकी प्रमुख विशेषता यह है कि यहाँ हर वर्ष जून और जुलाई के महीनों में एक कंदरा में बर्फ का शिवलिंग अपने आप निर्मित हो जाता है।
3. कश्मीर में मुगल बादशाह द्वारा निर्मित बाग-बगीचे भी अपनी खूबसूरती के लिए जाने जाते हैं। श्रीनगर का एक दर्शनीय स्थल है—शंकराचार्य मंदिर। यह भी अपनी विशेषता के लिए जाना जाता है। श्रीनगर में हिंदुओं का प्रमुख तीर्थ स्थान अमरनाथ भी विश्व प्रसिद्ध है। कश्मीर के कालीन, पश्मीना शॉल लकड़ी की नक्काशी और पेपरमेशी के बारीक काम वाले सजावटी सामान, कश्मीरी भोजन और कहवा भी लाजवाब होते हैं तथा बादाम और अखरोट जैसे मेवे भी प्रसिद्ध हैं। कश्मीर की केसर पूरे विश्व में प्रसिद्ध है।
4. मुगल बादशाहों द्वारा निर्मित बाग-बगीचे यहाँ के प्राकृतिक सौंदर्य में चार-चाँद लगा देते हैं। बादशाह जहाँगीर ने शालीमार बाग को सीढ़ीनुमा बनवाया। गुलाब और रंग-बिरंगे फूलों की क्यारियों, फव्वारों की कतारों, हरे-भरे वृक्षों से सजा यह उद्यान पर्यटकों को लुभा लेता है। शालीमार का अर्थ होता है—प्रेम। यह बादशाह के प्रकृति-प्रेम का प्रतीक है।

श्रीनगर का दूसरा प्रसिद्ध उद्यान है—'निशात बाग।' इसे शाहजहाँ के ससुर आसफ़जहाँ ने बनवाया था। यह भी सीढ़ीनुमा है। तीसरा बाग है—चश्मे-शाही। चश्मा यानी झरना। पहाड़ों से बहते चश्मे का मीठा पानी इसकी विशेषता है।

18 खिलौना

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) दीना का 2. (ब) मिट्टी का खिलौना 3. (ब) सियाराम शरण गुप्त

विलोम शब्द लिखिए-

व्यथित	—	**प्रसन्न**	निर्मित	—	**ध्वंस**
राजा	—	**रंक**	राजपुत्र	—	**सेवक**
शिशु	—	**युवक**	बालक	—	**वृद्ध**

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

	शब्द	अर्थ	वाक्य
1.	व्यथित —	**दुःखी**	खिलौने के लिए अपने बेटे को मचलता देख उसकी माँ **व्यथित** हो जाती है।
2.	सुवर्ण —	**सोना**	खिलौने **सुवर्ण**-निर्मित भी होते हैं।
3.	पुचकार —	**दुलार**	माँ अपने बच्चे को प्यार से **पुचकारती** है।
4.	तत्काल —	**तुरंत**	दीना के लाल ने मिट्टी का खिलौना **तत्काल** मिट्टी में फेंक दिया।

पर्यायवाची शब्द लिखिए-

राजकुमार	—	**राजपुत्र**	लाल	—	**पुत्र**
व्यथित	—	**दुखी**	सुवर्ण	—	**सोना**
निर्मित	—	**निर्माण**	राजपुत्र	—	**राजकुमार**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. इस कविता में शिशु खिलौना लेने की हठ करता है।
2. माँ इसलिए व्यथित हो जाती है, क्योंकि उसका शिशु सुवर्ण-निर्मित खिलौना देखकर उसे पाने के लिए मचल उठता है।
3. माँ शिशु से कहती है कि जिस खिलौने से तुम खेल रहे हो वैसा खिलौना तो राजा के घर भी नहीं है। अत: यह कहकर माँ अपने शिशु को बहकाती है।
4. कवि ने शिशु के लिए अलग-अलग संबोधनों का प्रयोग इसलिए किया है, क्योंकि दोनों शिशुओं की परिस्थिति अलग-अलग हैं। एक राजकुमार का शिशु तो दूसरा एक साधारण आदमी का पुत्र है। अत: इसी संदेह को स्पष्ट करने के लिए उसने शिशु के लिए अलग-अलग नामों से पुकारा है।

19 नेपोलियन बोनापार्ट

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न-

1. (अ) फ्रांसीसी 2. अंग्रेज सेनापति ने

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

	शब्द	अर्थ	वाक्य
1.	असंभव —	**नामुमकिन**	प्रत्येक **असंभव** कार्य को संभव बनाया जा सकता है।
2.	अदम्य —	**अजेय**	**अदम्य** साहस के साथ नेपोलियन सेनापति के पास पहुँचा।
3.	घोषित —	**ऐलान**	नेपोलियन ने सहायक को प्रधान तोपची **घोषित** किया।
4.	आक्रमण —	**हमला**	नेपोलियन ने निश्चय किया कि **आक्रमण** पहाड़ी से करना ठीक रहेगा।

विलोम शब्द लिखिए-

समाप्त	—	**शुरू**	जवान	—	**बूढ़ा**
शेर	—	**चूहा**	दृश्य	—	**अदृश्य**
आत्मा	—	**शरीर**	पृथ्वी	—	**आकाश**
मृत्यु	—	**जन्म**	खुशी	—	**दुखी**

पर्यायवाची शब्द लिखिए-

आक्रमण	—	**हमला**	तुरंत	—	**शीघ्र**
अत्यंत	—	**आवश्यक**	समाप्त	—	**खत्म**
हिम्मत	—	**साहस**	शिखर	—	**शैल**
उन्नति	—	**तरक्की**	महान	—	**बड़ा**

निम्नलिखित शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाइए-

समर्पण	—	**समर्पणता**	मैदान	—	**मैदानी**
निश्चय	—	**निश्चयी**	खुश	—	**खुशी**
प्रधान	—	**प्रधानता**	हिम्मत	—	**हिम्मती**
नजर	—	**नजराना**	संभव	—	**संभवतया**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. नेपोलियन बोनापार्ट एक दृढ़-निश्चयी, साहसी और कर्मठ सैनिक था। वह फ्रांस देश से संबंध रखता था।
2. नेपोलियन सेनाध्यक्ष के पास नौकरी की तलाश में गया था।
3. जब नेपोलियन ने पहाड़ी का निरीक्षण किया और देखा कि किले की तोपों का मुँह उस मैदान की तरफ था, जहाँ कि फ्रांसीसी सेनाएँ डटी हुई थीं। अत: उसने निश्चय किया कि आक्रमण यहीं से करना ठीक रहेगा। इसलिए नेपोलियन ने किले पर पहाड़ी से आक्रमण किया।

4. सेनापति ने उसकी परीक्षा लेने हेतु किले की तरफ संकेत करते हुए कहा—''हम लोग बहुत दिनों से युद्ध कर रहे हैं, लेकिन हमें सफलता नहीं मिल रही है। इस विषय में तुम्हारा क्या विचार है?''

   नेपोलियन ने सेनापति की ओर अपलक कुछ क्षण देखा और अचानक बोल उठा—''सेनापति जी, जीवन में कोई भी कार्य असंभव नहीं होता। अगर दृढ़-निश्चय, साहस और उचित युक्ति से काम लिया जाए तो असंभव को संभव बनाया जा सकता है।

20 झूठ की सजा

अभ्यास

बहुविकल्पीय प्रश्न–

1. (अ) भाई थे 2. (अ) विमल को

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1. कमल और **विमल** दो भाई थे।
2. स्कूल में **आजादी** की सालगिरह चौदह अगस्त को मनायी गई।
3. कमल ने बड़े मन से एक **भाषण** लिखा।
4. माँ विमल को **डॉक्टर** के पास ले गई।

निम्नलिखित सही कथन पर (✓) तथा गलत कथन पर (✗) का निशान लगाइए-

1. ✗ 2. ✓ 3. ✗ 4. ✓

पर्यायवाची शब्द लिखिए-

माँ	**माता**	**जननी**	क्रोध	**गुस्सा**	**रोष**
पहाड़	**पर्वत**	**गिरि**	दिन	**दिवस**	**दिवा**

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. दोनों भाइयों के नाम कमल और विमल थे। कमल पाँचवीं कक्षा में पढ़ता था और विमल तीसरी कक्षा में।
2. विमल ने स्कूल न जाने के लिए बुखार आ जाने का बहाना बनाया।
3. मास्टर जी ने बच्चों को आजादी की लड़ाई पर भाषण लिखकर लाने को कहा और अच्छा भाषण लिखने वाले बच्चे को इनाम मिलने की भी घोषणा की।
4. विमल के झूठ बोलने पर उसकी माँ उसे डॉक्टर के पास लेकर गई और उसे इंजेक्शन लगवाया तथा डॉक्टर ने कड़वी दवा भी उसे खाने को दी। डॉक्टर ने उसे एक हफ्ते के लिए उसका खाना-पीना, खेलना-कूदना सब बंद कर दिया। अत: इस प्रकार विमल को अपने झूठ बोलने की सजा मिली।

नोट